राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 13 , अंक : 101, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली शुक्रवार 27 अक्टूबर 2023, मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

प्रदूषण रोकने के लिए रेड लाइट ऑन-गाड़ी ऑफ अभियान शुरू, तीन नवंबर को 2000 इको
.... पेज 03

मुख्यमंत्री ने बागपत में 351 करोड़ की 311 विकास परियोजनाओं का किया
.... पेज 05

झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : भारत की नजर दूसरे खिताब पर
.... पेज 07

राजकुमार राव आगामी चुनावों के लिए नेशनल आइकॉन नियुक्त

नयी दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आगामी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों और 2024 के आम चुनावों में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से अभिनेता राजकुमार राव को गुरुवार को अपना नेशनल आइकॉन नियुक्त किया।

मतदाताओं विशेषकर युवाओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और ईसीआई के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में राजधानी में

राजकुमार और ईसीआई के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, जब लोग, विशेषकर युवा चुनाव प्रक्रिया में भाग लेते हैं और सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, तो यह सबसे अच्छी अनुभूति होती है। उन्होंने युवा मतदाताओं से आगामी चुनावों में मतदान करने के लिए आगे आने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पांच राज्यों राजस्थान, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम को छोड़कर मतदाता सूची में विवरण अपडेट करने के लिए कल से एक विशेष अभियान शुरू करने जा रहा है।

लश्कर के 5 आतंकवादी ढेर

बड़ी घुसपैठ नाकाम; पाकिस्तान फिर हुआ बेनकाब

बीते पांच दिनों में कश्मीर में घुसपैठ की यह दूसरी घटना है, जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। इससे पहले 22 अक्टूबर को जवानों ने बारामूला के उरी सेक्टर में दो आतंकियों को मार गिराया था। दोनों आतंकी एक बड़े ग्रुप का हिस्सा थे, जो लगातार बारिश और खराब विजिबिलिटी का सहारा लेकर एलओसी पार करने की कोशिश कर रहे थे।

कश्मीर में सुरक्षा बलों हाथ गुरुवार को बड़ी कामयाबी लगी। सुरक्षा बलों ने कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक बड़े ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा के पांच आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की चिनार कोर ने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान चलाया और उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस नाकाम घुसपैठ के साथ ही पाकिस्तान एक बार फिर से बेनकाब हो गया है। ऑपरेशन की जानकारी देते हुए जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा कि आतंकवादियों की संख्या में काफी हद तक कमी आई है।

पुलिस ने शाम को कहा कि कुपवाड़ा के माछिल में एक ऑपरेशन में लश्कर के पांच आतंकवादी मारे गए हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), कश्मीर जोन विजय कुमार ने कहा कि लश्कर के पांच आतंकवादी मारे गए। उनकी पहचान की जा रही है। तलाशी अभियान जारी है। अतिरिक्त विवरण बाद में दिए जाएंगे। अग्रिम इलाकों का दौरा करने वाले जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा कि पुलिस और सेना का संयुक्त अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन शाम तक समाप्त होने पर विवरण साझा किया जाएगा।

दिलबाग सिंह ने कहा कि इस सीमा बेल्ट के सामने का क्षेत्र लंबे समय से कुख्यात है। उन्होंने कहा, वहां अच्छी संख्या में कैंप, लॉन्चिंग पैड और ट्रेनिंग सेंटर हैं। पीओके में कम से कम 16 लॉन्चिंग पैड मौजूद हैं। घुसपैठियों को भेजने के लिए उनकी ओर से ये गतिविधियां जारी रहती हैं। कभी-कभी हथियार और नार्को तस्करी के प्रयास होते हैं। डीजीपी ने कहा कि घुसपैठ की कोशिशें होती रहती हैं और वे उनमें से अधिकांश को विफल करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, पुलिस और सेना सहित हमारा प्रयास पाकिस्तान और उसकी एजेंसियों द्वारा इस प्रकार के प्रयासों को विफल करना है। आज का ऑपरेशन भी उसी प्रयास का एक हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि दूसरे पक्ष की कोशिश भारी बर्फबारी से पहले अधिक से अधिक आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की थी। उन्होंने कहा, (सर्दियों की शुरुआत से पहले), पाकिस्तान के लॉन्चिंग पैड से आतंकवादियों को राजौरी-पुंछ और कुपवाड़ा-बारामूला सेक्टरों में भेजने की कोशिश की जा रही है। इनमें से कई प्रयास विफल कर दिए गए। सीमा पर सफल ऑपरेशन हुए हैं और कई आतंकी घुसपैठ करते हुए मारे गए हैं। पहले यह संख्या लगभग 40 थी और इन सफल अभियानों ने घुसपैठ की कोशिशों को काफी हद तक विफल कर दिया है।

इसके बावजूद कुछ लोग घुसपैठ करने में कामयाब हो जाते हैं लेकिन अंदरूनी इलाकों में ऑपरेशन के दौरान उनको भी निपटा दिया जाता है। डीजीपी ने कहा कि आज उग्रवादियों की संख्या काफी हद तक कम हो गयी है। उन्होंने कहा, पुलिस और अन्य बलों को बड़ी सफलता मिली है। लोगों ने राहत महसूस की है क्योंकि आतंकवादियों का सफाया हो गया है...आतंकवादियों की संख्या बहुत बड़ी नहीं है और आने वाले दिनों में उनमें और कमी आएगी।

21 अक्टूबर को उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश में दो आतंकवादी मारे गए थे, जिसे सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया था। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एमके साहू ने रविवार को एक बयान में कहा था कि घुसपैठ करने वाले समूह द्वारा शवों को नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर वापस खींच लिया गया था।

इस बीच सुरक्षा बलों ने दो एके राइफलें, छह पिस्तौल, चार चीनी ग्रेनेड, कंबल और पाकिस्तानी और भारतीय करेंसी नोट, पाकिस्तानी दवाओं और खाने-पीने की चीजों से भरे दो खून से सने बैग सहित युद्ध जैसे सामान बरामद किए थे।

तेज रफ्तार एसयूवी एनएच पर खड़े ट्रक से टकराई

सड़क हादसे में तीन महिलाओं समेत 12 की मौत

एजेंसी

चिक्कबल्लापुर ।कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर इलाके में बड़ा सड़क हादसा हुआ। यहां राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर एसयूवी की खड़े ट्रक से टक्कर हो गई।

भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि हादसे में तीन महिलाओं सहित 12 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिक जांच में हादसे की वजह घुप कोहरा हो सकता है।

पुलिस के मुताबिक, घटना गुरुवार सुबह बेंगलुरु के पास चिक्कबल्लापुर की बताई जा रही है। यहां एक एसयूवी

एक खड़े ट्रक से टकरा गई, जिसमें तीन महिलाओं सहित बारह लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर एक यातायात पुलिस स्टेशन के पास हुई। पुलिस को संदेह है कि दुर्घटना का कारण कोहरा मौसम है।

चिक्काबल्लापुर के पुलिस अधीक्षक डीएल नागेश ने कहा, आंध्र प्रदेश स्थित एक टाटा सूमो सुबह करीब सात बजे एक ट्रक से टकरा गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतक आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के गोरंटला इलाके के कोथाचेरुवु के रहने वाले थे। टक्कर के कारण एसयूवी क्षतिग्रस्त हो गई और राहगीरों ने पुलिस के साथ मिलकर पीड़ितों को बाहर निकाला, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। पांच घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि मृतकों के बारे में अधिक जानकारी जांच के बाद पता चलेगी।

चुनावी राज्यों में नहीं जाएगी विकसित भारत संकल्प यात्रा

इलेक्शन कमीशन का केंद्र को निर्देश, सरकार बोली- हम पालन करेंगे

नई दिल्ली। इलेक्शन कमीशन ने गुरुवार को केंद्र सरकार को चुनावी राज्यों में विकसित भारत संकल्प यात्रा न निकालने के निर्देश दिए। इसके लिए कमीशन ने कैबिनेट सेक्रेटरी राजीव गौबा को एक लेटर लिखा है। कमीशन का केंद्र से कहना है कि 5 दिसंबर तक जहां आचार संहिता लागू है, वहां ये यात्रा न निकाला जाए। इस पर सरकार ने कहा कि हम इस निर्देश का पालन करेंगे। दरअसल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है। इन राज्यों में नवंबर में अलग-अलग तारीखों पर मतदान होगा और नतीजे तीन दिसंबर को घोषित किए जाएंगे।

20 नवंबर से शुरू होगी यात्रा

केंद्र सरकार ने देश भर में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' निकालने का निर्णय लिया है, जो 20 नवंबर से शुरू होगी और अगले साल 25 जनवरी तक चलेगी। यह यात्रा देश की 2.7 लाख ग्राम पंचायतों में जाएगी। इस दौरान सभी 765 जिलों में सीनियर अधिकारियों को रथ प्रभारी के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। यात्रा में केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाया जाएगा।

पीएम मोदी ने 6 महीने का समय तय किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 महीने में सभी लोगों तक सरकारी योजनाओं को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए ही विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जाएगी। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। यात्रा में लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम किसान, फसल बीमा योजना, पोषण अभियान, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जनऔषधि योजना, विश्वकर्मा योजना और पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ दिया जाएगा।

लिफाफे वाले बयान से भड़के भाजपा वालों ने मुझ पर केस कर दिया : प्रियंका

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देवनारायण मंदिर में लिफाफे में 21रुपए के चढ़ावे संबंधी उनके बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वाले इतने भड़के हैं कि इस बात पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया है। वाड्रा ने आज खुद यह जानकारी देते हुए कहा मेरी एक बात पर भाजपा वाले इतने भड़क गए कि मुझ पर केस डाल दिया। उन्होंने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा, मैंने तो ये कहा था कि मैंने टीवी पर देखा- प्रधानमंत्री जी देवनारायण जी के मंदिर में लिफाफा डाल आए।

हिमाचल के होटलों में 50 प्रतिशत तक छूट का ऐलान

10 नवंबर तक जारी रहेगा डिस्काउंट; टूरिस्टों को एडवांस बुकिंग पर फायदा

शिमला। हिमाचल के होटल संचालकों ने 10 नवंबर तक कमरों की एडवांस बुकिंग पर डिस्काउंट जारी रखने का ऐलान कर दिया है। देशभर के पर्यटक इसका फायदा उठा सकेंगे। शिमला व डलहौजी के होटलों में एडवांस बुकिंग पर 50 फीसदी तक छूट मिलेगी, जबकि मनाली में कमरों की एडवांस बुकिंग पर 40 प्रतिशत तक की छूट रहेगी।

शिमला होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष एमके सेठ ने बताया कि राजधानी के होटलों में अभी भी 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है।

नवंबर के पहले सप्ताह में भी यह जारी रहेगी।

उन्होंने बताया कि पहले मानसून के कारण अब बाहरी राज्यों के कॉमर्शियल व्हीकल पर लगाए टैक्स के कारण टूरिज्म इंडस्ट्री को करोड़ों का नुकसान हुआ है। इसलिए इसे पटरी पर लाने के लिए डिस्काउंट जारी रहेगा। साथ ही सरकार को व्हीकल पर लगाए टैक्स को भी हटाना होगा।

मनाली में ऑक्यूपेंसी बढ़ी, फिर भी जारी रहेगी छूट

मनाली होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अनूप ठाकुर ने बताया कि कुल्लू दशहरे के कारण मनाली के होटलों की ऑक्यूपेंसी में हल्का इजाफा जरूर हुआ है। फिर भी मनाली के होटलों में 40 प्रतिशत तक की छूट जारी रहेगी।

डलहौजी में 50 प्रतिशत तक छूट

डलहौजी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र पुरी ने बताया कि डलहौजी के होटल संचालक कमरों की एडवांस बुकिंग पर 50 प्रतिशत तक डिस्काउंट दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदा ने पहले ही टूरिज्म इंडस्ट्री की कमर तोड़ दी है। रही सही कसर प्रदेश सरकार ने बाहरी राज्यों की टैक्सी, टैंपो व लग्जरी बसों पर लगाए टैक्स ने पूरी कर दी है।

पर्यटन कारोबारियों को उम्मीद थी कि 15 अक्टूबर के बाद पर्यटन कारोबार पटरी पर लौटेगा, लेकिन 25 अक्टूबर को भी भी डलहौजी में 10 से 15 फीसदी ऑक्यूपेंसी है। स्टाफ की सैलरी देनी मुश्किल हो गई है।

सहकारिता के माध्यम से प्रमाणिक बीजों का उत्पादन हो : शाह

निजी क्षेत्र में जो बीज तैयार किया जाता है उसका लाभ छोटे और सीमांत किसानों को नहीं मिलता है

एजेंसी

नयी दिल्ली। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सहकारी समितियों के माध्यम से वैज्ञानिक तरीके से फसलों के बीज उत्पादन पर जोर देते हुए कहा कि इससे देश की जरुरतों को पूरा किया जा सकेगा और दुनिया को इनका निर्यात भी किया जा सकेगा जिसका सबसे अधिक लाभ किसानों को मिलेगा। शाह ने भारतीय

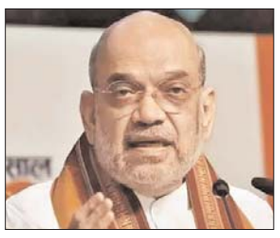

बीज सहकारी समिति द्वारा सहकारी क्षेत्र में उन्नत एवं पारंपरिक बीजोत्पादन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश में वैज्ञानिक ढंग से तैयार बीज भरपूर मात्रा में किसानों को उपलब्ध नहीं है जिससे नुकसान हो रहा है।

प्रमाणिक बीज किसानों तक उपलब्ध कराने के लिए इसका उत्पादन बढाना होगा। प्रमाणिक बीज से किसानों की पैदावार में 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि होती है।

उन्होंने कहा कि परम्परागत बीज के संरक्षण तथा इसके उत्पादन बढाने की जरुरत है क्योंकि इसमें भारी मात्रा में पोषक तत्व पाये जाते हैं जिसकी विश्व में भारी मांग है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक कृषि साख सहयोग समिति (पैक्स) के माध्यम से आसानी से वैज्ञानिक ढंग से बीज उत्पादन को बढावा दिया जा सकता है जिसका पूरा लाभ किसानों को मिलेगा। निजी क्षेत्र में जो बीज तैयार किया जाता है उसका लाभ छोटे और सीमांत किसानों को नहीं मिलता है।

राजस्थान में भी विपक्षियों के खिलाफ एजेंसियों का दुरुपयोग शुरु-खडगे : गहलोत

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार चुनाव सामने आते ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) तथा आईटी जैसी सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग विपक्षी नेताओं के खिलाफ करती है और राजस्थान में भी चुनावी फायदे के मद्देनजर उसने यही खेल करना शुरु कर दिया है। खडगे ने कहा चुनाव आते ही ईडी, सीबीआई, आईटी आदि भाजपा के असली पन्ना प्रमुख बन जाते हैं। राजस्थान में अपनी निश्चित हार को देखते हुए भाजपा ने चला अपना आख़िरी दाँव। उन्होंने कहा ईडी ने छत्तीसगढ़ के बाद राजस्थान में भी विधानसभा चुनाव अभियान में उतरते हुए कांग्रेसी नेताओं के ख़िलाफ़ कार्रवाई शुरू कर दी है। मोदी सरकार की तानाशाही लोकतंत्र के लिए घातक है। हम एजेंसियों के दुरुपयोग के ख़िलाफ़ लड़ते रहेंगे, जनता भाजपा को क़रारा जवाब देगी।

धमकी

पानीपत सहित 3 रेलवे स्टेशनों के नाम; पत्र में लिखा- 15 मंदिरों को भी निशाना बनाएंगे

लश्कर-ए-तैयबा की हरियाणा में बम धमाकों की धमकी

चंडीगढ़। हरियाणा के रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से मिली है। अंबाला मंडल के डीआरएम के नाम आतंकी संगठन के द्वारा भेजा गया है। पत्र में हरियाणा के अलग अलग रेलवे स्टेशनों को 26 नवंबर और 6 दिसंबर को बम के धमाके करने का दावा किया गया है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए अंबाला कैंट पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हरियाणा के स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी वाला पत्र. पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी है।

यह कार्रवाई रेलवे सुरक्षा बल की शिकायत पर की गई है। पत्र में कहा

गया कि 26 नवंबर को अंबाला मंडल के तहत पड़ने वाले अंबाला कैंट, यमुनानगर, शिमला, चंडीगढ़, सहारनपुर और दूसरे कई रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाया जाएगा।

लेटर में हरियाणा के रेवाड़ी, हिसार और सिरसा में रेलवे पुल के अलावा हरियाणा के मुख्यमंत्री और राज्यपाल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।6 दिसंबर को अंबाला के प्रमुख मंदिरों, गुरुद्वारों तथा हिमाचल के कई मंदिरों, फौजी मंदिरों व गुरुद्वारों, हवाई अड्डों को भी निशाना बनाने का जिक्र है। पुलिस ने आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

जीआरपी व आरपीएफ ने बढ़ाई गश्त

जीआरपी व आरपीएफ ने स्टेशन पर गश्त बढ़ा दी है। जबकि स्टेशन की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए उच्चाधिकारियों की बैठक भी शुरू हो गई। उम्मीद है कि स्टेशन की सुरक्षा को लेकर जिला पुलिस, बम स्क्वायड और कमांडो दस्ते की मदद ली जाएगी, ताकि कहीं भी कोई अप्रिय घटना होती है तो तुरंत टीम को मौके पर भेजकर स्थिति को काबू किया जा सके।

सरकार की तरफ से नहीं आया कोई बयान

लश्कर-ए-तैयबा की चेतावनी को लेकर हरियाणा सरकार की ओर से अभी तक कोई बयान नहीं आया है। बताया जा रहा है कि इस गुप्त सूचना को लेकर हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अलर्ट हो गए हैं। वह गोपनीय स्तर पर आतंकी संगठन के द्वारा जारी की गई इस चेतावनी की जांच पड़ताल करा रहे हैं।

राजस्थान में ईडी की छापामारी के विरुद्ध युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

नयी दिल्ली। युवा कांग्रेस ने राजस्थान में कांग्रेस नेताओं के परिसरों में प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) की छापामारी को तानाशाही करार देते हुए गुरुवार को यहां केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता यहां संगठन मुख्यालय पांच रायसीना रोड पर एकत्रित हुए और प्रदर्शन करने लगे लेकिन भारी पुलिस बल ने कार्यकर्ताओं को आगे नहीं जाने दिया। प्रदर्शनकारी युवाओं ने सड़क पर बैठकर मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरु कर दी और कहा कि चुनावी लाभ के लिए मोदी सरकार छापेमारी करवा रही है। प्रदर्शनकारियों

को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने कहा कि जिस राज्य में चुनाव होता है वहां केंद्र सरकार की ईडी, आईटी और सीबीआई जैसी एजेंसियां सक्रिय हो जाती है।

राजस्थान में भी अपनी निश्चित हार को देखते हुए भाजपा ने ईडी के माध्यम से अपना आख़िरी दाँव चलना शुरु कर दिया है।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार की तानाशाही लोकतंत्र के लिए घातक है और उनका संघठन इसी तरह से सरकारी एजेंसियों के दुरपयोग के ख़िलाफ़ लड़ता रहेगा और जनता भाजपा को इसका क़रारा जवाब देगी।

शार्ट न्यूज

बीआरओ ने अखनूर-पुंछ रोड पर 260 मीटर लंबी सुरंग बनाने में सफलता हासिल की

जम्मू। सीमा सड़क संगठन ने जम्मू-कश्मीर में अखनूर से पुंछ तक राष्ट्रीय राजमार्ग 144ए (एनएच144ए) पर चल रही परियोजना संपर्क में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जम्मू स्थित रक्षा विभाग के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बताया कि महत्वपूर्ण परियोजना को आठ पैकेजों में विभाजित किया गया है और बीआरओ सड़क की क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर प्रोफ़ाइल को बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। इंजीनियरिंग की एक सराहनीय उपलब्धि में चार सुरंगों में से पहली 260 मीटर कंडी सुरंग में सफलता हासिल की है। यह अविश्वसनीय उपलब्धि बीआरओ टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि सुरंग का काम मार्च 2023 में शुरू हुआ था। पूरी सड़क पर भारी बारिश और भूस्खलन सहित प्रतिकूल मौसम की स्थिति का सामना करने के बावजूद उल्लेखनीय प्रगति देखी गई है। यह सफलता तय समय से पहले मिली, जो बीआरओ की असाधारण विशेषज्ञता और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। इस महत्वपूर्ण अवसर का गवाह बनने के लिए परियोजना संपर्क के मुख्य अभियंता ब्रिगेडियर तेजपाल सिंह उपस्थित रहे। पैकेज-1 जून-2024 तक पूरा होने की उम्मीद है।

10, 150 करोड़ के एमओयू हुआ हस्ताक्षर

चेन्नई/देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में आयोजित रोड शो के दौरान विभिन्न औद्योगिक समूहों के साथ 10,150 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए हैं। प्रदेश सरकार और जिन औद्योगिक समूहों के बीच समझौते हुए हैं, उनमें प्रमुख रुप से हेल्थकेयर, फार्मा, एनर्जी सेक्टर से जुड़े विभिन्न उद्योग शामिल हैं। चेन्नई में आज पहले सत्र में हुए एमओयू में क्रमशः स्टार्टअप एंड इक्यूवेटर हेतु जुलाई वेंचर्स के साथ 1,000 करोड़ रुपये का, हेल्थ केयर सेक्टर में निवेश हेतु क्षणा ग्रुप के साथ 1,000 करोड़ रुपये का, उच्च शिक्षा में निवेश हेतु एसआरएम यूनिवर्सिटी के साथ 600 करोड़ रुपये, हेलीपोर्ट एंव ऊर्जा क्षेत्र में रिफेक्स ग्रुप के साथ 500 करोड़ रुपये का, एरोमा पार्क हेतु ईन्फ्ला मोवी ग्रुप के साथ 250 करोड़ रुपये, पर्यटन क्षेत्र में निवेश हेतु मिलटेक्स ग्रुप के साथ 100 करोड़ रुपये के एमओयू शामिल हैं। वहीं, दूसरे सत्र में सर्वोदय ग्रुप आफ हॉस्पिटल एक हजार करोड़ रुपये , अपोलो हॉस्पिटल 500 करोड़ रुपये, क्राफ्ट स्मिथ इंडिया एक हजार करोड़ कुपये, इंफिनिटी ग्लोबल चार हजार करोड़ रुपये और टीपीसीआई के साथ 200 करोड़ रुपये के एमओयू किए गए।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव में 52 हजार 122 मतदान केन्द्रों पर होगा मतदान

जयपुर। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 52 हजार 122 मतदान केन्द्रों पर मतदान कराया जायेगा। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में 366 सहायक मतदान केन्द्रों की स्थापना को मंजूरी दी है। ये सहायक मतदान केन्द्र राज्य के 32 जिलों की 125 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में उन मतदान केन्द्रों पर बनाए जाएंगे जहां मतदताओं की संख्या 1450 से अधिक है। ये मतदान केन्द्र मूल मतदान केन्द्र के साथ उसी भवन में स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में 51 हजार 756 मूल मतदान केन्द्र आयोग द्वारा अनुमोदित है और अब 366 सहायक मतदान केन्द्रों के अनुमोदन के बाद 52 हजार 122 मतदान केन्द्र हो गए हैं। उन्होंने बताया कि यह केंद्र यथासंभव उसी भवन में बनेंगे और मतदाताओं की संख्या का विभाजन दोनों केंद्रों पर इस प्रकार किया गया है जिससे मतदान के दौरान लोगों को अधिक समय लाइन में खड़े रहने की आवश्यकता नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन्स के अनुरूप सुगम, सहज, सुरक्षित मतदान के लिए मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं एवं सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

महिला सशक्तिकरण के लिए मीडिया निभाए प्रभावी भूमिका : कलराज मिश्र

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने देश में महिला सशक्तिकरण के लिए अधिकाधिक प्रयास किए जाने पर जोर देते हुए कहा है कि जिस समाज में महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं, वही तेजी से विकास की ओर अग्रसर होता है। मिश्र गुरुवार को यहां इण्डिया टुडे समूह द्वारा आयोजित इण्डिया टुडे वूमेन समिट एण्ड अवार्ड समारोह शक्ति, साहस और सफलता उत्सव में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मीडिया को सामाजिक दायित्व समझते हुए महिला सशक्तिकरण के योगदान देने का भी आह्वान किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों की दस प्रभावशाली महिलाओं को सम्मानित किया। उन्होंने समाज सेवा क्षेत्र में तारा अहलूवालिया, खेल क्षेत्र में भारतीय घुड़सवारी एथलीट दिव्यकृति एवं संतोष देवी को खेती क्षेत्र में, राजसमंद के पिपलांत्री गांव में 18 वर्षों से नवाचार कर पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने वाली अनीता पालीवाल, प्रशासनिक सेवा में लेडी सिंघम के नाम से मशहूर प्रीति चंद्रा, ग्रामीण विकास के लिए नीरू यादव, बाल विवाह रोकथाम के लिए प्रयासों के लिए डॉ. कृति भारती, श्रमिक महिला अधिकारों के लिए डॉ. मेवा भारती, दिव्यांग बच्चों के लिए कार्य करने वाली मोनिका जांगिड़, और बहादुरी के लिए आयरन लेडी के नाम से मशहूर वसुंधरा चौहान को प्रभावशाली महिला के रूप में इण्डिया टुडे अवार्ड से सम्मानित किया।

अगर कांग्रेस सरकार ईमानदार, तो ईडी की कार्रवाई से क्या डर : सी पी जोशी

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि अगर कांग्रेस सरकार ईमानदार हैं, तो ईडी की कार्रवाई से क्या डरना, डर है मतलब चोर की दाढ़ी में तिनका। जोशी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता में ईडी की कार्रवाई को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में गुरुवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि गहलोत संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप क्यों लगा रहे हैं जबकि वह स्वयं संवैधानिक पद पर बैठे हैं। संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को गिराने का काम क्यों कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनके पुत्र और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ईमानदार है तो दोषमुक्त हो जाएंगे। हायतौबा मचा रहे हैं, मतलब इनकी दाल ही काली है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि गहलोत सरकार ने पूरे पांच साल प्रदेश को भ्रष्टाचारी दीमक बनकर चट किया है। इन्होंने लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। सत्रह से अधिक पेपर आउट हुए लेकिन मुख्यमंत्री ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की कोई गारंटी नहीं, प्रदेश की जनता उनकी कोई गारंटी नहीं मानती। यह पांच साल पहले गारंटी देकर गए थे कि किसानों की संपूर्ण कर्जा माफ करेंगे, बेरोजगारों को रोजगार भत्ता देंगे। आज जनता उनसे पूछ रही है।

डोटासरा एवं हुड़ला के आवास पर ईडी की कार्रवाई

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजस्थान में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं विधायक ओम प्रकाश हुड़ला आवास पर गुरुवार सुबह कार्रवाई की। प्राप्त जानकारी के अनुसार ईडी ने सुबह डोटासरा के जयपुर एवं सीकर आवास पर छापे की कार्रवाई शुरु की। इसी तरह दौसा में श्री हुड़ला के आवास पर ईडी की कार्रवाई की गई हैं। ईडी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे एवं राजस्थान क्रिकेट संघ के अध्यक्ष वैभव गहलोत को उसके सामने पेश होने के लिए समन जारी किया हैं। वैभव गहलोत को विदेशी मुद्रा अधिनियम के कथित अनिमितताओं के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। माना जा रहा है कि राजस्थान में परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में गत दिनों राजस्थान लोकसेवा आयोग (आरपीएसी) सदस्य बाबुलाल कटारा से हुई पूछताछ आदि के बाद यह छापेमारी की कार्रवाई की गई है। ईडी की इस कार्रवाई के बाद गहलोत ने सोशल मीडिया पर कहा डोटासरा के यहां ईडी की रेड, मेरे बेटे वैभव गहलोत को ईडी में हाजिर होने का समन जारी किया गया है।

डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

जिला पोषण समिति के उपरांत मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला एवं बाल सेवा योजना की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

गौतमबुद्धनगर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी ने पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों को सक्षम बनाने के लिए सी एस आर द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी समिति को उपलब्ध कराई तथा विभागीय पोषण ट्रैकर के संबंधित बिंदुओं को प्रस्तुत किया गया, जिसमें बच्चों के वजन से संबंधित कार्यों की समीक्षा जिलाधिकारी द्वारा की गई। बैठक में कार्यक्रम अधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा किए जाने वाले गृह भ्रमण एवं समुदाय आधारित गतिविधियों से समिति को अवगत कराया एवं बताया कि पोषण ट्रैकर पर सैम व मैम बच्चों की फीडिंग करते हुए वृद्धि निगरानी की जा रही है। एन आर सी में बच्चों की भर्ती प्रक्रिया शत प्रतिशत पूर्ण कराई जा रही है।

कायाकल्प के अंतर्गत समिति को अवगत कराया गया की 23 विभागीय भवनों में 18 मानकों को पूर्ण करने के लिये तीनों अथॉरिटी का सहयोग अपेक्षित है, जिसके लिए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए की संबंधित प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कायाकल्प के अंतर्गत तैयार किया जा रहे भवनों का निर्माण कार्य निर्धारित समय अवधि में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने संवर्धन प्रोजेक्ट के अंतर्गत लाभार्थियों पर होने वाले व्यय की समीक्षा करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि छोटे-छोटे समूहों में विभिन्न सी एस आर मद एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज के सहयोग से इनको पूर्ण करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिला पोषण समिति की बैठक के उपरांत जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की गई। बैठक में जिला प्रोबेशन अधिकारी ने जिलाधिकारी के समक्ष मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत प्राप्त 45 पात्र बच्चों के आवेदन स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया, जिन पर जिलाधिकारी ने अपनी स्वीकृति प्रदान की। साथ ही जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देश दिए की वह शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में अधिक से अधिक बच्चियों के आवेदन कराए, ताकि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में जनपद के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसकी प्राप्ति की जा सके। जिलाधिकार ने यह भी निर्देश दिए की मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना का जनपद में व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार भी सुनिश्चित कराया जाए ताकि कोई भी पात्र बच्चा शासन की इन महत्वाकांक्षी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

पंजाब की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर साढ़े छह किलो हेरोइन, ड्रोन बरामद

एजेंसी

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी करने की तस्करों की एक और कोशिश को नाकाम करते हुए सीमावर्ती जिलों अमृतसर और गुरदासपुर से छह किलो 640 ग्राम हेरोइन और एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि जिला गुरदासपुर में आज प्रतिबंधित वस्तु की खेप के संबंध में विशेष जानकारी पर बीएसएफ और पंजाब पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से गांव अधियान के बाहरी इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान सैनिकों ने खेत से एक सफेद रंग का बड़ा पैकेट बरामद किया, जिसमें छह पैकेट हेरोइन बरामद हुए जिनका कुल वजन लगभग 6.279 किलोग्राम था। पैकेट चिपकने वाले टेप में लिपटा हुआ था।

बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी करने की तस्करों की एक और कोशिश को नाकाम करते हुए अमृतसर के गांव भरोपल से एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने कहा कि एक ड्रोन की विशेष जानकारी मिलने पर बीएसएफ और पंजाब पुलिस द्वारा गांव भरोपल के बाहरी इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान आज लगभग तीन बजे गांव भरोपल के पास धान के खेत से एक ड्रोन बरामद किया गया। बरामद ड्रोन एक क्वाडकॉप्टर मॉडल - डीजेआई माविक 3 क्लासिक है जिसे चीन में बनाया गया है।

प्रवक्ता ने बताया कि सुबह प्रतिबंधित मादक पदार्थ के संबंध में विशेष जानकारी मिलने पर, बीएसएफ ने अमृतसर के गाँव दाओके के बाहरी इलाके में एक तलाशी अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि गहन तलाशी के दौरान जवानों ने खेत से पीले चिपकने वाले टेप में लिपटी संदिग्ध प्रतिबंधित पदार्थ हेरोइन की एक बोतल बरामद की। जिसमें लगभग 360 ग्राम हेराइन थी।

आंध्र सरकार ऊंचे दामों पर बिजली ट्रांसफॉर्मर खरीद रही है : टीडीपी

विजयवाड़ा। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सोमीरेड्डी चंद्रमोहन रेड्डी ने गुरुवार को चुनिंदा निर्माताओं से अत्यधिक दरों पर बिजली ट्रांसफॉर्मर खरीदने के लिए वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की।

वाईएसआरसी के सत्ता में आने के बाद ट्रांसफॉर्मर की अभूतपूर्व लागत वृद्धि पर एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन देते हुए श्री रेड्डी ने अपने आरोपों को तर्क संगत साबित करने के लिए 2018-19 में टीडीपी शासन के दौरान दरों के साथ तुलना करते हुए 2022-23 के दौरान तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में ट्रांसफॉर्मर की दरों का उल्लेख किया।

रेड्डी के अनुसार, 25 केवीए ट्रांसफॉर्मर की कीमत बढ़कर रु. टीडीपी शासन के दौरान 58,569.30 रुपये से वाईएसआर कांग्रेस शासन के दौरान 2018-19 में 1,78,800 रुपये हो गयी जो 305 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,20,230 रुपये अधिक है। इसी तरह, वाईएसआरसी सरकार द्वारा 63 केवीए ट्रांसफॉर्मर 2,81,000 रुपये में खरीदा जा रहा है, जबकि टीडीपी शासन के दौरान दर केवल 89,892 रुपये थी, जिससे 1,91,108 रुपये की वृद्धि हुई। वृद्धि का प्रतिशत 312.60 प्रतिशत है।

सौ केवीए ट्रांसफॉर्मर के मामले में, टीडीपी शासन के दौरान लागत 1.20 लाख रुपये प्रति यूनिट थी और वर्तमान एपी सरकार 3.58 लाख रुपये में खरीद रही है, कीमत में 2.38 लाख रुपये का अंतर है और वृद्धि का प्रतिशत 297.56 प्रतिशत है।

'मेरी माटी मेरा देश' अमृत कलश यात्रा का जनपद स्तरीय कार्यक्रम किया गया आयोजित

माननीय राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर द्वारा आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर किया गया शुभारंभ

जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में आज इंदिरा गांधी कला केंद्र सेक्टर 6 नोएडा के ऑडिटोरियम में आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा का जनपद स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों, विकासखंडों, ग्राम पंचायतों, गेल इंडिया लिमिटेड नोएडा, जीटीआई नोएडा व ग्रामों के वीरों की भूमि की मिट्टी व चावल के अमृत कलशों को एकत्र किया गया। एकत्र अमृत कलशों को दिनांक 27.10.2023 को प्रातः

लखनऊ के लिये रवाना किया जायेगा। जनपद स्तरीय आयोजित कार्यक्रम का माननीय राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर माननीय विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह, माननीय महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कुंवर सिंह यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह उपस्थित रहे। शुभारंभ कार्यक्रम के अवसर पर जनपद के प्रसिद्ध रागनी कलाकार ब्रह्मपाल नागर एवं उनके दल द्वारा रागनी के माध्यम से मिट्टी को नमन एवं वीरों का वंदन कराया गया। इस अवसर पर कत्थक नृत्यांगना माया कुलश्रेष्ठ के दल एवं स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनोहर प्रस्तुति की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरान्त माननीय विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह ने अपने उदगार व्यक्त करते हुये कहा कि इस देश की माटी के कोने-कोने में असंख्य बलिदानों का रक्त आज भी विद्यमान है, जिसे एकत्र करने के लिए इस देश के माननीय प्रधानमंत्री जी का वह विजन जो हमारे राष्ट्र को संगठित कर सके इस सोच के साथ उन शहीदों को नमन करने का यह तरीका मेरी माटी मेरा देश करता है और याद दिलाता है कि यह आजादी जहां आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं वह बड़ी आसानी से हमें नहीं मिली इसके पीछे असंख्य बलिदानियों का त्याग है, जिन्होंने अपने घर बार की चिंता न करते हुए सिर्फ और सिर्फ इस देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

शारदा यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा में वन नेशन वन राशन कार्ड जागरूकता गोष्ठी हुयी आयोजित

उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वन नेशन वन राशन कार्ड योजना को लेकर लाभार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से आज शारदा यूनिवर्सिटी नॉलेज पार्क ग्रेटर नोएडा में वन नेशन वन राशन कार्ड जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी में माननीय विधायक जेवर धीरेन्द्र सिंह, माननीय विधायक दादरी तेजपाल नागर, जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी गौतमबुद्धनगर जर्नादन सिंह , अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, सयुंक्त आयुक्त खाद्य मेरठ मण्डल मेरठ, शासन स्तर से अटल राय, अपर आयुक्त (आपूर्ति) खाद्य तथा रसद विभाग जवाहर भवन उ0प्र0 तथा भारत सरकार के उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के संगीत सिंगला, सी0डी0 शुगर एवं

अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सहभागिता की गयी। आयोजित संगोष्ठी में जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं के साथ-साथ लगभग 1200 राशनकार्ड धारक/लाभार्थी सम्मिलित रहे। उपरोक्त लाभार्थियों में लगभग 900 लाभार्थी अन्य जनपदों/प्रदेशों के निवासी हैं, जोकि जनपद गौतमबुद्धनगर में रहकर विभिन्न औद्योगिक ईकाईयों/निर्माण ईकाईयों तथा अन्य बतौर श्रमिक कार्य करते हैं तथा जिनके राशनकार्ड उनके मूल जनपद से निर्गत हैं, उनके द्वारा जनपद गौतमबुद्धनगर के उचित दर विक्रेताओं के यहाँ से वन नेशन वन राशनकार्ड योजना के अन्तर्गत खाद्यान्न प्राप्त किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान अपर आयुक्त (आपूर्ति) खाद्य एवं रसद विभाग अटल राय द्वारा अवगत कराया गया कि प्रदेश में कुल 79138 उचित दर दुकानें क्रियाशील हैं, उक्त दुकानों से 3,60,65,009 राशन कार्डधारक/परिवार, जिनमें कुल 150693974 यूनिट/सदस्य सम्मिलित हैं, के द्वारा निःशुल्क खाद्यान्न गेहूँ, चावल प्राप्त किया जाता हैं।

सतर्कता विभाग ने पटवारी को घूस लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा

नैनीताल। उत्तराखंड में सतर्कता विभाग की टीम ने ऊधमसिंह नगर के नानकमत्ता में एक पटवारी को 8000 रुपये की घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सतर्कता अधिष्ठान हल्द्वानी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार आरोपी पटवारी त्रिलोचन सुयाल ने पीड़ित से 8000 रुपये की घूस की मांग की। इसके बाद पीड़ित की ओर से इस मामले की शिकायत सतर्कता अधिष्ठान हल्द्वानी से की गई। इस मामले की जांच के लिए एक टीम का गठन किया गया। तथ्य सही पाए जाने पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उपनिरीक्षक विनोद कुमार यादव की अगुवाई में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने आरोपी को आज नानकमत्ता उप तहसील के सुनखरी कलां कार्यकाल से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित की ओर से कहा गया कि उसे कृषि भूमि से धान काटने से गांव के कुछ लोगों ने रोक दिया।

अनावश्यक दस्तावेज़ों की प्रक्रिया खत्म होगी : अरोड़ा

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के प्रशासनिक सुधार और शिकायतों संबंधी मंत्री अमन अरोड़ा ने गुरुवार को कहा कि राज्य में सेवाएं प्रदान करने में 'ज़ीरो पैंडैंसी' को अपनाते हुए राज्य सरकार सेवा केन्द्रों में बकाया मामलों की संख्या को घटाने में सफल हुई है और सेवा केन्द्रों में पिछले पांच वर्षों की अपेक्षा अब तक सबसे कम मामले बकाया हैं।

अरोड़ा ने बताया कि हाल ही में बकाया मामलों की दर 0.10 प्रतिशत पर आ गई है, जिससे पता चलता है कि 99.90 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निर्णय निर्धारित समय-सीमा के अंदर किया जा रहा है। वह आज यहाँ वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिये सेवा केन्द्रों के द्वारा दी जा रही नागरिक केंद्रित सेवाओं की समीक्षा के लिए समूह जिला उपायुक्तों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने राज्य में

लोगों को उनके द्वार पर सेवाएं प्रदान करने सम्बन्धी पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत का भी जायज़ा लिया। उन्होंने उपायुक्तों को जिला स्तर पर सम्बन्धित विभाग की निजी तौर पर निगरानी करने के लिए भी कहा, जिससे यह सुनिश्चित बनाया जा सके कि सभी आवेदनों पर निर्धारित समय-सीमा के अंदर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार अनावश्यक दस्तावेज़ी प्रक्रिया को खत्म करने और सेवा केन्द्रों में लगने वाले लोगों के चक्करों को घटाने के लिए लगातार प्रयत्नशील है।

27 अक्टूबर से मास्क टीवी ओटीटी पर स्ट्रीम होने जा रही है एलबीडब्ल्यू

पूरे भारतवर्ष मे क्रिकेट को एक धर्म की तरह पूजा जाता है । और वो भी तब जब इस देश मे क्रिकेट विश्वकप का आयोजन हो रहा हो उस समय तो क्रिकेट की दीवानगी के बारे में सिर्फ अंदाज़ा ही लगाया जा सकता है । अब ऐसी ही क्रिकेट की दीवानगी के बीच मे यदि कोई फ़िल्म/वेबसिरिज ऐसी आये जिसका टाइटल ही उसको टच करता हुआ लगे तो स्वाभाविक रूप से इस वेबसिरिज के प्रति भी लोगों का ध्यान बरबस ही खींचा चला आएगा । मास्क टीवी ओटीटी की चैनल प्रोड्यूसर मानसी भट्ट ने बताया कि मास्क टीवी पर इसी क्रिकेट सीजन के बीच कल यानी 27 अक्टूबर से एलबीडब्ल्यू की स्ट्रीमिंग होने जा रही है । इस सीरीज के बारे में कहा जा रहा है कि टाइटल भले ही हो क्रिकेट से सम्बंधित है लेकिन इसकी असल मीनिंग कुछ और ही है । इसे लव बिफोर वेडिंग कहा जा रहा है । अब तो यह इसकी स्ट्रीमिंग के बाद ही दर्शक असलियत से रूबरू होंगे कि वास्तविकता क्या है । क्या यह लव बिफोर वेडिंग है या लेग बिफोर विकेट । बतौर निर्माता अपने कई प्रोजेक्ट्स से चिरंजीवी भट्ट ने इस मनोरंजन जगत में एक नई प्रकार की क्रांति छेड़ दिया है । उन्होंने मनोरंजन के हर जॉनर जैसे कि एक्शन, ड्रामा, सस्पेंस, हॉरर, कॉमेडी व सामाजिक मुद्दे पर फिल्में/वेबसिरिज बनाकर मास्क टीवी ओ टी टी प्लेटफ़ॉर्म को हरफनमौला के रूप में मनोरंजन के प्रस्तुत करने वाला प्लेटफॉर्म बना दिया है।

श्री हरमंदिर साहिब के पवित्र मॉडल की नीलामी दुर्भाग्यपूर्ण

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा श्री हरमंदिर साहिब के पवित्र मॉडल की नीलामी के फैसले की निंदा की है। इसे शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने 2015 में दरबार साहिब की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेंट किया गया था। आप पंजाब के कार्यकारी अध्यक्ष प्रिंसिपल बुध राम ने गुरुवार को कहा कि पीएमओ मोदी को उपहार के रूप में मिली 912 वस्तुओं की नीलामी कर रहा है जिसमें श्री हरमंदिर साहिब मॉडल भी है। इसे 13,500 के बेस प्राइस के साथ नीलामी साइट पर सूचीबद्ध किया गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री बुध राम ने कहा कि पीएमओ गुरु साहिब के आशीर्वाद की कीमत नहीं लगा सकता।

जल विद्युत कंपनियों पर जल कर का मामला नहीं सुलझा, युगलपीठ एक मत नहीं

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड में जल विद्युत कंपनियों पर जल कर (वाटर टैक्स) का मामला सुलझ नहीं पाया है। उत्तराखंड उच्च न्यायालय भी इस मामले में एकमत नहीं है। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ ने इस मामले में भिन्न भिन्न मत दिये हैं। अब यह मामला तीसरी पीठ को सौंपा जायेगा।

दरअसल मामला प्रदेश सरकार के विद्युत उत्पादन पर जल कर अधिनियम (उत्तराखंड वाटर टैक्स आन इलैक्ट्रिक जरेशन एक्ट), 2012 से जुड़ा है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2012 में एक कानून बना कर प्रदेश में जल विद्युत उत्पादन करने वाली कंपनियों

पर विद्युत उत्पादन के हिसाब से जल कर (वाटर टैक्स) लगा दिया था।

जल विद्युत के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों ने सरकार के इस कदम को उच्च न्यायालय में चुनौती दी। इन कंपनियों की ओर से अधिनियम की वैधानिकता को चुनौती दी गयी। उच्च न्यायालय की एकलपीठ ने 12 फरवरी, 2021 को एक आदेश पारित कर सरकार के पक्ष में फैसला दिया। इसके बाद जल विद्युत कंपनियों टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, जय प्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड, आकांक्षा हाइड्रो पावर कंपनी लिमिटेड, मैसर्स स्वास्ति पावर प्राइवेट लिमिटेड, भिलंगना हाइड्रो पावर लिमिटेड, उप्र पावर कारपोरेशन लिमिटेड की ओर से वर्ष 2021 में विशेष अपील दायर कर एकलपीठ के आदेश को चुनौती दी गयी।

मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी की युगलपीठ में इस मामले में मैराथन सुनवाई हुई। जल विद्युत कंपनियों की ओर से उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ताओं की ओर से जोरदार पैरवी की गयी। कुछ दिन पूर्व युगलपीठ ने इस मामले में अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था।

शार्ट न्यूज

सुपारी देकर पति ने कराई थी प्रेमी की हत्या

जेवर। गौतमबुद्ध नगर में रबूपुरा कोतवाली पुलिस ने भीकनपुर गांव के पूर्व प्रधान के बेटे की 6 दिन पहले चाकू से गोदकर हुई हत्या का गुरुवार को खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, अवैध संबंध के चलते पड़ोस के ही एक व्यक्ति ने 5 लाख रुपये की सुपारी देकर यह हत्या कराई थी। मृतक के हत्या करने की सुपारी देने वाले की पत्नी से अवैध संबंध थे। पुलिस ने इस मामले में सुपारी किलर समेत 4 को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, पांच मोबाइल और बाइक बरामद की है। सभी आरोपियों को गुरुवार को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। भीकनपुर गांव के पूर्व प्रधान लखपत सिंह का बेटा ललित (42) 21 अक्टूबर की रात अपने खेत पर स्थित मुर्गी फार्म पर गए हुए थे। जब वह वहां जा रहे थे। उसी दौरान रास्ते में उनको अज्ञात हमलावरों ने चाकू से बेरहमी से गोदकर घायल कर दिया था। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिवार के लोगों ने घायल को बुलंदशहर के अस्पताल में भर्ती कराया था।

11 साल पहले थाने में जमा कराई पिस्टल गायब

नोएडा। नोएडा में 11 साल बाद एक व्यक्ति अपनी लाइसेंस पिस्टल लेने गया तो उसे थाने से खाली हाथ लौटना पड़ा। उसने विधानसभा चुनाव के समय पिस्टल थाना सेक्टर-39 में जमा कराई थी। अब मालखाना से पिस्टल गायब है। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि काफी लंबा समय बीत गया है। पिस्टल को मालखाना में ढूंढा जा रहा है। तत्कालीन हेड मोहरीर (मालखाना) के खिलाफ 409 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। दरअसल 2012 विधानसभा चुनाव के समय कर्नल चरणजीत सिंह (रिटायर्ड) ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल थाना सेक्टर 39 के मालखाना में जमा कराई थी। कुछ समय बाद जब उन्होंने अपनी पिस्टल वापस मांगा तो उनकी पिस्टल थाने में नहीं मिली। इस बात की जांच की गई। जांच में पाया गया कि तत्कालीन हेड मोहरीर (मालखाना) बाबू खान की लापरवाही के चलते यह पिस्टल लापता हुई है। मौजूदा हेड मोहरीर (मालखाना) रविंद्र सिंह की शिकायत पर तत्कालीन मालखाना मोहरीर बाबू खान के खिलाफ धारा 409 के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भ्रष्टाचार मामले में दरोगा को 5 साल की सजा

मेरठ। यूपी पुलिस के एक दरोगा को दहेज उत्पीड़न के मुकदमे में खेल करने पर 12 साल बाद सजा सुनाई गई है। दरोगा को न्यायालय ने 5 साल के सश्रम कारावास और 20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। बुधवार को मेरठ न्यायालय अपर जिला जज विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम प्रहलाद सिंह द्वितीय ने यह फैसला सुनाया। 2011 में दरोगा संतोष कुमार सिंह जो लखनऊ का रहने वाला है। उस पर रिश्वत लेने का आरोप लगा था। दरोगा पर धीरेंद्र सिंह जो गाजियाबाद के रहने वाले हैं, उन्होंने दरोगा पर 2011 में दहेज उत्पीड़न के मामले में खेल करने का आरोप लगाया था। धीरेंद्र ने 2011 में गौतमबुद्धनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बहन की शादी 2008 में नोएडा के रहने वाले गजेंद्र से हुई थी। दहेज उत्पीड़न का मुकदमा गाजियाबाद थाने में दर्ज कराया गया। तब दरोगा संतोष कुमार सिंह ने रिश्वत लेकर जांच में बदलाव कर दिया। पीड़ित धीरेंद्र ने दरोगा संतोष कुमार सिंह पर एक लाख रुपए रिश्वत लेकर जांच में बदलाव का आरोप लगाया था। और मुकदमा दर्ज कराया था। तब से यह मामला चल रहा था।

सड़क हादसे में पिता-पुत्री की मौत

मोदीनगर। मोदीनगर-हापुड मार्ग पर गांव भोजपुर में एक्सप्रेस-वे पुल के नीचे गुरुवार दोपहर को तीन बजे के आसपास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार पिता पुत्री को कुचल दिया। मेरठ के अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और ट्रक को कब्जे में ले लिया है। पिता-पुत्री की मौत के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है। भोजपुर निवासी वकील (30 वर्ष) अपनी पत्नी मेहनाज व तीन साल पुत्री हुमेरा के साथ रहते थे। वह राजमिस्त्री का काम करके परिवार का लालन पालन करते थे। गुरुवार को वकील अपनी ससुराल मुरादनगर जाने की तैयारी कर रहे थे। दोपहर तीन बजे के आसपास उनकी पत्नी मेहनाज तैयार हो रही थी। इसी बीच वकील अपनी तीन साल की पुत्री हुमेरा को लेकर बाइक में पेट्रोल डलवाने के लिए मोदीनगर-हापुड मार्ग पर एक्सप्रेस टोल के पास आ गए। वह बाइक में पेट्रोल डलवाकर वापस अपने घर लौट रहे थे। मोदीनगर-हापुड़ मार्ग पर एक्सप्रेस-वे के पुल ने नीचे पहुंचे तो हापुड़ की और से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार पिता-पुत्री दस फीट उछलकर काफी दूर जा गिरे और बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

दिव्यांग की गला रेतकर हत्या, दो किशोर पकड़े

नई दिल्ली। मोहन गार्डन इलाके में मंगलवार को रावण जलाने की तैयारी थी। दिव्यांग रवि उर्फ क्रिया (38) परिवार के साथ बैठा हुआ था। अचानक वह एक ओर गिर गया और गले से खून का फव्वारा फूट पड़ा। परिवार को समझ नहीं आया कि आखिर क्या हुआ। परिजन उसे अस्पताल लेकर भागे। यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल में परिजनों को पता चला कि रवि का किसी ने गला रेतने के अलावा कमर पर भी चाकू से वार किया है। रणहौला थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। सीसीटीवी खंगालने के बाद पुलिस ने दो नाबालिगों को दबोच लिया। पूछताछ में 16 और 17 साल के नाबालिगों ने बताया कि रवि उन्हें परेशान करता था। वह उन पर धौंस जमाता था। इस बात से आहत होकर दोनों ने उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, रवि परिवार के साथ मोहन गार्डन के डिफेंस एंक्लेव इलाके में रहता था। परिवार में पत्नी सिल्की और दो बेटे हैं।

प्रदूषण रोकने के लिए रेड लाइट ऑन-गाड़ी ऑफ अभियान शुरू

तीन नवंबर को 2000 इको क्लबों के माध्यम से स्कूलों में बच्चों के बीच जागरूकता अभियान भी चलेगा

नई दिल्ली । राजधानी के लोगों को प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान बृहस्पतिवार को आईटीओ चौराहे से शुरू हो गया है।

इस बार अभियान जनता की भागीदारी से चलेगा। 28 को बाराखंभा व 30 अक्तूबर को चंदगीराम अखाड़ा चौराहा और दो नवंबर को सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में इसे चलाया जाएगा।

बुधवार को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि इस बार आईटीओ चौराहे से अभियान की शुरुआत होगी। तीन नवंबर को 2000 इको क्लबों के माध्यम से स्कूलों में बच्चों के बीच जागरूकता अभियान भी चलेगा। वर्ष 2020 में रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान को शुरू किया गया था।

इसका आधार देश के अलग-अलग हिस्से में किए गए अध्ययन को बनाया गया। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत औद्योगिक अनुसंधान परिषद व केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने वर्ष 2019 में अध्ययन किया था। इसके मुताबिक रेडलाइट पर गाड़ियों के इंजन बंद न होने से नौ प्रतिशत अधिक प्रदूषण फैलता है।

गोपाल राय ने कहा कि सुबह लोग गाड़ी लेकर निकलते हैं तो शाम को घर पहुंचने तक 10 से 12 रेडलाइट से गुजरते हैं। इन चौराहों पर गाड़ी का इंजन चालू रखते हैं। इससे 25 से 30 मिनट बेकार में ही पेट्रोल-डीजल जलता है। अभियान का उद्देश्य यही है कि इस आदत को बदला जाए, ताकि लोग वाहनों के इंजन को रेडलाइट पर बंद कर दें।

सर्दियों में दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति बहुत ही चिंताजनक हो जाती है। आप सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए 15 सूत्री कार्यक्रम बनाकर युद्धस्तर पर प्रयास कर रही है।

त्वचा संबंधी समस्याओं का कारण बन रहा प्रदूषण : डॉ. चांदनी

नई दिल्ली। सर्दियां आने वाली हैं और इसी के साथ दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर भी बढ़ने लगा है। यह प्रदूषण अंदर से बीमारियों का कारण तो बनता ही है, साथ ही इससे त्वचा संबंधी समस्याएं भी हो रही हैं। टैनिंग से लेकर मुंहासे और झाइयों तक कई समस्याएं प्रदूषण के कारण बढ़ रही हैं। एलांटिस हेल्थकेयर की त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. चांदनी जैन गुप्ता ने यह बात कही।

डॉ. चांदनी ने कहा कि प्रदूषित वायु में कई पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन, ऑक्साइड्स और पीएम कण होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। प्रदूषण के कारण त्वचा की नमी खोने लगती है, जिससे झाइयों खतरा बढ़ जाता है।

खासकर गालों और होठों के आसपास झाइयां होने लगती हैं। कार्बन मोनो ऑक्साइड त्वचा को रूखा करती, जबकि नाइट्रोजन ऑक्साइड के कारण डिकलरेशन होता है। धूप एवं प्रदूषण से टैनिंग भी होती है।

स्किन डार्क होने लगती है। प्रदूषित वायु में पाए जाने वाले पीएम कण स्किन पोर्स को ब्लॉक करते हैं, जिससे मुंहासे होने का खतरा बढ़ता है।

उन्होंने कहा कि प्रदूषण के कारण कई तरह के बैक्टीरिया भी बढ़ते हैं, जो संक्रमण का कारण बनते हैं। झुर्रियां पड़ना, प्री-मैच्योर एजिंग, कॉन्टेक्ट डर्मेटाइटिस, एटोपिक डर्मेटाइटिस और सोरायसिस जैसी गंभीर परेशानियां भी प्रदूषण के कारण हो सकती हैं। लंबे समय तक प्रदूषण में रहना स्किन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का भी कारण बन सकता है। डॉ. चांदनी ने त्वचा को मॉइश्चराइजर रखने, डीप क्लींजिंग करने और जहां संभव हो वहां एंटी पॉल्यूशन मास्क का प्रयोग करने का सुझाव दिया।

धमाके से दहला गुरुग्राम, कई घरों के शीशे टूटे, एक पशु की मौत

गुरुग्राम। रियाणा के गुरुग्राम में सेक्टर-57 स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और आसपास का इलाका गुरुवार सुबह एक जोरदार धमाके से दहल गया। धमाके से मकानों के शीशे टूट गए और एक कटड़ी (भैंस का बच्चा) की भी मौत हो गई। आनन-फानन पुलिस, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड के साथ मौके पर पहुंची। ब्लास्ट को लेकर पुलिस की छानबीन चल रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गुरुग्राम में सेक्टर-57 स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में एक मकान के पास पड़े मलबे में गुरुवार को सुबह 9 बजे के आसपास जोरदार धमाका हुआ, इससे आसपास के घरों के शीशे तक टूट गए। जब ये ब्लास्ट हुआ तो वहा से भैंसों का झुंड जा रहा था। इस कारण ब्लास्ट की चपेट में भैंस की कटड़ी आ गई और उसकी मौत हो गई। ब्लास्ट की सूचना मिलते ही गुरुग्राम पुलिस के आला अधिकारी और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचे और तफ्तीश शुरू कर दी।

मौके पर पहुंचे एसीपी कपिल एहलावत ने बताया कि गुरुग्राम पुलिस के कंट्रोल रूम से इस ब्लास्ट की सूचना मिली थी। पुलिस की विभिन्न टीमें मौके पर पहुंची। डिजास्टर मैनेजमेंट टीम और बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। फिलहाल इस मामले में लगातार तफ्तीश जारी है। तफ्तीश के बाद ही इस पूरी घटना का सच सामने आएगा।

स्कूल गेम्स शुरू, 3545 स्कूलों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली। दिल्ली में मौजूद शैक्षणिक सत्र के स्कूल गेम्स शुरू हो गए हैं। बृहस्पतिवार छत्रसाल स्टेडियम में दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने इसकी शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने छात्रों को नसीहत दी कि उनको पढ़ाई के साथ खेलकूद से जुड़ी गतिविधियों में भी हिस्सा लेना चाहिए। इससे स्वस्थ शरीर और मन स्वस्थ रहने से अपने भविष्य का निर्माण संभव हो सकेगा। दिल्ली स्टेट स्कूल गेम्स 2023-24 में शिक्षा निदेशालय के तहत आने वाले 16 जिलों के 29 जोनों के 3545 सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी मान्यता प्राप्त स्कूल हिस्सा ले रहे हैं।

133वीं जयंती पर गणेश शंकर विद्यार्थी को श्रद्धासुमन अर्पित

पत्रकारिता के भीष्म पितामह निर्भीक कलम के सिपाही थे गणेश शंकर विद्यार्थी : दयानंद वत्स भारतीय

अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ के राष्ट्रीय महासचिव दयानंद वत्स ने आज सुप्रसिद्ध पत्रकार, समाजसेवी, स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय श्री गणेश शंकर विद्यार्थी को आज बरवाला में उनकी 133वीं जयंती पर उन्हें कृतज्ञ राष्ट्र की और से अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अपने संबोधन में श्री वत्स ने कहा कि स्वर्गीय गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता के भीष्म पितामह और निर्भीक कलम के सिपाही थे। उनकी लेखनी ने अंग्रेजी शासन की नींव हिलाकर रख दी थी। उनके लेखों और निबंधों में भावात्मकता, ओज, गांभीर्यता, निर्भीकता, सरलता ओर प्रवाहमयता स्पष्ट परिलक्षित होती है। उन्होंने कर्मयोगी, स्वराज्य, अभ्युदय, हितवार्ता, सरस्वती समाचार पत्र-पत्रिकाओं में अपनी कलम से नये भारत का नवनिर्माण किया। विद्यार्थी जी ने साप्ताहिक प्रताप को दैनिक प्रताप में परिवर्तित कर एक संपादक, एक लेखक के रुप में राष्ट्रहित में जन-जागरण का महत्वपूर्ण कार्य किया। वे स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी थे। आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी उनकी लेखनी के प्रशंसक रहे ओर अपनी पत्रिका सरस्वती में विद्यार्थी जी ने अपना लेख आत्मोसर्ग प्रकाशित कराया। वे बाल गंगाधर तिलक , महात्मा गांधी से बहुत प्रभावित थे। उनकी लिखी शेखचिल्ली की कहानियां पाठक आज भी चाव से पढते हैं। आत्मोसर्गता नामक संग्रह में उनकी अपूर्व शैली के दर्शन होते हैं। उनके सारे निबंध त्याग और बलिदान पर आधारित हैं। श्री वत्स ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व भावी पीढी और पत्रकारिता जगत के लिए प्रेरणादायक है।

दिल्ली सरकार और अधिकारियों में फिर रार

प्रदूषण नियंत्रण में रोड़ा अटकाने का लगाया आरोप, कहा- डाटा मिलना बंद

नई दिल्ली। बढ़ते प्रदूषण स्तर के बीच दिल्ली सरकार और अधिकारियों के बीच फिर विवाद खड़ा हो गया है। दिल्ली सरकार ने आरोप लगाया है कि उपराज्यपाल को मिली अतिरिक्त शक्तियों के बाद से अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। ऐसे में इस बार प्रदूषण के नियंत्रण को लेकर की जा रही कोशिश की मुहिम फंस गई है।

दिल्ली सचिवालय में बुधवार को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय व सर्विसेज मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन अश्वनी कुमार ने प्रदूषण को नियंत्रित करने की मुहिम को पंगु बना दिया है। कैबिनेट के फैसले को पलटते हुए आईआईटी कानपुर को बकाया राशि का भुगतान रोक दिया। इस कारण रियल टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट अध्ययन का काम ठप हो गया है और दिल्ली सरकार को प्रदूषण के वास्तविक स्रोतों का डाटा मिलना बंद हो गया है।

सरकार ने आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर प्रदूषण के वास्तविक स्रोत का पता लगाने के लिए देश में पहली बार इस तरह की स्टडी कराने का फैसला लिया था। स्टडी पर 12 करोड़ खर्च होने हैं। इनमें से 10.60 करोड़ आईआईटी कानपुर को दिए जा चुके हैं।

सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण का वैज्ञानिक विश्लेषण करने के लिए इस डाटा की जरूरत थी, ताकि उचित कार्रवाई की जा सके, लेकिन अश्वनी कुमार ने संबंधित मंत्री और कैबिनेट को बिना बताए ऐसा फैसला लिया। बता दें कि दिल्ली में 7 जुलाई 2021 को कैबिनेट ने रियल टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट स्टडी कराने का निर्णय लिया था।

चाहिए वैज्ञानिक अध्ययन

गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण के स्तर में कमी लाने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन की जरूरत है। इसकी मदद से पता चलेगा कि किस क्षेत्र में किस कारण प्रदूषण बढ़ रहा है। अक्टूबर में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ता है। ऐसे में अश्वनी कुमार ने दिल्लीवालों के साथ जिस तरह का व्यवहार किया है, उसके बाद भी हमने कई बार अध्ययन बंद करने कोशिश की, लेकिन हमें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। इसे बंद करने के लिए फरवरी से ही कोशिश की जा रही थी।

अश्वनी कुमार को किया जाए निलंबित

गोपाल राय ने कहा कि इस मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नोट भेजा है। हमने मांग की है कि अश्वनी कुमार को तत्काल निलंबित किया जाए और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार आईआईटी कानपुर को बकाया 2 करोड़ रुपये तत्काल जारी किए जाएं, ताकि अध्ययन शुरू किया जा सके। साथ ही, शीतकालीन सत्र के समापन के बाद इस क्षेत्र के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों से अध्ययन रिव्यू कराया जाए, ताकि आगे निर्णय लिया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार, 30 करोड़ की चरस बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ड्रग्स तस्करी के एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो विदेशी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से बरामद 63 किलोग्राम चरस बरामद हुई जिसकी कीमत करीब 30 करोड़ रुपये बताई जा रही है। आरोपियों में यूपी के बहराइच निवासी सुद्धि, नेपाल निवासी पहलमान बुद्ध मगर और नेपाल निवासी कैली बहादुर अरगेजा शामिल हैं। इनके कब्जे से पैकिंग के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कुछ सामग्री, कई मोबाइल और 1,68,000 रुपये बरामद किए गए। 20 अक्तूबर को आरोपी सुद्धि की निशानदेही पर सरगना पहलमान बुद्ध मगर को सफदरजंग इलाके के अर्जुन नगर से दबोचा गया। अर्जुन नगर में उसके किराये के घर से लगभग 29 किलो चरस बरामद की गई। 25 अक्तूबर को आरोपी पहलमान की निशानदेही पर एक अन्य नेपाली नागरिक कैली बहादुर अर्गेजा को चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, आउटर रिंग रोड के पास से पकड़ा गया। कैली बहादुर अर्गेजा के बैग से 1.5 किलो चरस बरामद हुई। पहलमान बुद्ध ने खुलासा किया कि वह उमेश यादव के साथ अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी गिरोह चलाता है और पिछले दो वर्षों से शामिल है। वह दिल्ली में चरस का स्टॉक देखता है, जबकि उमेश यादव और साहिल थापा नेपाल में स्थानीय किसानों से चरस खरीदते हैं। वहीं, कैली बहादुर अर्गेजा ने बताया कि वह दीपक के निर्देश पर चरस बेचता है और सारे पैसे को काठमांडू पहुंचने के बाद दीपक को सौंप देता है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर इनके गैंग के बारे में और जानकारी जुटा रही है।

होटल में युवती का हत्यारोपी बॉयफ्रेंड गिरफ्तार

मैंने जिसके लिए सबकुछ छोड़ा, वो कहीं और शादी कर रही थी; इसलिए किया कत्ल : आरोपी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के होटल में 22 अक्टूबर को शहजादी नामक युवती की हत्या की गई थी। खुलासा हुआ है कि हत्या को अंजाम उसके बॉयफ्रेंड ने ही दिया। वह गर्लफ्रेंड की अगले महीने होने वाली शादी से नाराज था। इसलिए होटल में उसे बातचीत के बहाने बुलाया। पहले नशे की गोलियां खिलाईं, फिर तकिये से मुंह दबाकर हत्या कर दी। गुरुवार तड़के एनकाउंटर में पुलिस ने हत्यारोपी बॉयफ्रेंड को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पैर में गोली लगी है।

22 अक्टूबर को होटल में मिली थी लाश

गाजियाबाद के कस्बा डासना स्थित रोहन एन्क्लेव में अनंत होटल है। यहां 22 अक्टूबर की सुबह एक कमरे में 23 वर्षीय युवती की लाश बेड पर पड़ी मिली। उसकी पहचान जोया उर्फ शहजादी निवासी जनपद हापुड़ के रूप में हुई। शहजादी के दोस्त अजहरुद्दीन ने खुद मृतका के भाई को फोन करके उसकी मौत होने की सूचना दी और फिर फरार हो गया। वेव सिटी थाना पुलिस तभी से अजहरुद्दीन की तलाश में जुटी थी। एसीपी सलोनी अग्रवाल ने बताया, गुरुवार तड़के नायफल रोड पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस मुठभेड़ में अजहरुद्दीन पकड़ा गया है। उसके एक पैर में गोली लगी है। जबकि अजहरुद्दीन का साथी जलाल फरार हो गया है।

चार साल से था दोनों का प्रेम-प्रसंग

अजहरुद्दीन के मुताबिक, पिछले करीब चार साल से मेरा जोया से प्रेम-प्रसंग था। उसके लिए मैंने अपना घर तक छोड़ दिया था और परिवार से अलग होकर कस्बा डासना के कल्लूगढ़ी में अलग होकर रह रहा था। उसकी जरूरतों को पूरा करने के लिए मैंने अपनी जमीन भी बेच दी थी। इसके बावजूद वो अगले महीने दिल्ली निवासी युवक से निकाह करने जा रही थी।

अजहरुद्दीन ने बताया, मुझे ये बात बेहद बुरी लगी क्योंकि जोया ने भी उस रिश्ते का विरोध नहीं किया। मैंने बातचीत के लिए जोया को इस होटल में बुलाया था। मैंने उसे समझाने का प्रयास किया। वो नहीं मानी तो मैंने कोल्डड्रिंक में नशीली गोलियां मिलाकर उसको पिला दीं। जब वो बेहोश जैसी अवस्था में हो गई तो मैंने मुंह पर तकिया रखकर उसका दम घोंट दिया। मैंने तब तक उसका मुंह दबाया, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। मैं रात होने का इंतजार करता रहा। इसके बाद मैं होटल पर बाहर खड़े दोस्त जलाल के साथ बाइक पर बैठकर फरार हो गया।

पुलिस ने बताया कि गाजियाबाद से अजहरुद्दीन ट्रेन में बैठकर जयपुर चला गया। फरारी के दौरान वो ट्रेन से इधर-उधर घूमता रहा। पुलिस की एक टीम उसकी तलाश में राजस्थान भी गई थी।

यमुना की पदयात्रा पर निकलेंगे निराहार साधना रत दादा गुरु जी

निराहार रहकर ही कर चुके हैं 3200 किमी पैदल नर्मदा परिक्रमा

- 1100 दिनों से नर्मदा जी का जल ग्रहण करने वाली योगी की अगुवाई में 28 अक्तूबर को होगी शुरुआत, दिल्ली से मथुरा के बीच बड़ी संख्या में जुटेंगे आम लोग
- ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में यमुना जी की अविरलता और निर्मलता के लिए जागरूकता फैलाना होगा यात्रा का मकसद
- यात्रा शुरू होने से पहले आईटीओ तट पर यमुना के शुद्धीकरण के लिए होगा वरुण देव का विशेष यज्ञ, यमुना को स्वस्थ रखने की होगी प्रार्थना

नई दिल्ली। देश की नदियों को अविरल व निर्मल रखने के लिए परम पूजनीय श्री दादा गुरु जी करीब 1,100 दिनों से निराहार साधना रत है। वह सिर्फ नर्मदा जी के जल का ग्रहण करते हैं। नर्मदा जी, यमुना जी कैसे अविरल व निर्मल हों, देश की अन्य नदियां कैसे स्वस्थ्य हों, लोग प्रकृति के अनुकूल जीवन कैसे जिएं, इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर वह निराहार रहकर तप कर रहे हैं, देश भर में जन-जागरण कर रहे हैं। इसी सिलसिले में यमुना जी के शुद्धीकरण के लिए वह इस वक्त दिल्ली में हैं। 28 अक्तूबर को आईटीओ छठ घाट पर यमुना जी के शुद्धीकरण की कामना के लिए एक विशेष, वरूण जी का यज्ञ होने वाला है। यज्ञ की आहुति पूरी होने के बाद श्री दादागुरु दिल्ली से श्री कृष्ण जन्मभूमि मथुरा तक की करीब 190 किमी लंबी पदयात्रा पर निकलेंगे। राष्ट्रवादी चिंतक केएन गोविंदाचार्य ने बृहस्पतिवार बीपी हाउस में मीडिया से बात करते हुए यह जानकारी दी।

केएन गोविंदाचार्य के मुताबिक, दिल्ली से मथुरा तक की पदयात्रा आध्यत्मिक के साथ एक जनजागरण यात्रा है। यह यमुना शुद्धिकरण एवं संरक्षण के प्रति लोगों के जागरण के नजरिए से, प्रकृति केंद्रित विकास के नजरिए से, हम सबकी जीवन की दृष्टि से, हम सबकी समृद्धि और सुरक्षा के नजरिए से वह पैदल चलेंगे।

गोविन्दाचार्य जी ने आह्वान किया कि इसमें हमारा भी तो कुछ कर्तव्य है कि हम कुछ कदम साथ चलें। कुछ दूरी तक साथ चलें, समझने की कोशिश करें, निभाने की कोशिश करें। इस यात्रा की पूर्णाहुति मथुरा में 5 नवंबर को होगी। इसमें भी सभी लोगों को सहभागिता सुनिश्चित करनी है।

केएन गोविंदाचार्य ने बताया कि भारत की संस्कृति व मान्यताओं के अनुरूप यमुना जी के शुद्धिकरण के लिए 28 अक्तूबर की सुबह 9:00 बजे आईटीओ घाट पर वरुण यज्ञ होगा। इसके बाद यात्रा की शुरुआत होगी। यह यमुना जी के किनारे-किनारे दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरेगी। रास्ते में बड़ी संख्या में लोग इससे जुड़ेंगे। कोई पूरी यात्रा भर साथ चलेगा, कोई दो-चार दिन। सब अपनी सामर्थ्य के हिसाब से यात्रा का हिस्सा बनेंगे। इस बीच लोगों से संवाद होगा। बीच-बीच में बैठकें भी होंगी। हर दिन दोपहर और शाम के भोजन से पहले सभाएं भी होंगी। हर दिन की यात्रा औसतन 18-20 किमी के बीच की होगी। इसके लिए पूरे रास्ते की मैपिंग के साथ दोपहर और रात्रि विश्राम वाली जगहों की पहचान कर ली गई है। पहला पड़ाव दिल्ली के कालिंदी कुंज पर होगा। इसके बाद यात्रा आगे बढ़ती रहेगी।

1,100 दिनों से निराहार साधना

दादा गुरु जी बीते 1,100 दिनों से निराहार प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन का संदेश दे रहे हैं। बीते 18 सालों से उनका अथक प्रयास सनातन संस्कृति, पूजन-पद्धति, परम्परा, जीवनशैली आदि को प्रकृति के साथ जोड़ने का है। उनका मानना है कि प्रेम, पेड़ और पानी मानव जीवन की निशानी है। पेड़ और नदियों के संरक्षण और संवर्धन में ही मानवता का भविष्य सुरक्षित है। इसलिए हम सभी का यह उत्तरदायित्व बनता है कि अपनी आगामी पीढ़ी के लिए प्रकृति के मूल तत्वों का संरक्षण करें। नदियों के जल प्रवाह को अविरल और स्वच्छ रखें। श्री दादा गुरु मानवता की सेवा के लिए निराहार रहकर भी 3 बार रक्त दान कर चुके हैं। दादागुरु द्वारा प्रकृति संरक्षण के लिए निराहार रहकर जनजागरण करने का विश्व कीर्तिमान भी गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अंकित है। इनके द्वारा प्रेरित कार्यों के लिये कुल 7 विश्व कीर्तिमान हैं।

संपादकीय

युद्ध में बमबारी से आम नागरिकों की मौत, चिंता की बात

अब तक गाजा पट्टी में करीब छह हजार से ज्यादा आम नागरिकों की मौत की खबरें आ चुकी हैं।

इस महीने के शुरुआती हफ्ते में इजराइली सीमा में घुस कर हमास ने जो हमला किया था, उसने स्वाभाविक ही सभी लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया था कि आतंकवाद की शायद कोई सीमा नहीं है! मानवीयता में विश्वास रखने वाला कोई भी व्यक्ति इस तरह के हमले का समर्थन नहीं कर सकता। लेकिन उसके बाद इस समूचे इलाके में शुरू हुए युद्ध ने अब जो शक्ल अख्तियार कर ली है, उसने समूची दुनिया के सामने चिंता पैदा कर दी है कि आखिर यह कहां जाकर रुकेगा।

हमास के हमले में बड़ी तादाद में इजराइली मारे गए थे। अब उसके प्रतिकार में इजराइल जिस तरह हमला जारी रखे हुए है, उसमें दावा यही किया जा रहा है कि निशाने पर हमास के आतंकवादी हैं, मगर हकीकत यह है कि गाजा पट्टी में लगातार बमबारी की वजह से बड़े पैमाने पर आम नागरिक मारे जा रहे हैं। सवाल है कि क्या युद्ध के दौरान देशों के लिए बने अंतरराष्ट्रीय कानूनों और सीमाओं का खयाल रखना किसी पक्ष के लिए जरूरी नहीं रह गया है!

गौरतलब है कि मंगलवार को इजराइल ने गाजा पट्टी पर चौबीस घंटे के दौरान लगातार हवाई हमलों के जरिए बमबारी की, जिसमें सात सौ से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबरें आईं। गाजा पर इजराइली बमबारी में एक दिन में मरने वालों की यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। हालांकि इजराइल का कहना है कि उसने हमास के ठिकानों पर हमले किए हैं, लेकिन सवाल है कि इतनी बड़ी तादाद में आम लोगों को शिकार बनाने से किसका और किस तरह का मकसद पूरा हो रहा है? हमास के हमले का जवाब देने के क्रम में फिलहाल इजराइल का जो तेवर दिख रहा है, उसमें शायद इस बात की फिक्र नहीं है कि युद्ध में कौन मारा जा रहा है और किसे बख्शना है।

अब तक गाजा पट्टी में करीब छह हजार से ज्यादा आम नागरिकों की मौत की खबरें आ चुकी हैं। इनमें लगभग आधे नाबालिग या बच्चे थे। यह बेवजह नहीं है कि अब दुनिया भर में इस बात को लेकर गहरी चिंता पैदा हो रही है कि इन हमलों का सिरा आखिर कहां जाकर रुकेगा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस की यह व्यथा समझी जा सकती है कि गाजा में हो रहे अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन चिंताजनक हैज्किसी भी सैन्य संघर्ष में नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि होती है।

भारत ने भी बुधवार को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में युद्ध की वजह से लगातार बिगड़ती स्थिति और संघर्ष में बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की मौत को लेकर गहरी चिंता जताई। भारत ने सभी पक्षों से शांति के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनाने, तनाव कम करने और हिंसा से बचने सहित सीधी बातचीत फिर से शुरू करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

यों भी भारत ने हमेशा आतंकवाद के खिलाफ मोर्चा लेने का पक्ष लिया है और इजराइल में हमास के हमले में भी इसका रुख स्पष्ट रहा। लेकिन फिलहाल गाजा पट्टी में साधारण लोग बिजली, पानी की आपूर्ति बाधित किए जाने सहित व्यापक पैमाने पर इलाका खाली करने जैसे त्रासद हालात का सामना कर रहे हैं और इजराइली हवाई हमले में मारे जा रहे हैं, उसके प्रति चिंता जाहिर करना भी भारत सहित मानवता के प्रति सरोकार रखने वाले किसी भी देश की जिम्मेदारी है।

विडंबना यह है कि हमास के हमले और उसके बाद शुरू हुए युद्ध में अंतरराष्ट्रीय कानूनों और युद्ध अपराधों का खयाल रखना भी जरूरी नहीं माना जा रहा है। नतीजतन, इसमें वैसे लोग मारे जा रहे हैं, जो युद्ध और आतंकवाद के लिए जिम्मेदार नहीं हैं और इससे उनका कोई वास्ता नहीं रहा!

सरकारों की अदूरदर्शी नीतियां पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रही

पहाड़ी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं, विशेषकर जमीन धंसने की घटनाओं में वृद्धि क्यों हो रही है और सरकारी तंत्र इसकी अनदेखी क्यों कर रहा है।

विकास की बेलगाम दौड़ नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र पर भारी पड़ने लगी है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से लेकर उत्तराखंड तक बाढ़, भूस्खलन और जमीन धंसने की लगातार घटनाएं किसी बड़े खतरे की ओर इशारा कर रही हैं और इंसानी गतिविधियों पर अंकुश लगाने की चेतावनी दे रही हैं, लेकिन अदम्य लालच में प्रकृति की पुकार को अनसुना किया जाता रहा है।

नतीजतन, पहाड़ खोखले हो गए हैं, शहर धंस रहे हैं। ताजा मामला हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति का है, जहां के एक गांव में जमीन धंसने के कारण सोलह में से नौ घरों में दरारें आ गई हैं। ये दरारें ऐसी हैं कि कई घर रहने लायक नहीं रह गए हैं। लोगों में दहशत है और उनका डर वाजिब है। इसी साल बरसात के मौसम में बारिश, बाढ़ और भू-धंसाव के कारण पूरे हिमाचल प्रदेश में बहुत सारे घर तबाह हो गए, सड़कें और पुल बह गए।

इन घटनाओं में काफी लोगों की जान भी चली गई। इसी वर्ष की शुरुआत में उत्तराखंड के जोशीमठ शहर में धरती धंसने की घटनाओं से पूरा हिमालयी क्षेत्र सहम गया था, जहां सैकड़ों मकानों, सड़कों, होटलों आदि में दरारें आ गई थीं और लोग पलायन को मजबूर हो गए।

सवाल यह है कि पहाड़ी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं, विशेषकर जमीन धंसने की घटनाओं में वृद्धि क्यों हो रही है और सरकारी तंत्र इसकी अनदेखी क्यों कर रहा है।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बढ़ती आबादी के साथ सरकारी मशीनरी अति सक्रियता से काम कर रही है। मैदानी क्षेत्रों की बिजली, तीर्थाटन और पर्यटन की जरूरतें पूरी करने के लिए भी यहां निर्माण कार्यों और विकास की गतिविधियों पर जोर दिया जा रहा है।

उद्योगों के अनुरूप नीतियां लाई जा रही हैं, जिससे औद्योगिक गतिविधियां तेजी से बढ़ी हैं। पहाड़ों को काट-छील कर सड़कें और सुरंगें बनाई जा रही हैं, उच्चमार्ग और पुल बनाए जा रहे हैं। दर्जनों बिजली परियोजनाएं चल रही हैं। ये ज्यादातर काम पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर हो रहे हैं। बेतहाशा खुदाई, भूजल निकासी और उत्खनन के कारण पहाड़ों की जड़ें खोखली हो गई हैं।

नदी-नाले गाद, मिट्टी और मलबे से अवरुद्ध हो गए हैं। इससे जल-जमाव और रिसाव से जमीन दलदली हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार जमीन से अत्यधिक मात्रा में पानी निकालने की वजह से कुछ भूजल स्रोत में मिट्टी का भराव हो जाता है और भू-धंसाव की यह सबसे आम वजह बनती है। विशेषज्ञों ने भी जोशीमठ में जमीन धंसने का बड़ा कारण यही बताया है।

दरअसल, अनियोजित विकास और सरकारों की अदूरदर्शी नीतियां पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रही हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि केंद्र या राज्य सरकारों ने केदारनाथ आपदा, रैणी आपदा, चमोली में हुए हादसों से कोई सबक नहीं सीखा।

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के राज्य आपातकालीन संचालन इकाई की एक रपट के मुताबिक, लाहौल-स्पीति की तरह हिमाचल प्रदेश के सैकड़ों गांवों-कस्बों पर भू-धंसाव का खतरा मंडरा रहा है।

प्रत्येक हादसे के बाद जांच और समीक्षा समितियां बनाकर सरकार समझ लेती है कि उसकी जिम्मेदारी पूरी हो गई। अगर समय रहते पहाड़ों को बचाने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई, तो आने वाले समय में हालात बहुत भयावह हो सकते हैं। सरकार को चाहिए कि पूरे हिमालयी क्षेत्र का वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन कराए। संवेदनशील इलाकों में बेलगाम निर्माण गतिविधियां हर हाल में रुकनी चाहिए।

भारत में भी तैयार है गाजापट्टी जैसा उन्माद फटने को

- ललित गर्ग -

समूची दुनिया मजहबी कट्टरता, अमानवीय अत्याचार एवं उन्मादी आतंकवाद के चलते विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़ी है। हमास के आतंकवादियों ने किस तरह की हैवानियत की थी, छोटे छोटे बच्चों एवं महिलाओं के साथ घर में घुसकर हिंसा, अनाचार किया, गोली मारी, जिंदा जला दिया। पकड़े गये सैनिकों को बारूद में लपेट कर जीवित जला देना, अपने ही हिमायती लोगों को अपने लिए मानव ढाल बनने के लिए मजबूर करना, उन्हें युद्ध क्षेत्र में रोकना, जिससे अधिक से अधिक लोगों की जान जा सके यह किसी युद्ध की स्थिति नहीं है, यह इस्लामी कट्टरवादी सोच है। यह सारी मानवता को चुनौती है, विश्वशांति को खतरा है, उसके लिए अस्तित्व रक्षा का प्रश्न है। अब सवाल ये है कि गाजा के आम लोगों का इसमें क्या कसूर? क्या हमास की दरिंदगी का बदला गाजा के आम लोगों के खून से चुकाया जाएगा? आखिर कब तक निर्दोष, मासूम एवं आमजन उन्माद एवं आतंक की भेंट चढ़ते रहेंगे? इस्लामी कट्टरता एवं उन्माद के काले दंश केवल गाजापट्टी में ही नहीं, भारत में भी कहर बरपाते रहे हैं, लम्बे समय से जम्मू-कश्मीर हो या, हाल ही में मणिपुर-मेवात में हुई हिंसा, उन्माद एवं वहशियाना हरकतें चिन्ता का सबब बनती रही है।

इस्लामी आतंकवाद खतरनाक है, मानवता पर कुठाराघात है। इस तरह के आतंक से दुनिया को डराना एवं भयभीत करना मुख्य लक्ष्य है। हमास के आतंकवादियों ने जब इजरायल के मासूम नागरिकों पर बेरहमी से हमला किया तो वो हथियारों के साथ-साथ कैमरों से भी लैस थे, अपनी वहशियाना हरकतों को कैमरे में कैद कर रहे थे। आज जब इसके सबूत सामने आए तो साफ हो गया कि इरादा सिर्फ मारकाट मचाना नहीं था, इरादा सिर्फ इजरायल को नुकसान पहुंचाने का भी नहीं था, इरादा तो ये था कि ये हैवानियत दुनिया को दिखाई जाए, दुनिया को इस्लाम एवं उसकी आतंकी सोच के सामने झूकने को विवश करना इरादा था, इरादा इजरायल के आत्मसम्मान पर चोट पहुंचाना भी था।

इजरायल दुनिया को हमास के जुल्मों की तस्वीरें दिखाकर पूछ रहा है कि इस पर दुनिया के इस्लामिक देश खामोश क्यों हैं? जो आज इजरायल से जंग रोकने के लिए कह रहे हैं उन्होंने हमास की अमानवीय कार्रवाई की निंदा क्यों नहीं की? अगर कैमरों पर सबूत न होते तो कुछ लोग शायद ये कह देते कि इजरायल की फौज और मोसाद ने खुद ही अपने लोगों को मरवाया ताकि उन्हें हमास पर हमला करने का बहाना मिल सके। लेकिन इस बात के पुख्ता सबूत हैं और दावे भी कि हमास के आतंकवादियों ने मासूम और बेकसूर लोगों के साथ वहशियाना तरीके से जुल्म किया, हत्या की और आज भी अगवा किए गए लोगों को इंसानी ढाल बनाकर अपने आप को बचाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन फिलिस्तीन का समर्थन एवं मानवाधिकार की बातें करने वाले इन हरकतों को नजरअंदाज करने में लगे हैं। दुनिया के कई मुल्कों में प्रदर्शन हुए हैं, लोग इजरायल पर दबाव बनाना चाहते हैं ताकि वो गाजा पर किए जा रहे

हमलों को रोके।

इजरायल के कड़े रुख को देखते हुए अब हमारे देश में भी फिलिस्तीन और हमास के समर्थन में मुस्लिम संगठनों और मुस्लिम नेताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। ये वे ही लोग एवं संगठन हैं जो भारत में होने वाली आतंकवादी घटनाओं, उन्मादी सोच एवं हिंसा एवं पाकिस्तानी हरकतों का समर्थन करने से बाज नहीं आते। हमास के दहशतगर्दों ने महिलाओं के कपड़े उतारकर उन पर जुल्म करके, उनकी नुमाइश करते वक्त कैमरों के सामने अल्लाहु अकबर के नारे लगाए। गौर करने की बात ये भी है कि सऊदी अरब और यूनिइटेड अरब अमीरत के मुल्कों में कोई विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर नहीं उतरा लेकिन हमारे देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जिनके बारे में कुछ लोग कह रहे हैं-बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना। असदुद्दीन ओवैसी खुलकर इजरायल का विरोध कर रहे हैं। इजरायल का समर्थन करने के भारत सरकार के फैसले को गलत बता रहे हैं।

पिछले दिनों मेवात में बरपी इस्लामिक कट्टरता में भी गाजापट्टी जैसे ही दृश्य देखने को मिले। जिहादियों ने हिन्दुओं पर हमला करने की पहले से पूरी तैयारी कर रखी थी। यहां तक कि उन्होंने मन्दिर में फंसे हिन्दू महिलाओं, बच्चों एवं निर्दोषों को निकालने के लिये गुरुग्राम से आने वाले पुलिसकर्मियों पर भी हमले किये। पुलिस थाने को भी जला दिया गया, ताकि पुलिसकर्मी रक्षा एवं बचाव कार्य न कर सके। उस समय मेवात मानो मिनी पाकिस्तान बन गया था। मेवात में अल्पसंख्यक हिन्दुओं का कब्रिस्तान बनाने का एक षडयंत्र एवं साजिश थी। मेवात के सभी सैकड़ों गांव हिन्दू-विहीन हो चुके हैं। मेवात के हालात आज के गाजा पट्टी जैसे ही बने हुए थे। भारत में ऐसे अनेक गाजापट्टी हैं, जहां इस्लामिक उन्माद चाहे जब फट सकता है। पूरे देश में इस्लामिक कट्टरता एवं जिहादी सोच के चलते मानवीय मूल्यों एवं साम्प्रदायिक सौहार्द का ह्रास हुआ है। हिंसा, आतंक, उन्माद पनपे हैं। इस्लामिक कट्टरता एवं उन्माद से जुड़ी समस्याओं ने नये सन्दर्भों में पंख फैलाये हैं। मानवीय संबंधों के बीच एकता, अखण्डता, सहयोगिता, सह-अस्तित्व, प्रेम, आपसी सौहार्द, करुणा, अहिंसा एवं उदारता की पहचान घटी है।

कहना गलत न होगा कि हमास द्वारा इजरायल के निर्दोषों का नरसंहार भारत के कथित धर्मनिरपेक्ष तत्वों को दिखाई नहीं दिया, वे तथा सत्ता विरोधी गठबंधन से जुड़े दल मुस्लिम वोटों की संकीर्ण राजनीति के चलते आतंकियों के विरुद्ध एक भी शब्द बोलने की हिम्मत नहीं जुटा सके, आतंक के विरोध में बोलना उनकी मुस्लिम तुष्टिकरण नीति के खिलाफ जो ठहरा। विश्व भर में मानवाधिकारों की बात करने वाले भी आतंकी हमलों का विरोध न करके चुप्पी साथ गए। यही नहीं, आतंकियों के समर्थन में भारत भर में सत्ता के विरोध का वातावरण बनाया गया। अब मानवीय दृष्टिकोण से जब गाजा के सामान्य निर्दोष नागरिकों के लिए भारत ने राहत सामग्री भेजी है, तब हमास के समर्थन में जुलूस निकालने और तकरीर करने वाले तत्वों ने भारतीय सत्ता की तनिक भी सराहना नहीं की। भारत ने विश्वस्तर पर पीड़ित मानवता की सहायता करने में कभी कसर बाकी नहीं छोड़ी, फिर भी खास धर्म के अनुयायियों द्वारा भारत का विरोध करना यही सिद्ध करता है कि भले ही सबका साथ सबका विकास की नीति का अनुपालन करते हुए सत्ता भेदभाव न करती हो, फिर भी कुछ तत्व ऐसे हैं जिनके लिए धर्म के नाम पर आतंकियों का समर्थन सर्वोपरि है, राष्ट्र दोयम दर्जे पर ही है। यह चिंताजनक स्थिति है, जिस पर गंभीरता से चिंतन किया जाना नितांत आवश्यक है।

जब आतंकवादियों पर कार्रवाई होगी, तो मानवाधिकारों का मामला बन जाएगा, और जब आतंकवादी निरीह नागरिकों की हत्याएं-बलात्कार और बाकी जघन्यता करेंगे, तो वही रूदाली गिरोह या तो दूसरी ओर देखने लगेगा, या महीन ढंग से काते गये शब्दों से उसके लिए ढाल पेश करने की कोशिश करेगा। यह ढाल शाब्दिक होती है, आभासी होती है। भौतिक ढाल वे मनुष्य होते हैं, जो उनके नियंत्रण में होते हैं। लगता है ऐसे में फिलिस्तीनियों को सावधान रहना होगा, क्योंकि मानवाधिकारवादी रूदाली के तीसरे चरण के लिए फिर मानवों की कुर्बानी की आवश्यकता पड़ सकती है। जाहिर है, यह कुर्बानी के मानव वे फिलिस्तीनी ही हो सकते हैं, जो या तो आतंकवादियों के हथियारों के वश में हैं या आतंकवादियों के दिखाए सपनों के वश में हैं। भारत में भी अक्सर ऐसा होता रहा है। सभ्यता संचार माध्यमों का निर्माण करती है, ताकि लोगों तक सूचनाएं पहुंचाई जा सकें, पाशविकता उनका इस्तेमाल झूठ, नफरत, द्वेष एवं उन्माद फैलाने के लिए करती हैं, ताकि लोगों को निशाना बनाया जा सके। सभ्यता मानवीयता को पालती-पोसती है, पाशविकता उन मनुष्यों को मानव दीवार में इस्तेमाल करती है। जिनमें कट्टरता है, उन्माद है, जिन्होंने हाथों में बम एवं हथियार उठा लिये हैं, वह शांति एवं अमन का कोई तर्क नहीं सुनेगा एवं समझेगा। वे यह भी समझने को तैयार नहीं होंगे कि निर्दोष मृतकों की सूची लम्बी करने के परिणाम में घृणा की विरासत बनती है। उन्माद, जिहादी घृणा, नफरत, द्वेष और खून की विरासत कभी किसी को कुछ नहीं देती, किसी का भला नहीं करती।

चीन, रूस और ईरान का अमेरिका के विरुद्ध षड्यंत्र, परिणाम हमास-इजरायल युद्ध

अमेरिकी विदेश मंत्री एथोनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में स्पष्ट रूप से कहा है कि इस सभा में सबको विदित है कि तो कुख्यात आतंकवादी संगठन हमास ,हिजबुल्ला और फलस्तीन इस्लामिक जिहाद को कई वर्षों से ईरान प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से आर्थिक सामरिक सहायता कर इजराइल का विरोध करवाता आ रहा है. ब्लिंकन ने कहा हमास के इसराइल पर हमले में अमेरिका पूरी तरह से इसराइल के साथ खड़ा है और वह किसी अन्य देश के हमले से इजरायल की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है हमास का आक्रमण इजरायल की प्रभु सत्ता को चुनौती देने वाला है इसलिए इसराइल को हमास पर आक्रमण करने का पूरा-पूरा वैधानिक हक है इजरायल को अपनी जनता तथा अपनी भूमि की रक्षा करने का पूरा अधिकार है इसराइल अपना कर्तव्य निभा रहा हैद्य लिंकन ने स्पष्ट कहा है यदि ईरान, जॉर्डन, सीरिया या लेबनान अमेरिकी सैनिकों पर हमला करेगा तो उसका तुरंत माकूल जवाब दिया जाएगा।

इधर ईरान के प्रमुख आयतुल्लाह खुमैनी ने कहा कि गाजा पट्टी में निर्दोष नागरिकों तथा बच्चों महिलाओं की हत्या का सारा दोष अमेरिका प्रशासन को जाता है जिसने इसराइल को गाजा पट्टी पर निर्दोष नागरिकों पर आक्रमण करने की खुली छूट देकर रखी है और यदि अमेरिका इस युद्ध में शामिल होता है तो खाड़ी के अनेक राष्ट्र शामिल होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी अमेरिका पर होगी।

यह बात पूरी दुनिया को मालूम है कि हमास के पीछे ईरान और मिडिल ईस्ट के कई देश शामिल हैं और ईरान के पीछे ड्रैगन तथा रूस का खुला समर्थन है।

चीन और रूस ने फिलिस्तीन तथा हमास को अपने समर्थन का ऐलान किया है. रूस चाहता है कि अमेरिका का ध्यान रूस यूक्रेन युद्ध से हट जाए और वह यूक्रेन को पूरी तरह नष्ट कर अपने देश की सीमा में शामिल कर ले।

इसी तरह की चाहत चीन ने भी पाल कर रखी है वह ताइवान के मामले में अमेरिकी हस्तक्षेप से परेशान है और वह चाहता है कि अमेरिका का ध्यान इसराइल हमास युद्ध में लगा रहे और वह इसी दौरान आक्रमण करके ताइवान को अपनी प्रभु सत्ता में शामिल कर लेद्य चीन और रूस में खुले तौर पर ईरान को भड़काकर हमास हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद को सहायता करने तथा आक्रमण करने की इजाजत दे दी थी तब जाकर ईरान ने हमास को सीधे-सीधे इसराइल पर आक्रमण करने का निर्देश भी दिया हैद्य 7 अक्टूबर 23 को हमास के आक्रमण से लगभग 1200 से 1500 इसराइली नागरिक सैन्य अधिकारी बच्चे तथा स्त्रियों की सरेआम हत्या कर दी गई। जवाब में इजरायल ने फिलिस्तीन के गाजा पट्टी पर हमला कर हमास के फ्रंटलाइन आतंकवादियों को खत्म कर दिया है कॉलेटरल डैमेज के रूप में वहां के नागरिक तथा बच्चों एवं स्त्रियां भी मौत की नींद सो चुके हैंद्य हमास इसराइल लड़ाई में नया मोड़ तब आया जब गाजा के एक अस्पताल में बम गिरकर 500 लोगों की हत्या कर दी गई और इसका सारा ठीकरा इसराइल के सर फोड़ दिया गया है इसराइल ने इस बात से साफ इनकार किया है और कहा है कि इसके पीछे खुद हमास एवं फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद है जिसने गाजा के इस अस्पताल में हमला कर इसराइल के खिलाफ एक नया षड्यंत्र रचा है।

एनडीए और इंडिया की लड़ाई में अपना भविष्य ढूंढती क्षेत्रीय पार्टियां

साल 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन की राजनीति का मोहरा बन रहें क्षेत्रीय क्षत्रप

(सीए) मनीष कुमार गुप्ता

देश में आगामी साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों के होने में भले ही अब एक साल से भी कम का वक्त बचा हुआ है। लेकिन देश के राष्ट्रीय दलों के अलावा तमाम क्षेत्रीय पार्टियों ने भी इन चुनावों की तैयारियों की दिशा में अपने कदम अभी से बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि इसी साल दिसंबर में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश सहित कुल चार राज्यों के विधानसभा चुनाव भी होने हैं। लेकिन सच तो यह है कि मौजूदा समय में केंद्रकी सत्ता संभाल रहीं बीजेपी के अलावा लोकसभा में मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस सहित देश के तमाम क्षेत्रीय दलों का भी पूरा ध्यान अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों पर ही टिका हुआ है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या बीजेपी और कांग्रेस अपनी एलांयस पार्टी एनडीए और इंडिया के तहत अपनी जीत के लिए इन दलों को अपने साथ जोड़रहें हैं? दरसअल हाल ही में गुजरी 17-18 जुलाई को बैगलूरू में कांग्रेस पार्टी के अलावा 25 अन्य दलों की दो दिवसिय बैठक में उनके संयुक्त गठबंधन का एलान हुआ। दरअसल इस गंठबंधन का नाम इंडिया दिया गया जो आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी के एनडीए के खिलाफ चुनाव लड़ेगा। लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब इस इंडिया नाम के 13 और पार्टिया जुड़ चुकी हैं। नतीजतन अब इस इंडिया नाम के गठबंधन में शामिल घटक दलों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल है कि मौजूदा समय में राष्ट्रीय पार्टियों की ओर से शुरू हुई गठबंधन राजनीति के चलते अब क्षेत्रीय दलों को किसी ना किसी राष्ट्रीय पार्टी के गठबंधन का हिस्सा बनना जरूरी हो गया है। इसके अलावा यहां पर यह भी सवाल है कि क्या देश के विभिन्न राज्यों में सक्रिय क्षेत्रीय राजनीतिक दल कभी भी अपने दम पर लोकसभा चुनाव में नहीं उतर सकतें हैं। दरसअल आज के इस लेख में हम देश में राष्ट्रीय पार्टियों की गठबंधन की राजनीति में क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक भूमिका और उनके योगदान की विस्तारपूर्वक समीक्षा करेंगें।

देश में कई क्षेत्रीय दल अभी भी नहीं बनें हैं राष्टीय पार्टियों के गठबंधन का हिस्सा

देश में भले ही कई प्रमुख क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने कांग्रेस के इंडिया और बीजेपी के एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनना स्वीकार कर लिया है। लेकिन दूसरी तरफ अभी भी देश में दर्जनों की संख्या में कई ऐसे राजनीति दल हैजिन्होंने दोनों राष्ट्रीय पार्टियों मसलन बीजेपी और कांग्रेस के गठबंधन से दूरी बना रखी है। दरअसल मौजूदा समय में जो राजनीतिक दल ना तो एनडीए और ना ही इंडिया का हिस्सा बनें हैं उनमें मुख्य रूप से तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर रांव की भारत राष्ट्र समिति, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की पार्टी बहुजन समाज पार्टी, उड़ीसा में नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता दल, बीजद, आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू की तेलगू देशम पार्टी व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस, पंजाब में सुखबीर सिंह बादल की शिरोमणि अकाली दल, असादुदीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीनएआईएमआईएम के अलावा कर्नाटक की प्रमुख पार्टी जनता दल एस शामिल है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल है कि आखिरकार ये सभी क्षेत्रीय राजनीति दल क्या किसी भी राष्ट्रीय पार्टी के गठबंधन का हिस्सा बनेंगें या नहीं ?

दक्षिण में जनता दल एस और तेलगू देशम पार्टियों की स्वतंत्र राजनीति

दक्षिण भारत में यदि क्षेत्रीय क्षत्रपों की बात करें तो कर्नाटक में जनता दल एस और आंध्र प्रदेश में तेलगू देशम पार्टी और वाईएसआर कांग्रेस का नाम सबसे उपर आता है। लेकिन मौजूदा समय में इन तीनों राजनीतिक दलों जो एक समानता है वह यह है कि अभी तक इन तीनों पॉलिटिकलपार्टियों ने किसी भी राष्ट्रीय राजनीतिक दल मसल एनडीए और इंडिया के गठबंधन का हिस्सा बनना स्वीकार नहीं किया है। हालांकि कर्नाटक की बात करे तो जनता दल एस ने अपना संकेत भाजपा के एनडीए की तरफ जरूर दिया है लेकिन केवल इशारों में ही उसने अपनी मंशा जाहिर की है। दरअसल कर्नाटक में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कुल 135 सीटें जीती हैं। जबकि भाजपा ने 66 और जनता दल एस ने कुल 19 सीटें पर जीत दर्ज की थी। ऐसे में 224 विधानसभा सीटों वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भले ही जनता दल एस ने कम सीटें जीती हों लेकिन उसका वोट प्रतिशत बहुत ज्यादा था। ऐसे में साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भी कर्नाटक की 28 लोकसभा सीटों में कुल नौ सीटों पर चुनाव लड़ा था । हालांकि साल 2019 के लोकसभा चुनाव में जनता दल एस ने महज एक ही सीट पर जीत दर्ज की थी। लेकिन उसे सभी नौ लोकसभा सीटों पर कुल 51 फीसदी वोट मिले थें। ऐसे ही कुछ स्थिति आंध्र प्रदेश में जगनमोहन रेडडी की वाईएसआर कांग्रेस की भी है।

लेकिन आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और तेलगू देशम पार्टी दोनों राष्ट्रीय दलों के गठबंधन के लिए खतरा हैं। क्योंकि टीडीपी और वाईएसआर कांग्रेस में से किसी भी एक दल का किसी भी राष्ट्रीय दल के साथ गठबंधन होता है तो आंध्र प्रदेश का दूसरा दल विरोधी राष्ट्रीय दल के गठबंधन का हिस्सा बन जाएगा। इस लिहाज से राष्ट्रीय गठबंधन दलों ने आंध्र प्रदेश के इन दोनों क्षेत्रीय दलों से खुद ही दूरी बना रखी है।

उत्तर प्रदेश में बसपा व पंजाब में शिरोमणि अकाली दल ने बनाई राष्टीय गठबंधन से दूरी

उत्तर प्रदेश की सत्ता में कई बार रह चुकी पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती की पार्टी बहुजन समाज पार्टी इस बार ना तो एनडीए और ना ही इंडिया का हिस्सा बनी है। दरसअल पूर्व में बसपा एनडीए का हिस्सा रह चुकी हैं। लेकिन इस बार बसपा ने अकेले ही चलने का मन बनाया है।

गौरतलब है कि बसपा ने साल 2019 का लोकसभा चुनाव अखिलेश यादव की सपा के साथ मिलकर लड़ा था जिसमें उन्हें कुल 10 सीटों पर जीत मिली थी। ऐसे ही पंजाब में भी शिरोमणि अकाली दल ने अभी तक ना तो एनडीए और ना ही इंडिया का दामन थामा है। जबकि शिरोमणि अकाली दल भी पूर्व में भाजपा के एनडीए का हिस्सा रह चुका हैं।

शार्ट न्यूज

महोबा : दो युवकों ने लगायी फांसी

महोबा। उत्तर प्रदेश में महोबा जिले में अलग.अलग घटनाओं में आर्थिक तंगी और बीमारी से क्षुब्ध होकर दो युवको ने गुरूवार को फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। पुलिस उप अधीक्षक उमेश चन्द्र ने बताया कि चरखारी क्षेत्र में सूपा गांव के निवासी युवक 32 वर्षीय संदीप कुमार ने अपने खेत मे स्थित कच्चे मकान में फांसी पर झूल खुदकुशी कर ली। मृतक किसी गम्भीर बीमारी से ग्रसित था जिसका आर्थिक तंगी के चलते वह इलाज नही करा पा रहा था। उसने अपनी करीब 6 बीघा खेती में इस बार फसल आने पर अपना इलाज कराने की योजना बनाई थी किन्तु सूखे के कारण फसल खराब होने से उसे खासा सदमा लगा था। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि सुबह खेत मे जाकर युवक ने घटना को अंजाम दिया। परिवार के लोग जब खाना लेकर पहुंचे तो उसे फांसी पर झूलता देख सन्न रह गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया है। पुलिस मामले की जांच कर रहीं है। उधर कबरई क्षेत्र के सिंघनपुर बघारी गांव में 26 वर्षीय युवराज सिंह उर्फ दीपू ने अपने घर मे फांसी के फंदे पर झूल कर मोत को गले लगा लिया। परिजनों के मुताबिक वह लीवर की बीमारी से ग्रसित था। काफी इलाज होने के बावजूद वह बीमारी से निजात नही पा सका। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

कैराना में हत्यारोपी को उम्रकैद की सजा

कैराना। शामली में न्यायालय ने ट्रक ड्राइवर शाहिद हत्याकांड में दोष सिद्ध पाए जाने पर एक हत्यारोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 25 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। दरअसल, जिला शासकीय अधिवक्ता संजय चौहान ने बताया कि 30 दिसंबर 2019 की शाम शामली जिले के थाना आर्दशमंडी क्षेत्र के बनत निवासी शाहिद की हत्या कर दी गई थी। मामले में गांव के ही रहने वाले रामनिवास पर रात्रि करीब 10 बजे उसे साथ ले जाकर अपने घर पर फरसे से हत्या करने का आरोप लगा था। पड़ोसियों के जागने पर आरोपी फरसा हाथ में लेकर मौके से फरार हो गया था। मृतक के भाई शाहनवाज की ओर से थाना आर्दशमंडी पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच पड़ताल की। मामला सही पाए जाने पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। उसे कोर्ट में पेश किया गया था। जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। अभियोजन पक्ष की ओर से 13 गवाह न्यायालय के समक्ष पेश किए गए। मामले में कैराना में स्थित जनपद न्यायालय ने सुनवाई की। न्यायाधीश अनिल कुमार ने अपना फैसला सुनाया। न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलील सुनने व पत्रावलियों का अवलोकन करने के बाद रामनिवास को दोषी करार दिया। जिसे आजीवन कठोर कारावास व 25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

कौशांबी में कार की टक्कर से युवक की मौत

कौशांबी। कौशांबी के कड़ाधाम थाना क्षेत्र के दारानगर कस्बे में एक कार की टक्कर से 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। उसको स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। बताया जा रहा है कि टक्कर मार कर कार सवार मौके से प्रयागराज जिले की तरफ फरार हो गया। पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कड़ाधाम के नज्जू का पूरा गांव के रहने वाले जगजीत कुमार (26) पुत्र स्व. केशन लाल मजदूरी करता था। परिवार में पिता की बीमारी से मौत के बाद पूरा परिवार आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए मेहनत मजदूरी करता है। भाई पवन कुमार के मुताबिक उसका भाई बुधवार की शाम मेला देखने दारा नगर गया था। वहां से वह वापस नहीं आया। भाई को खोजने में उसे रात हो गई। सुबह उन्हें पुलिस ने बताया कि उनका भाई सैनी के एक निजी अस्पताल मे भर्ती है, जिसकी हालत बेहद नाजुक है। सूचना पर वह लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने अस्पताल से शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। भाई पवन ने बताया कि भाई की मौत के बाद उसका पूरा परिवार बेसहारा हो गया है। उनकी पत्नी-बच्चों के सामने अब खाने का संकट है। परिवार में जगजीत के अलावा कमाने वाला कोई भी व्यक्ति नहीं था। उसने मुआवजे की मांग की है।

वकीलों ने किया चुनाव बहिष्कार का ऐलान

कैराना। कैराना में बार एसोसिएशन ने पश्चिमी उप्र में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना नहीं होने पर आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले कैराना ही नहीं, बल्कि अन्य जिलों के करीब डेढ़ लाख अधिवक्ता सड़कों पर उतरकर मांग को लेकर आंदोलन भी करेंगे। आपको बता दें कि बार एसोसिएशन कैराना के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद व महासचिव आलोक चौहान ने बार भवन में पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने बताया कि वर्ष 1981 से अधिवक्ता पश्चिमी उप्र में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग करते चले आ रहे हैं। कई बार सरकारें बदलती रही हैं, लेकिन इस ओर किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया है। इस कारण करीब 800 किलोमीटर की दूरी पर वादकारियों को हाईकोर्ट जाना पड़ता है। जिसमें पीड़ितों को रास्ते में जाने में काफी खर्च और समय भी अधिक लगता है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उप्र के 22 जिलों के अधिवक्ता लगातार 1958 से उत्तर प्रदेश में उपयुक्त स्थान पर खंडपीठ की स्थापना की मांग करते चले आ रहे हैं। 1981 से अधिवक्ता खंडपीठ की मांग को लेकर सांकेतिक हड़ताल भी कर रहे हैं।

आगरा : एपी ज्वेलर्स के यहां जीएसटी कार्रवाई

आगरा। आगरा में स्टेट जीएसटी विभाग ने सर्राफा बाजार स्थित एपी ज्वेलर्स पर कार्रवाई की है। विभाग की कार्रवाई से बाजार में खलबली मच गई। कई सराफा कारोबारियों ने दुकानों के शटर गिरा दिए। सराफा बाजार में एपी ज्वेलर्स का शोरूम है। दोपहर में करीब दो बजे स्टेट जीएसटी की टीम ज्वेलर्स के शोरूम पर पहुंची। टीम में करीब आधा दर्जन अधिकारी हैं। टीम को देखते ही बाजार में छापे की सूचना फैल गई। आसपास दुकानों के शटर गिर गए। टीम ने ज्वेलर्स से माल की खरीद फरोख्त का रिकॉर्ड मांगा है। बिल बुक देखी जा रही है। कंप्यूटर और लैपटॉप भी खंगाले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि जीएसटी ने टैक्स में गड़बड़ी की आशंका पर कार्रवाई की है। शाम तक टीम ज्वेलर्स के यहां पर रिकॉर्ड देख रही थी। सर्राफा बाजार में इससे पहले एसजीएसटी सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष नीतेश अग्रवाल के प्रतिष्ठान पर कार्रवाई कर चुकी है। नितेश अग्रवाल पर करीब 36 लाख रुपए का दंड लगाया गया था। इसके बाद कोलकाता की इनकम टैक्स टीम ने अजय अवागढ़ के प्रतिष्ठान पर छापा मारा था। उनके यहां पर दो दिन तक कार्रवाई चली थी।

औरैया में पुलिया के नीचे मिला शव

औरैया। औरैया के दिबियापुर मार्ग पर महाराजपुर बहादुरपुर और दयालनगर गांव के बीच में पुलिया के नीचे एक आज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला। खेतों पर जा रही महिला शगुना देवी ने देखा तो गांव में जाकर अन्य लोगों को बताया कि कोई व्यक्ति शराब पीकर पुलिया के नीचे पड़ा है। देखते ही देखते घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई और ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। घटना स्थल पर थानाध्यक्ष विनोद कुमार पहुंचे। उन्होंने उच्चाधिकारियों को जानकारी दी। घटना स्थल पर पुलिस अधीक्षक चारु निगम, अपर पुलिस अधीक्षक दिग्म्बर कुशवाहा, सीओ भरत पासवान फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचें, जिन्होंने महिला किसान शगुना देवी से पूछताछ की और फॉरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल करने के बाद शव की तलाशी ली। तलाशी में एक बीड़ी का बंडल, एक माचिस, एक चाबी, एक केशर मसाला की पुड़िया व 300/रुपए मिले और सीधे हाथ में जय पाल नाम गुदा हुआ था। सिर, गर्दन और मुंह को कुत्तों ने नोच लिया था। इसकी वजह से उसकी पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने शव को मॉर्चरी में भेज दिया है और शिनाख्त की कोशिश में लग गई है। वहीं एसपी चारु निगम ने बताया कि घटना को लेकर चार टीमें गठित कर दी गई हैं, जल्द घटना का अनावरण किया जाएगा।

सुरक्षा और समृद्धि के नये युग में प्रवेश कर चुका है यूपी : योगी

मुख्यमंत्री ने बागपत में 351 करोड़ की 311 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

बागपत। उत्तर प्रदेश सुरक्षा और समृद्धि के नये युग में प्रवेश कर चुका है। यहां हर बहन सुरक्षित है, हर व्यापारी उत्पीड़न से मुक्त है। बिना भेदभाव के विकास की योजनाओं का लाभ हर तबके को दिया जा रहा है। आज कोई किसी किसान की जमीन पर जबरन कब्जा नहीं कर सकता है, कोई किसी युवा के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता, जो ऐसा करने की कोशिश भी करता है उसे सूद समेत अपने किये की कीमत चुकानी पड़ती है। ये बातें गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बागपत में 351 करोड़ की 311 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने जनता वैदिक कॉलेज को विश्वविद्यालय बनाने की बात कहते हुए जल्द से जल्द इसका प्रस्ताव भेजने के लिए कहा। सीएम योगी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बागपत विकास की नई ऊंचाई को छूने के लिए उतावला दिखाई दे रहा। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने भारत के विकास की अधारशिला भारत के गांव को बताया था और 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम पद की शपथ लेने के साथ ही विकास की धुरी गांव, गरीब, युवा और महिलाओं को बनाने के लिए प्रयास शुरू कर दिया। आज उन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि बिना भेदभाव के विकास की योजनाएं चल रही हैं। डबल इंजन की सरकार ने चौधरी साहब को सच्ची श्रद्धांजलि देने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छा लगता है जब बागपत का नौजवान सरकारी नौकरी प्राप्त करता है। ये अवसर पहले ही मिलना चाहिए था। सीएम योगी ने कहा कि 20-25 साल तक यहां के नौवजवानों के साथ भेदभाव होता था। मगर डबल इंजन सरकार में भेदभाव किसी के साथ नहीं होता, विकास की योजना भी प्रभावी ढंग से लागू होती है और अराजकता और गुंडागर्दी फैलाने की छूट किसी को नहीं मिलती। सीएम ने कहा कि सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

पिता ने ही निकला बालिका का हत्यारा

एजेंसी

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जिले की शिकोहाबाद पुलिस ने गड्ढे से भरी पानी में मृत मिली चार साल की बालिका के हत्यारे के रूप में उसके पिता को ही गुरूवार को गिरफ्तार किया।

एस पी ग्रामीण रणविजय सिंह ने शिकोहावाद मे बुधवार को एक पानी के गड्ढे में मिली अज्ञात बालिका की लाश के मामले का खुलासा करते हुए गुरुवार को बताया कि पुलिस द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से मृतक बालिका के फोटो की पहचान करायी गयी। पुलिस टीम ने मौहल्ला वोझिया निवासी विजेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने अपनी दिव्यांग बालिका को पानी में फेंकने की बात कबूल की है जिससे उसकी मौत हो गई। विजेंद्र ने बताया कि उसकी शादी करीब दस साल पहले थाना घिरोर क्षेत्र वासी देशराज की पुत्री रेखा के साथ हुई थी जिससे उसके एक बेटा सौरभ और छोटी बेटी राधा हुई थी। किन्तु कोरोना काल मे पत्नी रेखा अपने जीजा के पास जाकर रहने लगी बेटे को यही छोड़ गई थी जबकि बेटी उसी के साथ थी। विगत 4 अक्टूबर को वह शिकोहाबाद आई थी और एक मंदिर पर बेटी को छोड़कर चली गई जिसकी जेब में उसने पिता का नाम पता लिख दिया था बेटी पैरों से दिव्यांग थी।

पुलिस ने बेटी राधा के पास मिले पते के आधार पर विजेंद्र का पता लगाकर लड़की उसके सुपुर्द कर दी थी जबकि उसके पास घर में पालन पोषण के लिए कोई भी नहीं है वह खुद मजदूरी करता है। उसने बेटे को अपनी बहन के यहां जलेसर पहुंचा दिया है।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में इनामी बदमाश गिरफ्तार

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में जहांगीराबाद रोड पर पुलिस वह बदमाशों में हुई मुठभेड़ में 20 हजार रूपये का इनामी बदमाश घायल हो गया है। उसे गिरफ्तार कर पुलिस ने जिला चिकित्सालय में भर्ती किया है।

पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के अनुसार बुधवार देर रात थाना जहांगीराबाद क्षेत्रान्तर्गत जहांगीराबाद रोड पर स्वाट व थाना जहांगीराबाद की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा चेकिंग की जा रही थी कि एक संदिग्ध वाहन आता हुआ दिखाई दिया जिसे पुलिस ने रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस टीम को देखकर बदमाश पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगा। पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ फायरिंग की गोली बदमाश के पैर में लगने से घायल हो गया।

घायल अभियुक्त की पहचान हाशिम उर्फ बग्घा निवासी टिकरिया थाना देवा जनपद बाराबंकी के रूप में हुई बदमाश को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। गिरफ्तार बदमाश के कब्जे से 01 अदद तमंचा .315 बोर मय 02 खोखा तथा 01 जिंदा कारतूस व एक अदद मोटरसाइकिल बरामद किया गया।

प्रारम्भिक जांच से ज्ञात हुआ है कि अभियुक्त गोकशी, मादक पदार्थ तस्करी व गैंगस्टर एक्ट का अपराधी है जिसके विरूद्ध विभिन्न थानों पर लगभग 14 से अधिक अभियोग पंजीकृत हैं।

अभियुक्त हाशिम उर्फ बग्घा थाना जहांगीराबाद, कोतवाली नगर व थाना घुंघटेर पर पंजीकृत अभियोगों में वांछित है।

लखनऊ में दो बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस ने बंद घरों में चोरी करने वाले एक गिरोह के तीन सदस्यों को पॉलीटेक्निक चौराहे से पकड़ा है। यह गिरोह हापुड़ से लखनऊ आकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर दिल्ली और नोएडा भाग जाता था। वहीं चोरी के जेवर मेरठ के एक सोनार को बेचते थे। उससे जो रुपए मिलते थे। उसे आपस में बांट कर अपने शौक पूरे करते थे। गिरोह के तीन अन्य सदस्यों की पुलिस तलाश कर रही है। डीसीपी पूर्वी आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि 13 अक्टूबर को गोयल हाइट्स टावर-9 के फ्लैट नंबर 702 में रहने वाले दिलीप कुमार यादव घर में ताला तोड़कर चोरी की सूचना पुलिस को दी थी। जिसके आधार पर क्राइम ब्रांच और बीबीडी थाना पुलिस की ज्वाइंट टीम चोरी की तलाश में लगी थी। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को हापुड़ काजीबाड़ा निवासी आरिफ, हापुड़ मोती कालोनी के रईश और मेरठ के मुस्तकीम को गिरफ्तार किया। इनके पार से चोरी की एक्टिवा, एक पिस्टल, प्वाइंट 32 बोर के जिंदा कारतूस के साथ नकदी व जेवर बरामद हुए।

2.5 लाख के लिए हत्या, फिर पेड़ पर लटकाई लाश

आरोप पूर्व प्रधान पर है, जिसका राजमिस्त्री एक साल से घर बना रहा था

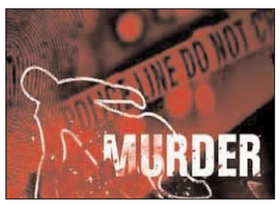

मेरठ। मेरठ में बुधवार देर शाम राजमिस्त्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप पूर्व प्रधान पर है, जिसका राजमिस्त्री एक साल से घर बना रहा था। राजमिस्त्री की लाश आम के पेड़ से लटकी हुई मिली। दोनों हाथ पीछे बंधे हुए थे। राजमिस्त्री के साथियों ने पूछताछ में बताया कि परीक्षितगढ़ के गांव धनपुरा पूर्व प्रधान पर करीब 2.5 लाख रुपए बकाया हो गया था। इसी का विवाद चल रहा था।

राजमिस्त्री के बुधवार शाम को अचानक लापता होने पर साथी सुमित ने जब पूर्व प्रधान विजयपाल को फोन किया, तो उसने कहा, चंद्रशेखर का काम तमाम हो गया। हिसाब बराबर हो गया। जाकर लाश उतार लो।

50 साल का चंद्रशेखर इंचौली क्षेत्र के गांव साधारणपुर में रहता था। चंद्रशेखर ठेकेदारी भी करता था। पिछले एक साल से धनपुरा गांव में पूर्व प्रधान विजयपाल सिंह के यहां राज मिस्त्री का काम कर रहा था। चंद्रशेखर अक्सर अपने साथियों को बताता था कि पूर्व प्रधान विजयपाल ने करीब 2.5 लाख रुपए का भुगतान नहीं किया। दोनों में आए दिन रुपयों को लेकर विवाद रहता था।

परिजनों ने बताया कि विजयपाल के मकान पर चंद्रशेखर के साथ 3 और लोग करीब 6 महीने से निर्माण का काम कर रहे थे। विजयपाल रुपयों के भुगतान में आना-कानी कर रहा था।

पूर्व प्रधान फरार, पुलिस टीम तलाश रहीं

चंद्रशेखर के 5 बच्चों में 3 बेटी और 2 बेटे हैं। जिसमें बड़े बेटे वंश की शादी हुई है। जबकि उसके चार बच्चे अभी भी पढ़ रहे हैं। उसकी पत्नी विमलेश है।

एसपी देहात कमलेश बहादुर सिंह का कहना है परिजनों की सूचना पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या कैसे हुई इसकी पूरी जानकारी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगी, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों को लगाया गया है। आरोपी फरार है।

ठंड से पहले ही बिगड़ने लगी हवा

मेरठ, गाजियाबाद समेत 8 शहरों में सबसे ज्यादा प्रदूषण

कानपुर। ठंड की दस्तक के साथ ही हवा में प्रदूषण का जहर भी घुलने लगा है। यूपी के शहरों में अभी से पॉल्यूशन का स्तर खतरनाक स्तर तक पहुंचने लगा है। यूपी में मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, समेत 8 शहरों की हवा भी खराब दर्ज की गई। कह सकते हैं कि वेस्ट यूपी और एनसीआर रीजन में हवा प्रदूषित हो गई है।

WHO के मुताबिक, जब कार्यालय, स्कूल जैसे इनडोर स्थानों के अंदर की हवा प्रदूषित होने पर बाहर की तुलना में 10 गुना ज्यादा खराब हो सकती है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित सिंह के मुताबिक, जब हवा का कोई सर्कुलेशन नहीं होता है और इनडोर हवा अंदर फंस जाती है, तो सीओ 2 का स्तर बढ़ने लगता है। इसलिए ठंड में खिड़कियों को पूरी तरह बंद नहीं करना चाहिए। ये फेफड़ों को बाहर के मुकाबले 10 गुना ज्यादा नुकसान पहुंचाती है।

यूपी के शहरों की हवा खराब

यूपी में अभी सुबह और रात की ठंड अधिक होने लगी है। न्यूनतम तापमान भी 15 से नीचे जा रहा है। दिन में अब मौसम गुलाबी ठंडक वाला होने लगा है। ऐसे में एयर क्वालिटी इंडेक्स खराब होने लगा है। बुधवार को मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा की हवा सबसे खराब दर्ज की गई। यहां हवा का स्तर सांस लेने के लायक भी नहीं रहा।

सिर्फ पानी छिड़क कर काम चला रहे

शहरों में टोटल पॉल्यूशन का 35 प्रतिशत हिस्सा डस्ट पॉल्यूशन का है। इसे रोकने के लिए एनजीटी ने सख्त गाइडलाइन जारी की है। वहीं सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने यूपी के निकायों को 5-5 करोड़ रुपए भी जारी किए थे। बावजूद इसके यूपी के शहरों की हवा अभी से खराब होने लगी है। डस्ट पॉल्यूशन को कंट्रोल करने के लिए नगर निगम महज एंटी स्मॉग गन के जरिए सिर्फ पानी का छिड़काव कर रहे हैं।

अजय राय नहीं मिल पाये सीतापुर जेल में आज़म खान से

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जेल में बंद समाजवादी पार्टी के नेता आजमखान से मिलने आज पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को जेल प्रशासन ने मिलने से रोक दिया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के साथ भीड़ अधिक होने के कारण जेल के दोनों गेटों पर ताला लगा दिया गया। राय ने गेट के बाहर से ही जेल अधीक्षक सुरेश कुमार सिंह से इस संबंध में वार्ता की और कहा कि सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद भी उन्हें सपा नेता आज़म खान से जेल में मिलने नहीं दिया जा रहा है। इस पर जेल अधीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि आजम खान ने मिलने से मना किया है अभी दो दिन पहले आजम खान से उनका बेटा अदीब खान पूर्व विधायक अनूप गुप्ता एवं सपा जिला अध्यक्ष छत्रपाल यादव की मुलाकात हुई थी।

जमीनी विवाद में पट्टीदारों ने मारी युवक को गोली

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद के दुबहर थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद में पट्टीदारों ने एक युवक की सिर में गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस गुरुवार को 7 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए तीन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले के दुबहर थाना क्षेत्र के शिवपुर दियर व्यासी नई बस्ती गांव में बुधवार की रात्रि यथार्थ विक्रम सिंह (25) का उसके पट्टीदारों से विवाद हो गया जिसमें पट्टीदारों ने यथार्थ को गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस अधीक्षक एस आनंद ने गुरुवार को बताया कि घटना के बाद यथार्थ को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से चिकित्सकों ने हालत नाजुक देख वाराणसी रेफर कर दिया, जिसकी वाराणसी ले जाते समय रास्ते मे मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस मामले में यथार्थ की मां रिंकी सिंह की तहरीर पर सात लोगों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा पुलिस तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि यथार्थ दुबहर थाना का हिस्ट्रीशीटर है। उसका अपने पट्टीदारों से शौचालय की भूमि को लेकर विवाद चल रहा था।

फर्रुखाबाद में पुलिस विभाग में चली तबादला एक्सप्रेस

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले को कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए पिछले 24 घंटो में फतेहगढ़ पुलिस लाइन से ,दो इंस्पेक्ट्रों एवं पांच सब इस्पेक्ट्रों के स्थानांतरण जिले के विभिन्न थानों में कर दिए गए। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने जिले में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने के लिए रखने के लिए पिछले 24 घंटे के दौरान फतेहगढ़ पुलिस लाइन में तैनात इंस्पेक्टर अवध नारायण पांण्डे को प्रभारी न्यायालय सुरक्षा व्यवस्था एव पुलिस लाइन से ही इंस्पेक्टर लक्ष्मी नारायण को प्रभारी क्राइम ब्रांच पद पर स्थानांतरित किया गया। सब इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार को थाना ए एच टी यू एव सब इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार को थाना अमृतपुर व सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार व सब इंस्पेक्टर सुरेश चन्द्र को थाना शमशाबाद तथा सब इंस्पेक्टर राजेश सिंह को थाना मेरापुर में स्थानांतरित किया गया है।

आजमगढ़ में हुई माफिया मुख्तार अंसारी की वर्चुवल पेशी

12वें गवाह की हुई गवाही, 31 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

आजमगढ़। आजमगढ़ की एमपी-एमएलए कोर्ट में मजदूर हत्याकांड में माफिया मुख्तार अंसारी की वर्चुवल पेशी हुई। इसके तहत आज 12वें गवाह की गवाही हुई। मुख्तार अंसारी की पेशी के दौरान ना कोई शिकायत ना कोई डिमांड रही। अब इस मामले की अगली तारीख 31 अक्टूबर और गैंगस्टर को लेकर भी उसी दिन तारीख पड़ी है।

इससे पहले की पेशी में एक गवाह अपने बयान से मुकर गया था। हाल ही में माफिया मुख्तार अंसारी पर आजमगढ़ में एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मुकदमे में मुख्तार अंसारी पर गवाह की फोटो मांगने का आरोप है। इस धमकी के बाद जिले के एसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर मुकदमा दर्ज किया गया। इस मामले की विवेचना आजमगढ़ पुलिस की विशेष सेल कर रही है।

2014 में हुई थी मजदूर की गोली मारकर हत्या

2014 में तरवां में एक मजदूर की हत्या के मामले में मुख्तार अंसारी समेत 11 के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद में गैंगस्टर एक्ट का भी मुकदमा दर्ज हुआ। मामले की सुनवाई आजमगढ़ एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही है। घटना में शामिल कई आरोपियों की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। इस मामले में कई गवाहों के बयान भी दर्ज हो चुके हैं और कई गवाहों के बयान अभी होने भी हैं।

पुलिस ने हत्या के इस मुकदमें में भेजी गई चार्जशीट में 18 लोगों को गवाह बनाया, जिसे लेकर आजमगढ़ के कोर्ट में लगातार सुनवाई व ट्रायल चल रही है। मामले में 11वें गवाह की गवाही हो चुकी है। अभी सात गवाहों की गवाही होना बाकी है। इस मामले में 31 अक्टूबर को पेशी होनी है।

आजमगढ़ पुलिस ने मऊ के अपराधी को किया गिरफ्तार

एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले की पुलिस ने मऊ के टॉप टेन के अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी हत्या, हत्या के प्रयास, लूट और गैंगेस्टर के मामले में वांटेड चल रहा था। आरोपी रविन्द्र यादव की जिले की पुलिस को काफी दिनों से तलाश थी। पुलिस ने आरोपी को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से प्रतिबंधित बोर की पिस्टल, कारतूस, चोरी की बाइक भी बरामद किया गया है। इस मामले में मऊ पुलिस के सब इंस्पेक्टर रविन्द्र यादव द्वारा संपादित की जा रही है। रविन्द्र यादव का कहना है कि आरोपी की काफी दिनों से तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

12 मुकदमों का आरोपी है रविन्द्र यादव

आजमगढ़ में चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किए गए 12 मुकदमों के आरोपी रविन्द्र यादव के ऊपर मऊ और आजमगढ़ जिले में 12 से अधिक गंभीर आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में चेकिंग के दौरान आरोपी को हिरासत में लिया गया। आरोपी को न्यायालय भेजा जा रहा है जहां से जेल रवाना किया जाएगा। इससे पूर्व भी मऊ जिले के कई आरोपियों को आजमगढ़ में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

लेखपाल रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

अयोध्या। अयोध्या में एंटी करप्शन की टीम ने 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते माझा क्षेत्र के रिश्वतखोर लेखपाल विकास कुमार को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। लेखपाल ने जमीन की खारिज दाखिल के नाम पर दस हजार रिश्वत की मांग रहा था। जिसकी शिकायत अयोध्या कोतवाली के मणि पर्वत क्षेत्र निवासी मनीष कुमार मिश्रा ने एंटी करप्शन से की थी। मनीष कुमार संत कबीर नगर के निवासी है। अयोध्या माझा बरेहटा में जमीन खरीदा है। उसी की खारिज दाखिल के लिए लेखपाल विकास कुमार ने दस हजार रिश्वत मांगी थी। लेखपाल को एंटी करप्शन की टीम ने कोतवाली नगर के उदया चौराहे के पास से रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया। जिसका मुकदमा कोतवाली नगर में दर्ज कराया गया है।

शार्ट न्यूज

बीएलएस इंटरनेशनल को स्लोवाकिया के लिए शेंजेन ग्लोबल वीजा आउटसोर्सिंग का ठेका मिला

नयी दिल्ली। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने 54 से अधिक कार्यालयों के साथ 18 देशों में स्लोवाकिया के लिए एक विशेष ग्लोबल वीजा आउटसोर्सिंग अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने आज यहां कहा कि एक्सक्लूसिव वीजा सेवाएं मुहैया कराने के मामले में बीएलएस इंटरनेशनल के अनुभव को देखते हुए इसे शेंजेन सदस्य देशों के साथ काम करने का मौका मिला है। इस नए अनुबंध के साथ, बीएलएस इंटरनेशनल को न केवल पर्यटक वीजा सेवाएं और बिजनेस वीजा सेवाएं बल्कि राष्ट्रीय वीजा सेवाओं की भी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी ताकि पर्यटन और इमिग्रेशन प्रक्रियाओं को सरल और आसाना बनाया जा सके ।यह अनुबंध बीएलएस इंटरनेशनल के शेंजेन देशों के पोर्टफोलियो में विस्तार है। कंपनी पहले से ही हंगरी, पुर्तगाल, पोलैंड, स्पेन, जर्मनी और इटली जैसे शेंजेन सदस्य देशों के साथ सहयोग करती रही है, जो वीजा और कांउसलर सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करती है। इस विशिष्ट समूह में स्लोवाकिया के शामिल होने से सरकारों और वीजा आवेदकों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में बीएलएस इंटरनेशनल की स्थिति और अधिक मजबूत हुई है।

वार्डविज़र्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल गुजरात में दो हजार करोड का करेगी निवेश

वड़ोदरा। जॉयई-बाईक ब्राण्ड के तहत इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड ने 2024 तक इलेक्ट्रिक व्हीकल एंसीलरी क्लस्टर के विकास के लिए गुजरात में दो हजार करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए राज्य सरकार के साथ करार किया है। कंपनी ने आज यहां बताया कि इस संबंध में एक करार पर हस्ताक्षर किये गये हैं। यह समझौता सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप राज्य में हरित परिवहन तथा इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के विकास को बढ़ावा देगा। समझौते के तहत वार्डविज़र्ड कई प्रमुख क्षेत्रों में 2000 करोड रुपये का निवेश करेगी। इसमें इलेक्ट्रिक दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों का अनुसंधान एवं विकास, वड़ोदरा युनिट में एक मोटर असेम्बली की स्थापना, लिथियम-आयन सैल उत्पादन, कच्चे माल के निर्माण के लिए एंसीलरीज़ का विकास शामिल है। इसके अलावा उम्मीद है कि इस पहल से राज्य में 5000 से अधिक नौकरियों के अवसर सृजित होंगे। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक यतिन गुप्ते ने कहा हम गुजरात सरकार से मिले सहयोग के लिए उनके आभारी हैं। सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप हमने इस साझेदारी को अंजाम दिया है। यह समझौता ज्ञापन इलेक्ट्रिक परिहवन एवं 'मेक-इन-इंडिया' पहल के लिए हमारी प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत बनाता है।

पीएनबी का मुनाफा 327 प्रतिशत उछला

नयी दिल्ली। सरकारी क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 1756.13 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 411.27 करोड़ रुपये की तुलना में 327 प्रतिशत अधिक है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल कुमार गोयल ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में वित्तीय परिणाम जारी करते हुये कहा कि विभिन्न मदों में प्रावधान में कमी आने से लाभ में बढोतरी हुयी है। उन्होंने कहा कि इस तिमाही में बैंक की कुल ब्याज आय 30.7 प्रतिशत बढ़कर 26354.92 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 20154.02 करोड़ रुपये रही थी। सितंबर तिमाही में शुद्ध ब्याज आय 9923 करोड़ रुपये रही है। उन्होंने कहा कि सितंबर तिमाही में बैंक का सकल एनपीए घटकर 6.96 प्रतिशत पर आ गया जबकि इससे पिछली तिमाही में यह 7.73 प्रतिशत पर रहा था और पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 10.48 प्रतिशत पर था। इसी तरह से शुद्ध एनपीए भी गिरकर 1.47 प्रतिशत पर आ गया जबकि पिछली तिमाही में यह 1.98 प्रतिशत पर और पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 3.8 प्रतिशत पर रहा था। गोयल ने कहा कि विभिन्न मदो के लिए 3444 करोड़ रुपये के प्रावधान किये गये हैं जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4906 करोड़ रुपये रहा था ।न

मोदी शुक्रवार को सातवें भारतीय मोबाइल कांग्रेस में जारी करेंगे 100 '5 जी ऐप लैब

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राजधानी में दूरसंचार उद्योग के प्रमुख सम्मेलन भारतीय मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी 2023) के सातवें संस्करण का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर वह देश भर के शैक्षणिक संस्थानों को 100 5जी यूज़ केस लैब्स का उपहार देंगे। आईएमसी 2023 तीन दिन चलेगा। दूरसंचार विभाग और सेल्यूलर सेवा कंपनियों के मंच सीओएआई के सहयोग से इसका आयोजन प्रगति मैदान में भारत मंडपम में किया जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए कहा कि 100 5जी लैब पहल का उद्देश्य सामाजिक आर्थिक क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 5जी अनुप्रयोगों को विकसित करना है। 100 5 प्रतिशत लैब्स पहल के तहत विकसित ये 5जी ऐप विकास प्रयोगशालाएं देश में 6जी-तैयार पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही हैं। बयान में कहा गया है , 100 5जी लैब पहल, 5जी अनुप्रयोगों के विकास को प्रोत्साहित करके 5जी तकनीक से जुड़े अवसरों को साकार करने का एक प्रयास है जो भारत की अनूठी जरूरतों के साथ-साथ वैश्विक मांगों को भी पूरा करता है।

बासमती निर्यात के न्यूनतम मूल्य को घटाया, केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय ने दी जानकारी

नई दिल्ली। बासमती चावल के निर्यात के लिए अनुबंध के पंजीकरण के लिए मूल्य सीमा को 1,200 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से संशोधित कर 950 अमेरिकी डॉलर प्रति टन करने का निर्णय लिया गया है। निर्यात संवर्धन निकाय एपीडा को भेजे एक पत्र केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय ने यह बात कही है। सरकार ने 27 अगस्त को प्रीमियम बासमती चावल की आड़ में सफेद गैर-बासमती चावल के संभावित अवैध शिपमेंट को प्रतिबंधित करने के लिए 1,200 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से नीचे बासमती चावल के निर्यात की अनुमति नहीं देने का फैसला किया। हाल ही में खाद्य मंत्रालय ने कहा था कि सरकार फ्लोर प्राइस कम करने की उद्योग की मांग पर विचार कर रही है। सरकार ने इस चिंता के बीच बासमती चावल निर्यात के लिए न्यूनतम मूल्य 1,200 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से घटाकर 950 अमेरिकी डॉलर प्रति टन कर दिया है कि ऊंची कीमतें बाहरी शिपमेंट को प्रभावित कर रही हैं।

चीन जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा के लिए 12-12 घंटे काम करना जरूरी

नई दिल्ली। इन्फोसिस के सह-संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति चाहते हैं कि युवा दिन में 12 घंटे काम करें ताकि भारत उन अर्थव्यवस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्धा कर सके जिन्होंने पिछले दो से तीन दशकों में जबरदस्त प्रगति की है। मूर्ति ने कहा है कि भारत की कार्य उत्पादकता दुनिया में सबसे कम है और चीन जैसे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए देश के युवाओं को अतिरिक्त घंटे काम करना चाहिए जैसा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान और जर्मनी ने किया था। इन्फोसिस के पूर्व सीएफओ मोहनदास पई से पॉडकास्ट %द रिकॉर्ड% के लिए बात करते हुए मूर्ति ने ये बातें कही हैं। उन्होंने कहा, जब तक हम अपनी कार्य उत्पादकता में सुधार नहीं करते हैं, जब तक हम एक स्तर पर सरकार में भ्रष्टाचार को कम नहीं करते हैं- हम एसा पढ़ते रहे हैं, मुझे इसकी सच्चाई नहीं पता है, जब तक हम निर्णय लेने में अपनी नौकरशाही की देरी को कम नहीं करते हैं, हम उन देशों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे जिन्होंने जबरदस्त प्रगति की है। उन्होंने कहा, इसलिए मेरा अनुरोध है कि हमारे युवाओं को कहना चाहिए, यह मेरा देश है। मैं सप्ताह में 70 घंटे काम करना चाहता हूं। मूर्ति ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मन और जापानियों ने यही किया है। उदारीकरण से पहले भारत में इन्फोसिस की स्थापना कर उसे देश दूसरा बसे बड़ा सॉफ्टवेयर निर्यातक बनाने वाले मूर्ति ने आगे कहा कि हर सरकार लोगों की संस्कृति जितनी अच्छी होती है।

800 क्लाइमेट रेजिलिएंट फसलों पर टिकी कृषि क्षेत्र की निगाह

नयी दिल्ली। बढ़ते तापमान के कारण खेती में संसाधनों की जरूरत और खपत बढ़ी है। इसे देखते हुए ग्लोबल साउथ के देशों को ऐसे कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ा है, जिनसे कृषि क्षेत्र इस चुनौती से निपटने में सक्षम हो सके। यद्यपि पर्यावरण की बदलती परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रभावी ब्लूप्रिंट तैयार किए गए हैं, लेकिन मौसम के पैटर्न में तेजी से बदलाव ने फसल चक्र को पलट दिया है। इससे किसानों की पैदावार और आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

भारतीय कृषि क्षेत्र भी इन बदलावों से अछूता नहीं है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने जलवायु पैटर्न में बदलाव का सामना करने के लिए 800 से अधिक क्लाइमेट रेजिलिएंट किस्में विकसित की हैं। हालांकि केवल किस्में विकसित करना ही पर्याप्त नहीं है। इस संबंध में अधिक जागरूकता पैदा करने और इनकी आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पक्षों को साथ आने की जरूरत है।

इस सेक्टर को सरलता से आधुनिक प्रक्रियाएं अपनाने में मदद करने को लेकर क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के प्रबंध निदेशक अंकुर अग्रवाल कहते हैं कि कंपनी का प्रयास हमेशा यह सुनिश्चित करना रहा है कि भारतीय किसान पैदावार बढ़ाने की राह में कभी संसाधनों की कमी से परेशान न हों। उन्होंने कहा, भारतीय कृषि क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के रूप में एक तूफान का सामना कर रहा है। हम खाद्य सुरक्षा पर स्थायी प्रभाव डालने वाले इस पर्यावरणीय बदलाव से निपटने के लिए नवीनतम आधुनिक प्रक्रियाएं अपनाने में मदद करने की जरूरत को समझते हैं। भारत मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान देश है और कृषक समुदाय देश की आर्थिक विकास की क्षमता का आधार है। हमारी कंपनी ने हमेशा ऐसे प्रोडक्ट्स एवं सॉल्यूशंस तैयार करने का प्रयास किया है, जो किसानों को उत्पादन एवं आय बढ़ाने में मदद करेंगे और उन्हें जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाएंगे। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव का सामना करने के लिए एक संवेदनशील और उचित वैज्ञानिक तंत्र विकसित करने की आवश्यकता ने कंपनियों को किसानों के लिए लीक से हटकर समाधान पेश करने के वास्ते बाध्य किया है। जलवायु परिवर्तन अब एक कठोर सच्चाई है, इससे निपटने के लिए एक ठोस दृष्टिकोण समय की मांग है। इसे देखते हुए कंपनियां अस्तित्व की इस लड़ाई में कृषि क्षेत्र की किस प्रकार सहायता करना चाह रही हैं। होंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के महाप्रबंधक (बिजनेस स्ट्रेटजी एंड डेवलपमेंट) मोहित कुमार सिंह ने कहा, हम किसी भी तरह कृषि क्षेत्र पर पड़ रहे जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव से इनकार नहीं कर सकते। भारतीय कृषि क्षेत्र ने हमेशा लचीलापन (रेजिलिएंस) दिखाया है और हम पिछले 38 वर्षों से इसकी विकास यात्रा में एक गौरवशाली भागीदार रहे हैं। भारतीय कृषि उद्योग की उत्पादकता एवं दक्षता बढ़ाने के लिए कृषि मशीनीकरण को अपनाना जरूरी है। होंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट्स भारत में कृषि मशीनीकरण के महत्व को समझता है। साथ ही हम छोटी जोत की चुनौतियों को भी पहचानते हैं। इन चुनौतियों से निपटने में छोटे और सीमांत किसानों की मदद के लिए एचआईपीपी ने उपयुक्त उपकरणों की एक रेंज तैयार की है। इनमें पोर्टेबल वॉटर पंप से लेकर पावर टिलर, ब्रश कटर, स्टेशनरी और बैक स्प्रेयर तक कई उत्पाद हैं, जो होंडा की क्वालिटी के साथ बेजोड़ पोर्टेबिलिटी और स्टेबिलिटी प्रदान करते हैं। होंडा जीएक्स इंजन के साथ इन उपकरणों को कठिन परिस्थितियों में काम करने, कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए विश्वसनीय सेवा प्रदान करने और किसानों को सशक्त बनाने के लिए तैयार किया गया है।

किसानों द्वारा मशीनीकरण को अपनाने की प्रक्रिया पर सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों, भौगोलिक स्थितियों और पूंजी की आवश्यकता जैसे विभिन्न कारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए इस प्रक्रिया में ऋणदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। क्लिक्स कैपिटल के सीईओ राकेश कौल ने कहा, जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में प्रयास अब वैश्विक स्तर पर एक क्रॉस-पॉलिसी एजेंडा बन गया है। इसे देखते हुए हमारे प्रयास सस्टेनेबल एवं ग्रीन लैंडिंग को आगे बढ़ाने के अनुकूल हैं। हमारी इम्पैक्ट फंड रेजिंग एक्टिविटी से जलवायु परिवर्तन से लड़ने की हमारी प्रतिबद्धता को समझा जा सकता है। हम सस्टेनेबिलिटी बिजनेस में संबंधित पक्षों के साथ साझेदारी करने के इच्छुक हैं ताकि उन्हें निर्बाध और अफॉर्डेबल लेंडिंग सॉल्यूशंस तक पहुंच प्रदान करते हुए जलवायु परिवर्तन से लड़ने में सहायता कर सकें।

अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में तेजी से डूबा बाजार

मुंबई। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड के ग्यारह आधार अंक बढ़कर पांच प्रतिशत के करीब पहुंचने से फेड रिजर्व के ब्याज की दर को आगे भी उच्च स्तर पर बनाये रखने की आशंका में विश्व बाजार में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से आज शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन हाहाकार रहा।

इसके अलावा टेक महिंद्रा के शुद्ध लाभ में पिछले सोलह साल में सबसे बड़ी गिरावट ने भी बाजार पर दबाव बनया।

इससे बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 900.91 अंक अर्थात 1.41 प्रतिशत का गोता लगाकार चार महीने बाद 64 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 63148.15 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 264.90 अंक यानी 1.39 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 19 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 18857.25 अंक रहा गया।

इसी तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों पर भी बिकवाली हावी रही। मिडकैप 1.06 प्रतिशत लुढ़ककर 30,591.65 अंक और स्मॉलकैप 0.32 प्रतिशत टूटकर 36,205.34 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई में कुल 3800 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2235 में गिरावट जबकि 1422 में तेजी रही वहीं 143 में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी की 46 कंपनियां लाल जबकि शेष चार हरे निशान पर रही।

बीएसई में पावर और यूटिलिटीज समूह की 0.35 प्रतिशत तक की बढ़त को छोड़कर शेष 18 समूहों में 1.81 प्रतिशत तक की गिरावट रही। इस दौरान कमोडिटीज 1.18, सीडी 1.41, ऊर्जा 1.43, एफएमसीजी 0.38, वित्तीय सेवाएं 1.46, हेल्थकेयर 1.24, इंडस्ट्रियल्स 0.86, आईटी 0.83, दूरसंचार 1.25, ऑटो 1.81, बैंकिंग 1.00, कैपिटल गुड्स 1.04, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.41, धातु 1.54, तेल एवं गैस 1.54, रियल्टी 1.22, टेक 1.16 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.78 प्रतिशत लुढ़क गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.46, जर्मनी का डैक्स 1.14, जापान का निक्केई 2.14 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.24 प्रतिशत टूट गया जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.48 प्रतिशत की बढ़त रही।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 275 अंक की गिरावट के साथ 63,774.16 अंक पर खुला और यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा।

वहीं, बिकवाली होने से यह लगातार गिरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 63,092.98 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 64,049.06 अंक के मुकाबले 1.41 प्रतिशत का गोता लगाकर 63,148.15 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी 95 अंक टूटकर 19,027.25 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,041.70 अंक के उच्चतम जबकि 18,837.85 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,122.15 अंक की तुलना में 1.39 प्रतिशत लुढ़ककर 18,857.25 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की गिरावट पर रही 25 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सबसे अधिक 4.06 प्रतिशत का नुकसान उठाया। साथ ही बजाज फाइनेंस 3.54, एशियन पेंट 3.36, बजाज फिनसर्व 3.16, नेस्ले इंडिया 2.81, टाइटन 2.76, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.59, टेक महिंद्रा 2.25, एचडीएफसी बैंक 2.21, कोटक बैंक 2.00, मारुति 1.93, टाटा मोटर्स 1.79, एलटी 1.78, एसबीआई 1.65, टीसीएस 1.54, रिलायंस 1.41, टाटा स्टील 1.19, आईसीआईसीआई बैंक 0.75 और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर भी 0.10 प्रतिशत टूटे।

वहीं, एक्सिस बैंक 1.74, आईटीसी 0.35, एचसीएल टेक 0.20, इंडसइंड बैंक 0.10 और एनटीपीसी ने 0.09 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

हैमर ने लाँच की तीन नई स्मार्टवॉच

नयी दिल्ली। हैमर ने आज अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुये तीन नयी स्मार्टवॉच कॉन्कर, पोलर और अल्ट्रा क्लासिक लाँच करने की घोषणा की।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ये स्मार्टवॉच उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक, सुरुचिपूर्ण डिजाइन और असाधारण कार्यक्षमता को जोड़ती हैं। त्यौहार के सीज़न से पहले, हैमर अपने अत्याधुनिक उत्पाद लाइन-अप के साथ स्मार्टवॉच श्रेणी पर कब्ज़ा करने पर नज़र गड़ाए हुए है।

उसने कहा कि कॉन्कर स्मार्टवॉच में अत्याधुनिक 2.02 इंच फुल टच स्क्रीन है, जो स्पष्ट दृश्य और आसान नेविगेशन सुनिश्चित करती है। अतिरिक्त मुफ़्त स्ट्रैप के साथ आता है और ब्लूटूथ संस्करण 5.2 से सुसज्जित यह स्मार्टफोन निर्बाध बीटी कॉलिंग प्रदान करता है। इसके प्रीमियम बिल्ड में त्वचा के अनुकूल पट्टियाँ हैं और आईपी 67 जल प्रतिरोधी डिज़ाइन स्थायित्व को बढ़ाता है। कॉन्कर हृदयगति, रक्तचाप, एसपीओ2, तनाव और नींद की निगरानी सहित व्यापक स्वास्थ्य ट्रैकिंग प्रदान करता है। 100 से अधिक स्पोर्ट्स मोड और इन-बिल्ट गेम्स के साथ, यह एक फिटनेस और मनोरंजन साथी है। इसकी कीमत 2999 रुपये है।

पोलर में 2.01 इंच का आईपीएस ऑलवेज-ऑन डिस्प्ले है। ब्लूटूथ वी 5.0 से सुसज्जित, यह घड़ी से सीधे निर्बाध कॉलिंग, वॉल्यूम नियंत्रण और डायल पैड एक्सेस को सक्षम बनाता है। यह स्मार्टवॉच कार्यक्षमता के साथ सुंदरता को जोड़ती है, इसमें एक आकर्षक डिज़ाइन, कार्यात्मक क्राउन बटन और अलग करने योग्य पट्टियाँ हैं। इसकी स्वास्थ्य निगरानी क्षमताओं में हृदय गति ट्रैकिंग, रक्त ऑक्सीजन स्तर माप, रक्तचाप निगरानी और निर्देशित श्वास प्रशिक्षण शामिल हैं। विभिन्न प्रकार के अंतर्निहित खेल मोड, एक डिजिटल कोच और वॉयस असिस्टेंट समर्थन के साथ पोलर सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करता है। यह पासवर्ड सुरक्षा, संगीत और कैमरा नियंत्रण तथा 24 भाषाओं के लिए समर्थन जैसी सुविधाएँ भी प्रदान करता है। इसकी कीमत 1799 रुपये है।

सेंट बोटानिका का नया अभियान होगा शुरु

नयी दिल्ली। डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डी2सी) ब्यूटी ब्रांड और दक्षिण एशिया के सबसे बड़े ब्यूटी एंड पर्सनल केयर समूह गुड ग्लैम ग्रुप की इकाई सेंट बोटानिका ने अपनी ब्रांड एंबेसडर करीना कपूर ख़ान के साथ एक नया अभियान शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि नई हेयर केयर रेंज मोरक्कन आर्गेन हेयर केयर के लिये नया अभियान शुरू किया गया है जिसमें सैल्फ-केयर प्रोडक्ट्स तैयार करने में दुनियाभर के बेहतरीन इनग्रेडिएंट्स के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। उसने कहा कि मोरक्को से मंगाये गये आर्गन ऑयल युक्त मिश्रणों की रेंज के इस अभियान में सेंट बोटानिका के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डाला गया है। गुड ग्लैम ग्रुप की गुड ब्रांड्स सीईओ सुखलीन अनेजा ने कहा, सेंट बोटानिका में हमारा मेन फ़ोकस और कमिटमेंट अपने प्रोडक्ट्स में दुनिया की बेहतरीन सामग्रियों का उपयोग करने पर है। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे उपभोक्ता अपने हेयर-केयर के मामले में बेमिसाल क्वालिटी और लक्ज़री का अनुभव करें। करीना कपूर ख़ान के साथ हमारे लेटेस्ट डीवीसी और साझेदारी से सेंट बोटेनिका की फिलासफ़ी और बेहतरीन सैल्फ-केयर प्रदान करने के हमारे समर्पण को मज़बूती मिलती है।

केनरा बैंक का मुनाफा 43 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 3606 करोड़ रुपये का शुद्ध एकल लाभ अर्जित किया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 2525.5 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 42.8 प्रतिशत अधिक है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के सत्यनारायण राजू ने आज निदेशक मंडल की बैठक के बाद एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में तिमाही वित्तीय लेखा जोखा पेश किया। उन्होंने कहा कि सितंबर में समाप्त इस तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय 8903 करोड़ रुपये रही है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की 7433.8 करोड़ रुपये की आय की तुलना में 19.8 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि बैंक का सकल एनपीए सितंबर तिमाही में घटकर 4.76 प्रतिशत पर आ गया जबकि इससे पिछले तिमाही में यह 5.15 प्रतिशत पर और सितंबर 2022 की तिमाही में यह 6.37 प्रतिशत रहा था। इसी तरह से शुद्ध एनपीए भी सितंबर 2023 की तिमाही में 78 आधार अंक कम होकर 1.41 प्रतिशत पर आ गया।

एसपीडीए ने अपने ब्रांड को दी नई पहचान

नयी दिल्ली। नवीकरणीय उर्जा को बढ़ावा देने वाले स्वतन्त्र संगठन एसपीडीए ने अपने ब्रांड को 'सस्टेनेबल प्रोजेक्ट्स डेवलपर्स एसोसिएशन' के रूप में नई पहचान दी है।

ब्रांड की यह नई पहचान नवीकरणीय उर्जा के डेवलपर से आगे बढ़कर विकार्बोनीकरण स्पैक्ट्रम में आधुनिक समाधान प्रदाता के रूप में संगठन के बदलाव के अनुरूप है। स्वच्छ उर्जा प्रणाली पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एसपीडीए- सस्टेनेबल प्रोजेक्ट्स डेवलपर्स एसोसिएशन उभरते विकार्बोनीकरण समाधानों जैसे हरित हाइड्रोजन एवं इसके व्युत्पन्न, पवन, सौर, हाइब्रिड समाधान, उर्जा संग्रहण जैसे पम्प्ड स्टोरेज एवं बैटरी, कार्बन मार्केट, सोलर मोड्यूल निर्माण एवं इलेक्ट्रोलाइज़र के निर्माण में अग्रणी रहा है। अब उर्जा रूपान्तरण से जुड़े मुद्दों पर नीतियों, चर्चाओं एवं आम सहमति को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। एसोसिएशन हरित उर्जा की तरफ बदलाव को गति प्रदान करने और अपनी आउटरीच का लाभ उठाने में अग्रणी रहा है। साथ ही भारत में नवीकरणीय उर्जा एवं हरित ईंधन परियोजनाओं के लिए निवेश और नीतिगत सहयोग भी प्रदान करता रहा है। एसपीडीए की नई पहचान हरित सेवा क्षेत्र में इसकी स्थिति को और अधिक मजबूत बनाएगी तथा इसे विश्वस्तरीय संगठन के रूप में स्थापित कर विकार्बोनीकरण की दिशा में भारत के नेतृत्व को प्रोत्साहित करेगी।

इस अवसर पर एसपीडीए के महानिदेशक एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल शेखर दत्त ने कहा, एसपीडीए का उद्देश्य देश में उर्जा रूपान्तरण में सक्रिय कंपनियों को एक निष्पक्ष मंच प्रदान करना और उनकी आवाज़ बनना है। यह नई पहचान एसपीडीए की विश्वस्तरीय पहुंच को बढ़ाने में कारगर होगी, जहां स्वच्छ उर्जा की दिशा में बदलाव सरकारों का नया मंत्र बन गया है। एसपीडीए भावी उर्जा के संदर्भ में विकार्बोनीकरण को समर्थन प्रदान करेगा।

संगठन के अध्यक्ष एवं अवादा ग्रुप के अध्यक्ष विनीत मित्तल ने कहा, जलवायु परिर्वन की समस्या को हल करना जल्द से जल्द ज़रूरी है। दुनिया भर की सरकारें एवं कारोबार सभी के लिए समृद्धि एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अधिक स्थायी दृष्टिकोण अपना रहे हैं। नवीकरणीय उर्जा, हरित हाइड्रोजन और इसके व्युत्पन्न जीवाश्म ईंधन के भावी विकल्प बन गए हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में विकार्बोनीकरण को गति प्रदान कर रहे हैं। नवीकरणीय उर्जा और कुशल मैनपाववर की दृष्टि से भारत के पास अपार क्षमता है, ऐसे में भारत दुनिया की हरित हाइड्रोजन एवं इसके व्युत्पन्नों की बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। एसपीडीए की नई पहचान कार्बन-न्यूट्रल दुनिया की दिशा में हमारी उल्लेखनीय उपलब्धि है। हम देश-विदेश में भारतीय डेवलपर्स की पहुंच बढ़ाकर विकार्बोनीकरण के लक्ष्यों में योगदान देने के लिए तत्पर हैं। एसपीडीए प्रभावी नीतिगत बदलावों के साथ अपने नेटवर्किंग क्षमता का लाभ उठाकर इसी दिशा में प्रयासरत है।

लुब्रिज़ोल और ग्रासिम इंडस्ट्रीज ने सीपीवीसी रेजिन प्लांट की रखी आधारशिला

मुंबई। विशेष रसायन क्षेत्र की कंपनी लुब्रिजोल और आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आज गुजरात के विलायत में 100,000 टन सीपीवीसी रेजिन प्लांट के पहले चरण की आधारशिला रखी।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज की साइट पर स्थित सुविधा विश्व स्तर पर सीपीवीसी रेजिन उत्पादन के लिए सबसे बड़ी एकल-साइट क्षमता होगी, जिसे भारत के साथ-साथ नेपाल, बंगलादेश और इंडोनेशिया जैसे पड़ोसी देशों में पाइपिंग अनुप्रयोगों के लिए बढ़ती सीपीवीसी मांग को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

यह रेज़िन प्लांट लुब्रिज़ोल की सबसे उन्नत सीपीवीसी रेज़िन निर्माण तकनीक का उपयोग करेगा। यह तकनीक, विश्वसनीय विनिर्माण में ग्रासिम की विशेषज्ञता के साथ मिलकर, उच्च गुणवत्ता वाली, स्थानीय रूप से निर्मित सीपीवीसी सामग्री तक पहुंच को सक्षम बनाएगी।

रेजिन साइट के अलावा, लुब्रीज़ोल अपने दाहेज संयंत्र में अपनी मौजूदा सीपीवीसी कंपाउंड निर्माण क्षमता को 70,000 टन से दोगुना करके 140,000 टन कर रहा है।

ये परियोजनाएं लुब्रिज़ोल को इस क्षेत्र में सबसे बड़ा उत्पादक और एंड-टू-एंड सीपीवीसी क्षमता वाली एकमात्र कंपनी के रूप में आगे बढ़ाती हैं, जिससे लुब्रिज़ोल के भागीदारों को भारत के बाजार में सीपीवीसी मांग में अनुमानित 10-12 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि को पूरा करने की अनुमति मिलती है। लुब्रीज़ोल भारत के बाजार की तेजी से बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी दहेज साइट पर एक अनुसंधान और विकास केंद्र की भी योजना बना रहा है।

विलायत में रेजिन साइट का पहला चरण, साथ ही दहेज में अतिरिक्त लाइन, 2025 की शुरुआत तक चालू होने की उम्मीद है। विलायत में आगामी परियोजना और दहेज प्लांट के विस्तार के साथ, लुब्रीज़ोल से 4,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

मिआ बाय तनिष्क का राजधानी में विस्तार

नयी दिल्ली। फैशनेबल ज्वेलरी ब्रांड मिआ बाय तनिष्क ने राजधानी दिल्ली में अपना विस्तार करते हुये पूर्वी दिल्ली में अपना नया स्टोर शुरू किया है। कंपनी ने आज यहां कहा कि नए स्टोर में 14 और 18 कैरेट सोने में बने ट्रेंडी और आधुनिक ज्वेलरी डिज़ाइन्स की विशाल श्रेणी यहां उपलब्ध कराई गयी है। आकर्षक रंगों के कलर स्टोन्स, चमकदार सोने, हीरे और चांदी से बने मिआ के सबसे शानदार, आधुनिक और बेहद खूबसूरत आभूषण इस स्टोर में ख़रीदे जा सकते हैं। अलग-अलग उपभोक्ताओं की अलग-अलग पसंद और ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए, स्टड्स, अं

शार्ट न्यूज

झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : भारत की नजर दूसरे खिताब पर

रांची। झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 के पहले मैच में भारतीय टीम 27 अक्टूबर को थाईलैंड को चुनौती देने को तैयार है। दस दिवसीय चैंपियनशिप में भारत घरेलू दर्शकों की मौजूदगी में दूसरी बार ट्राफी पर कब्जा करने की पूरी कोशिश करेगी मगर उसके रास्ते में एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक विजेता चीन और गत चैंपियन जापान बाधा बन कर खड़े है जिससे निपटना भारतीय लडकियों के लिये आसान नहीं होगा। प्रतियोगिता में भारत के अलावा चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड समेत कुल छह टीमें हिस्सा लेंगी। इन छह टीमां के बीच मुकाबले राउंड रॉबिन आधार से खेले जायेंगे जिनमें शीर्ष चार टीमे सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। भारतीय कप्तान सविता ने कहा इस तरह के टूर्नामेंटों में, किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। हम इन मैचों का इंतजार कर रहे हैं। बेशक, हम हर मैच जीतना चाहते हैं और यहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं, पेरिस 2024 ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी कर रहे हैं, जिसकी मेजबानी रांची में भी की जाएगी। मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने कहा, ओलंपिक क्वालीफायर से पहले इन मैचों को खेलना एक शानदार अवसर है। यह हमें अन्य टीमों का आकलन करने में मदद करेगा। टूर्नामेंट में भारत का अभियान शुक्रवार को थाईलैंड के खिलाफ मैच से शुरू होगा, उसके बाद शनिवार, 28 अक्टूबर, को मलेशिया के साथ भिड़ंत होगी।

जोकोविच और अल्कारेज ताज के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे

पेरिस । टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कारेज के बीच नंबर वन के ताज की दौड़ जारी है और इसको लेकर दोनों खिलाड़ियों ने सीजन का अंत एटीपी फाइनल से पहले साल के अंतिम एटीपी मास्टर्स 1000 स्पर्धा, रोलेक्स पेरिस मास्टर्स में प्रतिस्पर्धा करने की अपनी योजना की पुष्टि की है। विंबलडन चैंपियन अल्कारेज ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के साथ अपने प्रशंसकों और लगातार दूसरे वर्ष के अंत में नंबर वन ताज हासिल करने की अपनी चाहत को लेकर अपने अभ्यास कोर्ट और ट्रीटमेंट टेबल पर अपनी तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, मेरे पास अच्छी खबर है! मैं हर दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं और मैं पेरिस-बर्सी खेलूंगा और एटीपी फाइनल के लिए ट्यूरिन में रहूंगा! उन्होंने कहा, वर्ष को उच्चतम स्तर पर समाप्त करने के लिए उत्साहित हूँ। अल्कराज का एटीपी फाइनल्स में पदार्पण करना तय है क्योंकि पिछले वर्ष पेरिस-बर्सी में लगी चोट के कारण उन्हें चैम्पियनशिप से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा था। वहीं जोकोविच भी पिछले साल (फाइनल में) पेरिस में रूण से हार गए थे और वह 2023 में शीर्ष पर रहने की अपनी खोज में एकोर एरेना में सातवें खिताब के लिए प्रयास करेंगे। वर्ष को रिकॉर्ड आठवीं बार नंबर वन के रूप में समाप्त करने का प्रयास कर रहे। उन्होंने ने यूएस ओपन जीतने के लिए डेनियल मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराने के बाद से केवल दो मैच खेले हैं।

खेल विज्ञान पर राष्ट्रीय कांफ्रेंस 14 से 15 दिसम्बर तक दिल्ली में होगी

नयी दिल्ली। खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन संस्था फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) के द्वारा खेल विज्ञान पर राष्ट्रीय स्तर की सातवीं कॉन्फ्रेंस का आयोजन 14 से 15 दिसंबर को प्रगति मैदान में स्पोर्ट्स इंडिया 2023 के साथ किया जायेगा। आज यहां पेफी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कांफ्रेंस की पत्रिका का लोकार्पण कुश्ती जगत के विख्यात खिलाड़ी अर्जुन एवं द्रोणाचार्य अवार्डी संदीप मान और अर्जुन अवार्डी राजीव तोमर ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. पीयूष जैन ने बताया की हर वर्ष की भांति पेफी के द्वारा इस कांफ्रेंस का आयोजन प्रगति मैदान में स्पोर्ट्स इंडिया 2023 के साथ मिलकर किया जा रहा है जिसमें देश भर से खेल विज्ञानी, देश में खेलों के विकास में विज्ञान का योगदान पर चर्चा करेंगे और नई-नई रिसर्च फाइंडिंग के बारे में खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों और शारीरिक शिक्षकों को जागृत किया जाएगा जिससे वह अपने खिलाड़ियों की परफॉरमेंस बड़ा कर उन्हें मैडल के लिए तैयार कर सकें। उन्होंने बताया की पूरे विश्व में खेल विज्ञान के क्षेत्र में क्रान्ति हुई है जिसका फायदा खिलाड़ियों को मिल रहा है इसीलिए विकसित देश हमसे अधिक मैडल ला रहे है, अब हमारे देश में भी इस तरह की गतिविधियों की भी जरूरत है जिससे हमारे खिलाड़ी और अधिक मैडल ला सकें और निश्चित रूप से यह कांफ्रेंस खेल विज्ञान के जगत में एक मील का पत्थर साबित होगी।

पेनकैक सिलाट और स्क्वे राष्ट्रीय खेलों में पदार्पण को तैयार

पणजी। देश में मार्शल आर्ट के प्रति बढ़ती दिलचस्पी के बीच जम्मू-कश्मीर में बेहद लोकप्रिय मार्शल आर्ट के दो रूप पेनकैक सिलाट और स्क्वे राष्ट्रीय खेलों में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। गोवा में 37वें राष्ट्रीय खेलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भी दिखाई दे रहा है। स्क्वे को कश्मीरी पारंपरिक मार्शल आर्ट के रूप में जाना जाता है और इसका अभ्यास तब से किया जाता है जब मनुष्यों को नियमित रूप से जंगली जानवरों से अपनी रक्षा करने की आवश्यकता होती है। ऐसा कहा जाता है कि बहुत पहले दिया देव नाम के एक राजा ने एक ऐसी सेना स्थापित करने के निर्देश दिए थे जो विशेष रूप से स्क्वे में कुशल हो। मार्शल आर्ट्स गोवा स्काय एसोसिएशन के अध्यक्ष सिद्धेश श्रीपद नाइक ने कहा, यह हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है कि स्काय को पहली बार राष्ट्रीय खेलों में शामिल किया गया है। हमारे महासंघ में लगभग 23 राज्यों के खिलाड़ी शामिल हैं, वे सभी इसमें भाग ले रहे हैं। 37वें राष्ट्रीय खेलों में गोवा के पदक जीतने की संभावनाओं पर उन्होंने कहा, यह खेल गोवा में भी पिछले 20 सालों से खेला जा रहा है. हमारे खिलाड़ी और कोच भी लंबे समय से इससे जुड़े हुए हैं। मार्शल आर्ट इवेंट पेनकैक सिलाट की शुरुआत इंडोनेशिया में हुई लेकिन यह जम्मू और कश्मीर में बहुत लोकप्रिय हो गया है। उन्होने बताया कि यह एक लड़ाकू, गैर-आक्रामक मार्शल खेल है जिसमें सामूहिक रूप से इंडोनेशिया से उत्पन्न मार्शल आर्ट की विभिन्न शैलियों को शामिल किया गया है। लड़ाई के इस रूप में हमला करना, हाथापाई की तकनीक और फेंकना शामिल है।

प्रधानमंत्री ने एशियाई पैरा खेलों में बुधवार को पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को दी बधाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन के हांगझोउ में एशियाई पैरा खेल-2022 में बुधवार को पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई श्रृंखलाबद्ध पोस्ट के जरिए एशियाई पैरा खेलों में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन के हांगझोऊ में आयोजित पैरा खेल 2022 में बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर वैष्णवी पुनयानी को बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया,एशियाई पैरा खेलों में बैडमिंटन महिला एकल में कांस्य पदक जीतने पर वैष्णवी पुनियानी को बधाई। यह उत्कृष्ट उपलब्धि उनकी प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के बारे में बहुत कुछ कहती है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन के हांगझोऊ में आयोजित एशियाई पैरा खेल 2022 में महिलाओं की लंबी कूद टी47 फाइनल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर निमिषा को बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, एशियाई पैरा खेलों में महिलाओं की लंबी कूद टी47 फाइनल स्पर्धा में स्वर्णिम जीत पर निमिषा को बहुत-बहुत बधाई। यह जीत हमें गर्व और प्रेरणा से भर देती है। उनके आगामी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन के हांगजाओ में एशियाई पैरा खेल 2022 में शॉटपुट एफ-56/57 श्रेणी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर होटोजे डेना होकाटो को बधाई दी है।

श्रीलंका ने इंग्लैंड को पहले गेंद और फिर बल्ले से पीटा

बेंगलुरू। श्रीलंका ने आईसीसी विश्व कप 2023 के 25वें मुकाबले में गुरुवार को पहले बेहतरीन गेंदबाजी और फिर निसंका नाबाद 77 और सदीरा समराविक्रमा नाबाद 65 रन की बदौलत इंग्लैंड को आठ विकेट से हरा दिया है।

बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आज यहां पहले बल्लेबाजी उतरी इंग्लैंड को श्रीलंका ने बेहतरीन गेंदबाजी की करते हुए विश्वकप के सबसे कम चौथे स्कोर पर पूरी टीम को 33.2 ओवर में 156 रन पर समेट दिया। उसके 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका ने सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका नाबाद 77 रन और चौथे नंबर के बल्लेबाज सदीरा समराविक्रमा नाबाद 65 रनों की बदौलत इंग्लैंड को आठ विकेट से हरा दिया।

श्रीलंका को पहला झटका कुसल परेरा चार रन के रूप में दूसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर लगा। परेरा को विली की गेंद पर स्टोक्स ने कैच आउट किया। छठें ओवर की दूसरी गेंद पर कप्तान कुसल मेंडिस 11 रन को विली ने बटलर के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सदीरा समराविक्रमा ने सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका के साथ संभल कर बल्लेबाजी करते हुए 137 रनों की साझेदारी करते हुए श्रीलंका को 25.4 ओवर में 160 रन बनाकर जीत दिला दी। इंग्लैंड की विश्वकप के पांच मैचों में यह चौथी हार है और उसका

सेमीफाइनल में पहुंचना बेहद मुश्किल है।

इंग्लैंड की ओर से डेविड विली ने 30 रन देकर दो विकेट लिये। इसके अलावा इंग्लैंड कोई भी गेंदबाज श्रीलंका के बल्लेबाजों को प्रभावित नहीं कर सका। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की जॉनी बेयरस्टो और डेविड मलान सलामी जोड़ी ने टीम को अच्छी शुरुआत देने की कोशिश की। इस दौरान सातवें ओवर की तीसरी गेंद पर मैथ्यूज ने डेविड मलान को 28 रन पर मैंडिज के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। उसके बाद 10वें ओवर में जो रूट तीन रन पर रन आउट होकर पवेलियन लौट गये। 14वें ओवर में इंग्लैंड को तीसरा झटका उस समय लगा जब जॉनी बेयरस्टो 30 रन को रजिता ने धनंजय के हाथों कैच आउट करा दिया। बेन स्टोक्स 43 रन ने कुछ समय तक संघर्ष किया। लेकिन कुमारा ने उन्हें हेमंता हाथों कैच आउट करा दिया। स्टोक्स ने टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाये।

इसके आलवा मोईन अली 15 रन और डेविड विली 14 रन बनाकर नाबाद रहे। शेष छह खिलाड़ी दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच सके। इंग्लैंड की पूरी टीम को 33.2 ओवर में 156 रन का शर्मनाक स्कोर कर पूरी टीम पवेलियन लौट गई। इसी के साथ ही इंग्लैंड ने एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। वर्ल्ड कप में सबसे कम स्कोर पर ऑल आउट होने वाली इंग्लैंड चौथी टीम बन गई है।

श्रीलंका की ओर से लाहिरू कुमारा ने तीन विकेट लिये। वहीं एंजलो मैथ्यूज और कसुन रजिता को दो-दो विकेट मिले। महीश तीक्ष्णा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

जूनियर विश्व कप से पहले जोहोर कप भारत के लिये लिटमस टेस्ट

मलेशिया। मलेशिया के जोहोर में शुक्रवार से शुरु होने वाला 11वां सुल्तान जोहोर कप 2023 भारत के लिये जूनियर विश्व कप की तैयारियों को परखने का अंतिम अवसर होगा। भारत उदघाटन मैच में अपने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से शुक्रवार को भिड़ेगा। सुल्तान जोहोर कप में इस बार छह की बजाय आठ टीमें शिरकत कर रही हैं। भारत को पूल बी में मलेशिया, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है, वहीं पूल ए में जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और ग्रेट ब्रिटेन होंगे।

पिछली बार भारत ने खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को 2-1 से हराया था। 28 अक्टूबर को भारत का सामना मलेशिया से होगा, जिसके बाद ग्रुप चरण के समापन मैच में 30 अक्टूबर को भारतीय टीम न्यूजीलैंड का सामना करेगी। सेमीफाइनल में प्रवेश के लिये भारत को पूल बी में शीर्ष -2 में स्थान सुनिश्चित करना होगा। भारतीय कप्तान उत्तम सिंह ने कहा हमारा लक्ष्य पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ फाइनल तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखना है। टीम में सभी ने इस स्तर तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है और हम अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमताओं के अनुसार हर एक मैच में गेम प्लान को क्रियान्वित करने की कोशिश करेंगे।

बिलासपुर में 77वीं पुरुष एवं 76वीं महिला अखिल भारतीय रेलवे बॉक्सिंग प्रतियोगिता 27 अक्टूबर से

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 77वीं पुरुष और 76वीं महिला अखिल भारतीय रेलवे बॉक्सिंग प्रतियोगिता शुक्रवार से यहां शुरू हो रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की मेजबानी में आयोजित यह प्रतियोगिता 30 अक्टूबर तक चलेगी। एसईसीआर के महाप्रबंधक आलोक कुमार बिलासपुर के रेलवे बॉक्सिंग ग्राउंड में प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे। प्रतियोगिता में भारतीय रेलवे के करीब 400 महिला और पुरुष खिलाड़ी भाग लेंगे। देश के कई ओलंपियन और अर्जुन एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इनमें ओलंपियन दिवाकर प्रसाद समेत जयदेव बिष्ट, सागरमल धायल और व्ही देवराजन (द्रोणाचार्य पुरस्कृत) तथा मो. अली कमर, मनोज कुमार, सोनिया लाथर और जितेंदर कुमार शामिल हैं।

एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफायर मुकाबले में भारत जापान से 7-0 से हारा

ताशकंद। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को गुरुवार को एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफायर के अपने पहले मुकाबले में जापान से 7-0 से हार का सामना करना पड़ा।

ताशकंद के लोकोमोटिव स्टेडियम में आज खेले गये मुकाबले में जापान की ओर से योशिनो नाकाशिमा (17वे, 46वें), होनोका हायाशी (53वें), मिना टनाका (54वें), मियाबी मोरिया (56 वें), किको सीकी (73 वें) और हिराकु नाओमोटो (81 वें) मिनट में गोल किए।

विश्व रैंकिंग के 8वें नंबर की जापान की टीम ने भारत पर शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। लेकिन भारतीय टीम ने शानदार डिफेंस दिखाते हुए जापान की टीम को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया।

फुटबॉल रैंकिंग की 61वें नंबर की टीम की मिडफील्डर इंदुमती ने खेल के

10वें मिनट में गोल करने का प्रयास किया लेकिन वह जापान की गोलकीपर को छकाने में असफल रहीं।

जापान की टीम ने खेल के 17वें मिनट में गोल कर मैच में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद जापान की टीम ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम पर हमले जारी रखे।

पहले हाफ के अंत तक जापान की टीम ने भारतीय टीम को कोई गोल नहीं करने दिया तो वहीं भारतीय डिफेंडरों ने भी जापान के स्कोर में कोई इजाफा नहीं होने दिया। जापान ने गोल के साथ दूसरे हाफ की शुरुआत की। जापानी खिलाड़ी योशिनो नाकाशिमा ने एक और गोल करके टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

8 पूर्व भारतीय नौसैनिकों को सजा-ए-मौत

भारत सरकार बोली- हम फैसले से हैरान, उन्हें छुड़ाने के कानूनी रास्ते खोज रहे

दोहा। कतर की एक अदालत ने भारत के 8 पूर्व नौसैनिकों को मौत की सजा सुनाई है। ये एक साल से कतर की अलग-अलग जेलों में कैद हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार ने इस पर हैरानी जाहिर की है। उन्हें छुड़ाने के लिए कानूनी रास्ते खोजे जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा है कि हम जजमेंट की डिटेलिंग का इंतजार कर रहे हैं।

कतर सरकार ने 8 भारतीयों पर लगे आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया है। कतर में जिन 8 पूर्व नौसेना अफसरों को मौत की सजा दी गई है उनके नाम हैं- कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी, कमांडर सुग्नाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और सेलर रागेश।

कतर की इंटेलिजेंस एजेंसी के स्टेट सिक्योरिटी ब्यूरो ने इंडियन नेवी के 8 पूर्व अफसरों को 30 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया था। हालांकि भारतीय

कतर में गिरफ्तार किए गए इंडियन नेवी के पूर्व अफसर पूर्णेन्दु तिवारी।

दूतावास को सितंबर के मध्य में पहली बार इनकी गिरफ्तारी के बारे में बताया गया।

30 सितंबर को इन भारतीयों को अपने परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी देर के लिए टेलीफोन पर बात करने की अनुमति दी गई। पहली बार कॉन्सुलर एक्सेस 3 अक्टूबर को गिरफ्तारी के एक महीने बाद मिला। इस दौरान भारतीय दूतावास के एक अधिकारी को इनसे मिलने दिया गया।

इसके बाद इन लोगों को हर हफ्ते परिवार के सदस्यों को फोन करने की अनुमति दी गई। दूसरा कॉन्सुलर एक्सेस दिसंबर में दिया गया।

कतर के नौसैनिकों को ट्रेनिंग देने वाली कंपनी के लिए काम करते थे

भारत के 8 पूर्व नौसैनिक कतर में दाहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी नाम की निजी कंपनी में काम करते थे। यह कंपनी डिफेंस सर्विस प्रोवाइड करती है। ओमान एयरफोर्स के रिटायर्ड स्क्वॉड्रन लीडर खमिस अल अजमी इसके प्रमुख हैं।

उन्हें भी 8 भारतीय नागरिकों के साथ गिरफ्तार किया गया था, लेकिन नवंबर में उन्हें छोड़ दिया गया। यह कंपनी कतर की नौसेना यानी क्ष्ह्रस्न को ट्रेनिंग और दूसरी सर्विस प्रदान करती है। कंपनी खुद को डिफेंस इक्विपमेंट्स को चलाने और उनकी रिपेयरिंग व मेंटेनेंस का एक्सपर्ट बताती है। इस वेबसाइट पर कंपनी के सीनियर अधिकारियों और उनके पद की पूरी जानकारी दी गई है। हालांकि 8 भारतीयों की गिरफ्तारी के बाद से दाहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी की वेबसाइट बंद है।

नई वेबसाइट में कंपनी का नाम दाहरा ग्लोबल है। इसमें कंपनी से QENF का कोई कनेक्शन नहीं दिखाया गया है, न ही नेवी के पूर्व अफसरों का जिक्र है, जो कंपनी में लीडरशिप रोल में थे।

जेल में बंद कमांडर पूर्णेन्दु को कतर में प्रवासी भारतीय सम्मान मिल चुका

दाहरा कंपनी में मैनेजिंग डायरेक्टर रिटायर्ड कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी को भारत और कतर के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में उनकी सेवाओं के लिए साल 2019 में प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार मिला था।

यह पुरस्कार पाने वाले वे आर्म्ड फोर्सेज के एकमात्र शख्स हैं। उस वक्त दोहा में तब के भारतीय राजदूत पी कुमारन और कतर डिफेंस फोर्सेज इंटरनेशनल मिलिट्री कॉर्पोरेशन के पूर्व प्रमुख ने भी पूर्णेन्दु का स्वागत किया था।

भारत-मिडिल ईस्ट कॉरिडोर इजराइल-हमास जंग की वजह हो सकता है

बाइडेन बोले- यह मेरा अनुमान; मोदी ने किया था प्रोजेक्ट का ऐलान

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि इजराइल-हमास के बीच जंग की एक वजह भारत-मिडिल ईस्ट इकोनॉमिक कॉरिडोर भी हो सकता है। ऑल इंडिया रेडियो के मुताबिक बाइडेन ने यह बात ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मीटिंग के बाद कही। उन्होंने कहा- यह सिर्फ मेरा अनुमान है, इसे साबित करने के लिए मेरे पास कोई प्रूफ नहीं है। एक ही हफ्ते में यह दूसरी बार है जब बाइडेन ने हमास के हमले के पीछे इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप के इकोनॉमिक कॉरिडोर को एक अहम वजह बताया है। इस कॉरिडोर की

घोषणा भारत में जी 20 समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। इजराइल ने इस कॉरिडोर को एशिया के लिए काफी अहम बताया था, हालांकि वह इसमें एक्टिव मेंबर के तौर पर शामिल नहीं है।

विदेश मामलों के जानकार माइकल कुगेलमैन के मुताबिक यह जंग भारत-मिडिल ईस्ट कॉरिडोर के लिए बड़ी चुनौती लेकर आई है। यह जंग साबित करती है कि दुनिया को जोड़ने के लिए कॉरिडोर बनाना कितना मुश्किल काम है।

इस प्रोजेक्ट की घोषणा के दौरान यह माना जा रहा था कि इससे मिडिल-ईस्ट में सऊदी अरब और इजराइल के बीच संबंध बेहतर होंगे। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के मनोज जोशी के मुताबिक भारत-मिडिल ईस्ट और यूरोप कॉरिडोर की शुरुआत इलाके में शांति लाने के लिए की गई थी। अब यही झगड़े की वजह बन गया है।

गाजा हमले में मारा गया अल जज़ीरा पत्रकार का परिवार

गाजा। इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन हमास और इजरायली सेनाओं के बीच जारी सघंर्ष में गाजा पर इजरायली हमले में अल जज़ीरा पत्रकार का परिवार मारा गया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक कतर स्थित नेटवर्क अल जज़ीरा ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उसके अरबी भाषा चैनल के गाजा संवाददाता वाएल अल-दहदौह की पत्नी और दो बच्चे गाजा पट्टी में नुसीरत शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में मारे गए। बयान में कहा गया, अल जज़ीरा मीडिया नेटवर्क अपने सहयोगी वाएल अल-दहदौह के प्रति इजरायली हवाई हमले में उनके परिवार के सदस्यों की मौत पर अपनी गंभीर संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता है।

ताइवान के पूर्व कर्नल को 20 वर्षों की सजा, चीन के लिए जासूसी करने का आरोप

ताइपे। ताइवान वायु सेना के सेवानिवृत्त कर्नल लियू शेंग-शू को चीन के लिए सैन्य जासूसी करने के आरोप में 20 वर्षों की जेल की सजा सुनाई गई है। कर्नल लियू को चीन को सैन्य गुप्त सूचनाएं प्रदान करने के लिए अन्य सक्रिय-ड्यूटी अधिकारियों की भर्ती करने का भी दोषी ठहराया गया। नौसेना और वायु सेना के पांच अन्य अधिकारियों को उनकी संलिप्तता के लिए छह महीने से 20 वर्षों की जेल की सजा सुनाई गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार कर्नल लियू को 2013 में चीन की कारोबारी यात्रा के दौरान भर्ती किया गया था। वह कथित रूप से मुखबिरों का एक नेटवर्क चलाता था और उन्हें मुखौटा कंपनियों के माध्यम से भुगतान करता था। अभियोजकों ने कहा कि उसे सैन्य खुफिया जानकारी देने के लिए भुगतान किया गया था, जैसे कि हवाई जहाज और युद्धपोतों के कार्यों पर विवरण आदि। उसकी जेल की सजा के अलावा, अधिकारियों ने उसकी तथाकथित अवैध कमाई 5,14,000 अमेरिकी डॉलर जब्त किए। ताइवान हाई प्रॉसिक्यूटर ऑफिस की काऊशुंग शाखा ने जनवरी में कर्नल लियू और छह अन्य अधिकारियों पर आरोप लगाए थे जिसमें से एक को बरी कर दिया गया। ताइवान के कई पूर्व उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों पर हाल के वर्षों में चीनी खुफिया विभाग की सहायता करने का आरोप लगाया गया है।

शेनझोउ-17 मानवयुक्त अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित

जिउक्वान। चीन ने शेनझोउ-17 मानवयुक्त अंतरिक्ष यान गुरुवार को प्रक्षेपित किया। इसमें सवार तीन अंतरिक्ष यात्रियों को एक अंतरिक्ष स्टेशन मिशन पर लगभग छह महीने तक कक्षा में रहने के लिए भेजा गया। चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के अनुसार, लॉन्ग मार्च-2एफ वाहक रॉकेट के ऊपर अंतरिक्ष यान, उत्तर पश्चिम चीन में जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केन्द्र से प्रक्षेपित किया गया। सीएमएसए के उप निदेशक लिन ज़िकियांग ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यान में तांग होंगबो, तांग शेंगजी और जियांग शिनलिन अंतरिक्ष यात्री हैं। वे विभिन्न कक्षा में अंतरिक्ष विज्ञान और अनुप्रयोग पेलोड परीक्षण तथा प्रयोग करेंगे। लिन ने कहा कि तीनों यात्री अतिरिक्त वाहन संबंधी गतिविधियां करेंगे, अतिरिक्त वाहन पेलोड स्थापित करेंगे और अंतरिक्ष स्टेशन के रखरखाव और अन्य कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि शेनझोउ-17 अंतरिक्ष यात्री पहली बार अतिरिक्त वाहन प्रायोगिक रखरखाव करेंगे, जो एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य है। अंतरिक्ष में कचरा बढ़ने के साथ, दीर्घकालिक परिचालन अंतरिक्ष यान पर उनका प्रभाव अपरिहार्य है। लिन ने कहा, प्रारंभिक निरीक्षण के माध्यम से, हमने पाया है कि अंतरिक्ष स्टेशन के सौर पंख कई बार छोटे अंतरिक्ष कणों से टकराए थे, जिससे मामूली क्षति हुई थी।

कोलंबिया, चीन ने रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए बारह समझौतों पर किए हस्ताक्षर

बीजिंग। कोलंबिया और चीन ने अर्थशास्त्र, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में 12 नए सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कोलंबियाई राष्ट्रपति प्रशासन ने बुधवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो की बीजिंग यात्रा के बाद प्रशासन ने एक बयान में कहा, कोलंबिया और चीन आर्थिक, निवेश, वाणिज्यिक, तकनीकी, पर्यावरण, वैज्ञानिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में 12 दस्तावेजों पर हस्ताक्षर के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने और महत्वाकांक्षी सहयोग के निर्माण में आगे बढ़े। बयान के मुताबिक, समझौतों से कोलंबियाई कृषि उत्पादों की चीनी बाजार तक पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी और रेलवे परिवहन के विकास को प्राथमिकता के साथ उद्योग और बुनियादी ढांचे में चीनी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, चीन कोलंबिया में परिवर्तन और डिजिटल अर्थव्यवस्था के साथ-साथ डेटा संरक्षण और सुरक्षा का भी समर्थन करेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

इज़राइल-हमास युद्ध : अस्तित्व के लिए संघर्ष

डॉ. सुभाष सिंह

परिचय

14 मई 1948 को इज़राइल राज्य की स्थापना के बाद से इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष या यहूदी-अरब संघर्ष वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु रहा है। हालाँकि, इज़राइल की स्थापना के बाद से विश्व राजनीति नाटकीय रूप से बदलती रही हैं 7 वर्तमान में चल रहे इज़राइल ङ्क हमास युद्ध , जिसकी शुरुआत फिलिस्तीनी कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन हमास द्वारा 7 अक्टूबर, 2023 को इज़राइल की निर्दोष जनता पर किये गए आतंकी हमले द्वारा हुई7 इस हमले ने विश्व राजनीति में एक बड़ी उथल-पुथल पैदा कर दी क्योंकि हमास ने गाजा से इज़राइल की दक्षिणी सीमा में घुसपैठ करके एक अभूतपूर्व हमले की शुरुआत की7 इस घटना के दौरान चरमपंथी फिलिस्तीनी हमास ने इज़रायली कस्बों पर कब्ज़ा कर लिया और इज़रायली सैन्य कर्मियों और नागरिकों को हताहत किया। नेसेट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आज इज़राइल होलोकॉस्ट के दिनों के बाद से अपने लोगों पर सबसे खराब हमले से निपट रहा है क्योंकि इज़राइली क्षेत्र में आतंकी संगठन हमास ने हजारों रॉकेट लॉन्च किए गए, जिसके परिणामस्वरूप देश के इतिहास में एक ही दिन में सबसे अधिक नागरिक मौतें हुईं। इस हमले में हमास ने इज़राइली नागरिकों का अपहरण कर लिया7 हमास के हमले के जवाब में और अपने नागरिकों को मुक्त कराने के लिए , इजरायल ने ऑपरेशन %आयरन शोर्ड्स% शुरू किया है7 इजराइल के जवाबी हवाई हमलों में कई फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। 14 अक्टूबर 2023 तक, हालिया रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि इज़राइल-हमास संघर्ष के परिणामस्वरूप इज़राइल में 1,200 से अधिक लोग मारे गए हैं, और 2,800 से अधिक लोग घायल हुए हैं। गाजा (फिलिस्तीन) में, इज़राइल के साथ चल रहे संघर्ष के कारण 1,055 से अधिक लोग मारे गए और 5,183 घायल हुए। दोनों पक्षों की ओर से संयुक्त रूप से मरने वालों की संख्या अब 3,000 से अधिक हो गई है, जोकि बहुत ही चिंता का विषय हैं 7 2007 में फिलिस्तीनी गृहयुद्ध के दौरान हमास ने गाजा पर कब्ज़ा कर लिया था, तब से इज़राइल और इस्लामिक संगठन हमास के बीच कई झड़पें हुई हैं, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ। एक उल्लेखनीय पहलू यह है कि यासिर अराफात के नेतृत्व में चल रहे इजराइल के खिलाफ फतह/फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन (पी.एल.ओ) के सशस्त्र प्रतिरोध का मुकाबला करने के लिए हमास के निर्माण में इजराइल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी7 इसलिए, फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह की पृष्ठभूमि और उद्देश्यों को समझना और इज़राइल के प्रति इसके विरोध और यहूदी राज्य के साथ चल रहे संघर्ष के पीछे के कारणों का पता लगाना बहुत महत्वपूर्ण है। यह आलेख उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास करेगा।

हमास की जड़ के रूप में मुस्लिम ब्रदरहुड

मुस्लिम ब्रदरहुड हमास की जड़ है और हमास की नीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। सन 1948 में अरब-इज़राइल युद्ध के बाद से मुस्लिम ब्रदरहुड यहूदी कब्जे वाले क्षेत्रों में एक इस्लामी समूह के रूप में फैल गया। हमास के संस्थापक और धार्मिक नेता शेख अहमद यासीन मुस्लिम ब्रदरहुड की विचारधारा से प्रेरित थे। ब्रदरहुड की स्थापना 1928 में हसन-अल बन्ना द्वारा मिस्र में की गई थी और जल्द ही यह अरब दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल गया। अन्य इस्लामी पुनरुद्धार समूहों की तरह, अल-बन्ना के आंदोलनों का लक्ष्य समाज को यथासंभव एक इस्लामी राज्य में बदलना था, जिसमें धर्म और सरकार के बीच कोई अंतर नहीं किया गया, और कुरान और सुन्ना जीवन के सभी पहलुओं के आधार थे । ब्रिटिश मैंडेट (1920-1947) की अवधि के दौरान, ब्रदरहुड ने पश्चिमी एशिया और उत्तरी अफ्रीका के मुस्लिम में अपनी अच्छी पहुंच बना ली थी ।

1948 में इज़राइल के निर्माण के बाद से, समय-समय पर तनाव के बावजूद, जॉर्डन में ब्रदरहुड और हाशमाइट नेतृत्व के बीच संबंध आम तौर पर सहज और सौहार्दपूर्ण थे। वेस्ट बैंक में ब्रदरहुड की गतिविधि मुख्य रूप से राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक और धार्मिक थी। दूसरी ओर, 1967 तक मिस्र द्वारा प्रशासित गाजा पट्टी में, प्रशासन के साथ ब्रदरहुड के संबंध वेस्ट बैंक और गाजा में धार्मिक विद्यालयों, दान संघों, सामाजिक क्लबों, इत्यादि की स्थापना के बाद से में अधिक तनावग्रस्त हो गए थे, जिसे मुख्य रूप से एक इस्लामी की परवरिश के रूप में वर्णित किया गया था। गाजा पट्टी, जिस पर सन 1967 तक मिस्र का अधिकार था, बाद में जिसको युद्ध में जीत का बाद इजरायली ने अपने कब्जे में ले लिया7

हालाँकि, समाज के इस्लामिक पुनर्गठन और धार्मिक शिक्षा पर ब्रदरहुड के जोर की उस आबादी के लिए बहुत कम प्रासंगिकता थी जो विदेशी कब्जे से मुक्ति की मांग कर रही थी। इस समय मुक्ति के लिए लड़ रहे उभरते फिलिस्तीनी राष्ट्रवादी आंदोलन (जिसकी कमान फिलिस्तीनी मुक्ति मोर्चा (पी.एल.ओ.) ने संभाल राखी थी), में अधिक विश्वास था, और इस प्रतिरोध में भाग न लेने के कारण ब्रदरहुड की नीतियों में कम विश्वास था7

संगठनात्मक और उद्देश्य दोनों, कई कारकों ने ब्रदरहुड को मजबूत करने में योगदान दिया। 1971 में, शेख अहमद यासीन ने गाजा में अल-मुजम्मा अल-इस्लामी (इस्लामिक केंद्र) की स्थापना की । फिर, 1970 के दशक में, अल-मुजम्मा के केंद्रीकृत प्रभाव से , मुस्लिम ब्रदरहुड का नेतृत्व, जॉर्डन और फिलिस्तीन में मुस्लिम ब्रदरहुड सोसायटी नामक एक एकल संगठन में विलय कर दिया गया। जॉर्डन में स्थित ब्रदरहुड सोसायटी के पुनर्गठन ने समाज को मार्गदर्शन और निर्देश के माध्यम से इसराइली कब्जे वाले क्षेत्रों को प्रभावित किया। संगठनात्मक परिवर्तनों ने ब्रदरहुड के विकास के लिए आधार तैयार किया। फिर, 1970 के दशक के उत्तरार्ध में, धर्मनिरपेक्ष ताकतों के नेतृत्व वाले फिलिस्तीनी प्रतिरोध आंदोलन के संबंध में ब्रदरहुड के कार्यकर्ताओं ने कुछ अफवाहे फैलना शुरू किया, ताकि लोगों का मोहभंग किया जा सके 7 मुस्लिम ब्रदरहुड के इन प्रयासों से फिलिस्तीनी जनता अपनी मूल राजनीतिक या वैचारिक दृष्टिकोण को बदलने के लिए सोचने लगी7

सन 1979 में ईरान में हुई इस्लामी क्रांति का भी प्रेरक प्रभाव पड़ा और इसने लोगों की कल्पनाओं पर कब्जा कर लिया। इन सभी सामाजिक और राजनीतिक कारणोंने ब्रदरहुड को मुस्लिम समाज में अपनी पकड़ बनाने में सहायता प्रदान की, जिसने पीएलओ के धर्मनिरपेक्षतावादी गुटों का मुकाबला करने के उद्देश्य से अपनी राजनीतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाया7 इसके अलावा, जहाँ एक ओर इसराइली सरकार फिलिस्तीनी प्रतिरोध संगठनों को खत्म करने पर काफी ऊर्जा खर्च कर रही थी वाही दूसरी ओर मुस्लिम ब्रदरहुड को , जोकि सशस्त्र प्रतिरोध में शामिल नहीं था, अपनी संगठनात्मक संरचना का निर्माण करने में इजरायली सरकर ने जायदा हस्तक्षेप नही किया, जिससे इस्लामिक संगठन को जनता के बीच अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में काफी सहायता प्राप्त हुई। इसलि यह कहा जा सकता हैं कि इजरायली सरकार ने फतह/पी.एल.ओ के नेतृत्व में यहूदी राज्य के खिलाफ उस समय चल रहे धर्मनिरपेक्ष सशस्त्र प्रतिरोध का मुकाबला करने के लिए इस्लामी ताकतों को फिलिस्तीनी जनता में अपना नेटवर्क स्थापित करने की अनुमति दी थी।

हमास का उदय

हमास, जिसका अरबी भाषा में

हरकत अल-मुकव्वामा अल-इस्लामिया (इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन) के नाम से जाना जाता हैं, जिसकी स्थापना जनवरी 1988 में मुस्लिम ब्रदरहुड' की विचारधारा से प्रभावित फिलिस्तीनी उलेमा शेख अहमद यासीन के नेतृत्व में की गई थी। इजरायली नागरिकों के खिलाफ आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने के कारण इसे इजरायल, संयुक्त राज्य अमेरिका और कई पश्चिमी देशों द्वारा एक आतंकवादी संगठन के रूप में भी घोषित किया गया है।

हमास 1987 में पहले इंतिफादा के दौरान फिलिस्तीनी राजनीति में फतह के विकल्प के रूप में उभरा, जिसे फतह/पीएलओ के नेतृत्व वाली धर्मनिरपेक्ष ताकतों के साथ इजरायली विरोध और प्रतिस्पर्धा दोनों का सामना करना पड़ा। हमास के उदय से पहले, मुस्लिम ब्रदरहुड इसरायली सेना के कब्जे वाले क्षेत्रों में सबसे प्रमुख इस्लामी आंदोलन ने इजरायल के कब्जे का सक्रिय रूप से विरोध करने से परहेज किया था, जिससे एक लोकप्रिय ताकत के रूप में इसके विकास में बाधा उत्पन्न हुई थी। फ़िलिस्तीनी विद्रोह या इतिफादा की शुरुआत के साथ यह स्थिति बदल गई, क्योंकि मुस्लिम ब्रदरहुड ने पहली बार प्रतिरोध में सक्रिय रूप से भाग लेना शुरू किया। इसने कई वर्षों के अस्तित्व के बाद प्रमुख राष्ट्रवादी प्रवृत्ति को चुनौती देते हुए, कब्जे वाले क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में इस्लामी आंदोलन के उद्भव को चिह्नित किया।

हमास ने जल्द ही अपने मूल संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड को पीछे छोड़ते हुए फिलिस्तीन के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष रूप से गाजा पट्टी में अपनी पकड़ बना ली और पी.एल.ओ. के सबसे बड़े गुट फतह को कड़ी टक्कर दी। हमास के इस उद्भव ने फिलिस्तीनी राजनीति में एक असंतुलन पैदा किया जो दशकों से फतह के पक्ष में बना हुआ था। इसके अलावा, हमास के नेतृत्व वाले इस्लामवादियों और फतह के प्रतिनिधित्व वाले धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवादी ताकतों के बीच चल रही प्रतिद्वंद्विता सन 2005 इजरायली कब्जे के समाप्त होने पर भी जारी रही।

पहले इंतिफादा में हमास की सक्रिय भूमिका और इसके कार्यो के बारे में बढ़ती जागरूकता की बहुत आवश्यकता थी क्योंकि पी.एल.ओ ने सशस्त्र संघर्ष में इसकी गैर-भागीदारी के लिए इसकी कटु आलोचना की। अपने उदय के कुछ ही समय में अपेक्षा से शीघ्र ही, हमास पीएलओ द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवादी ताकतों के लिए एक शक्तिशाली चुनौती के रूप में उभरकर सामने आया, जिसको पश्चमी एशिया की राजनीति में एक महत्त्वपूर्ण घटना माना गया7

हमास का लक्ष्य : फिलिस्तीन में एक इस्लामिक राष्ट की स्थापना

हमास एक सुन्नी इस्लामी या इस्लामवादी आंदोलन के रूप में उभरा और फिलिस्तीन में इस्लामी विचारधारा को आगे बढ़ाया। हमास ने अपनी स्थापना के बाद से ही मुस्लिम ब्रदरहुड के वैचारिक मार्ग का अनुसरण किया है। हमास चार्टर (1988) के अनुच्छेद 2 में कहा गया है कि इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन फिलिस्तीन में मुस्लिम ब्रदरहुड की एक शाखा है। हमास के वैचारिक सिद्धांतों में इस्लामी ढांचे के भीतर फिलिस्तीनी राष्ट्रवाद को आगे बढ़ाना, इज़राइल के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध (जिहाद) की वकालत करना शामिल है।

हमास का तर्क है कि यहूदीवाद एक भेदभावपूर्ण, आक्रामक, औपनिवेशिक और विस्तारवादी परियोजना है जो दूसरों की संपत्ति को हड़पने पर आधारित है। यह फ़िलिस्तीनी लोगों और उनकी स्वतंत्रता, आत्मनिर्णय, घर वापसी और मुक्ति की खोज का विरोध करता है। इजरायली इकाई को ज़ायोनी परियोजना के एक उपकरण के रूप में देखा जाता है और आक्रामकता के लिए इसकी नींव के रूप में कार्य करता है। इस परियोजना का दायरा फ़िलिस्तीनी आबादी तक सीमित नहीं है; यह अरब और इस्लामी समुदायों की सुरक्षा और हितों के लिए भी गंभीर खतरा है। हमास नदी से लेकर समुद्र तक फिलिस्तीन की व्यापक और पूर्ण मुक्ति के किसी भी विकल्प को अस्वीकार करता है।

हमास फ़िलिस्तीन को एक इस्लामिक राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए पवित्र युद्ध या जिहाद के माध्यम से इज़राइल को नष्ट करना चाहता है। यह फिलिस्तीन को एक धार्मिक ट्रस्ट या वक्फ के रूप में देखता है जिसे अनंत काल तक मुस्लिम नियंत्रण में रहना चाहिए। हमास अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों सहित यहूदी राज्य इजरायल के साथ शांतिपूर्ण समाधान को अस्वीकार करता है। हमास ने अक्टूबर 1991 में मैड्रिड में आयोजित शांति सम्मेलन, 1993 में ओस्लो शांति समझौते का विरोध किया और अधिकांश अरब-इजरायली वार्ता में फिलिस्तीनी भागीदारी का विरोध किया और तत्काल वापसी का आह्वान किया।ओस्लो समझौते पर हस्ताक्षर के समय,हमास नेपीएलओ के नेता यासिर अराफात पर फिलिस्तीन को बेचने का गंभीर आरोप लगाये तथा निंदा की। हमास ने जिहाद के माध्यम से इस समझौते का कड़ा विरोध किया और खुद को के फैसले के खिलाफ प्रतिरोध के चैंपियन के रूप में स्थापित किया और इंतिफादा को फिर से शुरू करने के लिए फिलिस्तीनी जनता से अपील की।

फतह के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में हमास का उदय

ओस्लो समझौते के बाद हमास ने अपनी हिंसात्मक कार्रवाइयों के माध्यम से फिलिस्तीनियों के बीच अपना समर्थन बढ़ाया, जिससे इज़राइल के साथ-साथ पी.एल.ओ के लिए भी एक शक्तिशाली सुरक्षा खतरा पैदा हो गया।28 सितंबर 1995 को ताबा में समपन्न हुआ अंतरिम समझौता, जिसे ओस्लो समझौते द्वद्व के रूप में जाना जाता है, जिसके अनुसार, फिलिस्तीन को एक वैध राज्य की दिशा में चुनाव एक महत्वपूर्ण कदम था।

यह समझौता हमास की राजनीतिक कार्रवाई के लिए एक मील का पत्थर था। 20 जनवरी को 1996, पहला फिलिस्तीनी आम चुनाव फिलिस्तीनी राष्ट्रीय प्राधिकरण के क्षेत्रों के भीतर आयोजित किया गया था। नए पीएलओ नेतृत्व को उम्मीद थी कि एक स्वतंत्र फ़िलिस्तीनी राज्य की स्थापना के लिए हासिल की गई चुनावी वैधता पूरे वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी से इजरायल की निकासी की मांगों को अधिक महत्व देगी। राजनीतिक दृष्टिकोण सेचुनाव फ़िलिस्तीनी राज्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। हालाँकि, ओस्लो समझौते के सन्दर्भ में फ़िलिस्तीनी आलोचकों ने तर्क दिया कि इन समझौतों से फ़िलिस्तीनियों को वह नहीं मिला जिसके लिए उन्होंने लंबे समय से संघर्ष किया था।

हमास ने आधिकारिक तौर पर 1996 के फिलिस्तीनी आम चुनावों का बहिष्कार किया क्योंकि ये चुनाव ओस्लो शांति समझौते पर आधारित थे। हमास ने ओस्लो शांति समझौते को अस्वीकार कर दिया क्योंकि यह फिलिस्तीनियों को उनके मौलिक अधिकार देने में विफल रहा। 1996 के चुनाव का बहिष्कार करने का हमास का निर्णय दो प्रमुख प्रश्नों से निकटता से जुड़ा हुआ था- सबसे पहले, चुनावों में इसकी भागीदारी का मतलब फिलिस्तीनी राष्ट्रीय प्राधिकरण(पी.एन ए.) को वैधता प्रदान करना होगा, जो कि शांति समझौतों द्वारा बनाई गई एक राजनीतिक संस्था है और जिसे ओस्लो प्रक्रिया के रूप में जाना जाता है; दूसरा, 1996 के चुनावों का बहिष्कार करने का हमास का निर्णय भी यहूदी राज्य के साथ किसी भी समझौते को अस्वीकार करने की उसकी वैचारिक स्थिति से निर्देशित था, जिसे वह शर्मनाक और अपमानजनक मानता था। बिना किसी विरोध के फतह ने चुनाव जीत लिया और यासर अराफात को फिलिस्तीनी प्राधिकरण के पहले राष्ट्रपति के रूप में चुना गया।2004 में अराफात की मृत्यु के बाद, हमास ने एक बार फिर 2005 के राष्ट्रपति चुनावों में भाग लेने से परहेज किया। परिणामस्वरूप, 2005 में महमूद अब्बास ने भी चुनाव जीता और फिलिस्तीन के नए राष्ट्रपति के रूप में भूमिका निभाई। लेकिन 1996 और 2005 में पूर्व चुनावों का बहिष्कार करने के बावजूद, इस्लामिक संगठन हमास 2006के लिए निर्धारित चुनावों के लिए सक्रिय रूप से आधार तैयार कर रहा था।

2005 सन में राष्ट्रपति चुनावों के बाद, फतह के लोकप्रिय समर्थन में गिरावट और हमास के समर्थन में वृद्धि हुई। जुलाई 2000 में और फतह-प्रभुत्व वाले पीए के प्रदर्शन पर असंतोष बढ़ रहा था, जो उस समय भ्रष्टचार में लिप्त और निष्क्रिय हो चुका था।

दूसरे इंतिफादा की शुरुआत के बाद फिलिस्तीनी जनता में बेरोजगारी और गरीबी दर आसमान छू रही थी । हमास इन कारकों और इज़राइल द्वारा फ़िलिस्तीनियों पर बढाई गयी परेशानियों और अपमान पर समर्थन बनाने सफल रहा।

सन 2005 में, इजरायली प्रधान मंत्री एरियल शेरोन ने गाजा से पूरी तरह से हटने का निर्णय लिया, जिसे उसने 1967 के युद्ध में जीता था। इस प्रक्रिया के तहतवहां स्थापित यहूदी बस्तियों को समाप्त कर दिया गया। यह कदम हमास द्वारा इजरायल के विरुद्ध चलाये गए पहले और दूसरे इंतिफादा या फिलिस्तीनी हिंसक विरोध प्रदर्शनों, दंगों, आत्मघाती बम विस्फोटों और आतंकवादी हमलों के बाद लिया गया क्योंकि इन हमलों के बाद गाजापट्टी में बसे इजरायली नागरिकों के प्राण घतरे पड़ गए थे7परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में यहूदी निवासियों की सुरक्षा इज़राइल के लिए लगातार महंगी होती जा रही थी। हमास ने इन कारकों का लाभ उठाया और परिवर्तन और सुधारों के आधार के नाम पर 2006 के विधायी चुनावों में भाग लेने की घोषणा की।

परिणामस्वरूप, हमास ने 2006 में फिलिस्तीनी संसदीय चुनावों में भाग लिया और शानदार जीत हासिल की। हमास (इस्लामिक पार्टी) ने 132 सीटों में से 76 सीटें (57.5त्न) जीती थीं, और यासिर अराफात की फतहम पार्टी 43 (32.5त्न) के साथ दूसरे स्थान रही। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हमास ने वैध भारी जीत हासिल की है, क्योंकि पर्यवेक्षकों ने चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष माना है। दूसरे शब्दों में, हमास की जीत फतह और उसके समर्थकों, विशेषकर इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक राजनीतिक भूकंप थी। हमास ने 2006 के संसदीय चुनाव जीतकर फतह के राजनीतिक प्रभुत्व को सफलतापूर्वक चुनौती दी। फ़िलिस्तीन के इतिहास में पहली बार दशकों तक फ़िलिस्तीनी राजनीति पर हावी रही धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवादी पार्टी फ़तह के बिना इस्लामी आतंकवादी संगठन के नेता इस्माइल हानियेह के नेतृत्व वाली सरकार का गठन किया गया। राजनीतिक व्यवस्था पर आधिपत्य खोने की स्थिति में, फतह ने, इज़राइल, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे बाहरी खिलाड़ियों की सहायता से, फिलिस्तीनी प्राधिकरण (पीए) में हमास के एकीकरण को बाधित करने के लिए व्यवस्थित प्रयास किए।

इजराइल-हमास संघर्ष

हमास की जीत ने शुरू में इजरायली सरकार को परेशान कर दिया था। इज़रायल, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपियन संघ ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि हमास फिलिस्तीन में लोकतांत्रिक सरकार बनाना चाहता, जिसे विश्व मान्यता प्रदान करे तो उसे सर्वप्रथम इन तीन शर्तो को स्वीकार करना पड़ेगा जिसमे आतंक के अपने तरीकों को छोड़ना, शांति और सुरक्षा बनाये रखने के साथ इज़रायल के अधिकार को मान्यता देना और इज़रायल के प्रति सभी फ़िलिस्तीनी राष्ट्रीय प्राधिकरण के साथ समझौतों का सम्मान करना, जिसमें निश्चित रूप से हमास के चार्टर जिसमे इजरायल के विनाश की बात कही गयी है, को रद्द करना भी शामिल था। जिसे हमास ने अस्वीकार कर दिया। फलस्वरूप इजरायल ने साफ कह दिया कि वह फ़िलिस्तीनियों के साथ कोई संपर्क नहीं रखेगा। हालाँकि हमास की सरकार पर इज़राइल प्रतिबंध लगाने वाला एकमात्र राज्य नहीं था। मार्च 2006 में, फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण के प्राथमिक वित्तीय समर्थकों, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघने अपनी वित्तीय सहायता पर रोक लगा दी। इन देशों तर्क था कि हमास एक नामित आतंकवादी संगठन हैं, जो इजरायल का विनाश करना चाहता हैं। उनका निर्णय इस तथ्य पर आधारित था कि हमास ने हिंसा छोड़ने, इज़राइल को मान्यता देने या यहां तक कि इज़राइल और फिलिस्तीनियों के बीच हस्ताक्षरित पिछले समझौतों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

जहाँ एक ओरइन बाहरी देशों ने हमास पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए, वहीं दूसरी ओर, वे हमास के विरुद्ध फतह को सहायता प्रदान कर रहे थे। हमास के नेताओं ने तर्क दिया कि यह यहूदी राज्य के खिलाफ फिलिस्तीनियों की एकता को तोड़ने की एक राजनीतिक साजिश हैं। हताशा में, लगभग एक साल बाद, 7 जून 2007 को, हमास ने गाजा में फतह के खिलाफ एक हिंसात्मक अभियान शुरू किया। छह दिनों के चले इस फ़िलिस्तीनी गृहयुद्ध और सशस्त्र संघर्ष के बाद, फ़िलिस्तीनी क्षेत्र और पीए दो अलग-अलग इकाइयों, फ़तहलैंड और हमास्तान में विभाजित हो गए, जिसे फ़िलिस्तीन का दूसरा विभाजन कहा जाता है। फतह वेस्ट बैंक का प्रभारी बना हुआ है, हमास ने गाजा पट्टी में अपना कब्ज़ा कर लिया जबकि वेस्ट बैंक अराफात की पार्टी फतह के नियंत्रण में रहा। इस गृहयुद्ध में हजारों फिलिस्तीनी मारे गये, जोकि मानवता के लिए बहुत ही शर्मनाक क कदम था, जिसकी पूरी दुनिया में आलोचना हुई।

वर्तमान में चल रहे इज़राइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध की शुरुआत 7 अक्टूबर 23 को हुई जब फिलिस्तीनी आतंकवादियों ने गाजापट्टी से इज़राइल में रॉकेट से हमला करके इजरायली नागरिकों को मार दिया और कुछ को बंधक बना लिया7 इज़राइल ने जवाब में जवाबी कार्रवाई शुरू की और अगले दिन आधिकारिक तौर पर हमास के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। यह घटना लंबे समय से चले आ रहे अरब-इजरायल संघर्ष की निरंतरता है, जिसमें गाजा-इजरायल तनाव पर विशेष ध्यान दिया गया है। जबकि इज़राइल और हमास पहले कई संघर्षों में शामिल हुए थे, 2022 जिनमें शत्रुता में अपेक्षाकृत कमी दिखाई पड़ती थी, लेकिन इस बार का युद्ध बहुत भयानक होता जा रहा हैं और दोनों पक्ष एक दूसरे को समाप्त करने के लिए तत्पर हैं। हालाकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना हैं कि हमास इस हमले की तैयारी कर रहा था जिसे ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड के रूप में जाना जाता है।

हमास का आतंकवादी हमला सुबह-सुबह इज़राइल पर 3,000 से अधिक रॉकेट दागे जाने और वाहनों का उपयोग करके उसके क्षेत्र में घुसपैठ के साथ शुरू हुआ। फ़िलिस्तीनी आतंकवादियों ने गाजा-इज़राइल बाधा को तोड़ दिया, सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जिसमें अनेक इज़राइली नागरिक मारे। सबसे दुखद बात यह है कि एक संगीत समारोह में कम से कम 260 इजरायली लोगों की जान चली गई। इसके अतिरिक्त हमास के आतकवादियों ने निहत्थे नागरिकों को बंधक बना लिया गया और इजरायली सैनिकों को पकड़कर गाजा पट्टी ले गये। आपने नागरिकों को आतकवादियों से मुक्त कराने के लिए इजरायली सेना ने प्रभावित क्षेत्रों से हमास के लड़ाको को हटाने के बाद गाजा पट्टी में हवाई हमले शुरू किए। संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि इज़राइल की सेना ने 13 अक्टूबर को उत्तरी गाजा को खाली करने का निर्देश दिया7 यह क्षेत्र 1.1 मिलियन लोगों का घर है - क्षेत्र की लगभग आधी आबादी विस्थापित हो गई थी। मानवीय संकट के बारे में चिंताएं तब बढ़ गईं जब इज़राइल ने गाजा को भोजन, पानी, बिजली और ईंधन की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगा दिया, जो पहले से ही मिस्र और इज़राइल दोनों द्वारा नाकाबंदी के अधीन था।

संघर्ष के परिणामस्वरूप दोनों तरफ के हजारों नागरिक मारे गए और युद्ध अपराधों के कई आरोप लगे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन उभरे और घृणा अपराधों में वृद्धि हुई। विशेष रूप से, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कम से कम 44 देशों ने हमास की निंदा की और इसकी रणनीति को आतंकवाद बताया, जबकि कतर, ईरान, सऊदी अरब, कुवैत, सीरिया और इराक जैसे क्षेत्रीय देशों ने इसकी जिम्मेदारी इजरायल को दी। कई अरब राज्यों ने तनाव कम करने का आह्वान किया। इसके अतिरिक्त, 8 और 9 अक्टूबर को लेबनान में हिज़्बुल्लाह के आतंकवादियों और इज़रायली बलों के बीच संघर्ष हुआ। जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने पूर्वी भूमध्य सागर में एक विमान वाहक युद्ध समूह तैनात किया, और जर्मनी ने इज़राइल को सैन्य सहायता प्रदान करने की घोषणा की।

संयुक्त राज्य अमेरिका हमास आतंकवादियों के साथ संघर्ष में इज़राइल को सैन्य सहायता प्रदान कर रहा है। रूस ने इजराइल और गाजा में चल रही हिंसा पर संयमित प्रतिक्रिया दिखाई है, अगर वे अपने दृष्टिकोण में सतर्क रहें तो लाभ की संभावना है। दूसरी ओर, चीन ने हमास के हमलों में इजरायली नागरिकों की हत्या की निंदा करने से परहेज किया है, एक तटस्थ बयान जारी किया है जो दोनों पक्षों से संयम卐और दो-राज्य समाधान के लिए शांति वार्ता फिर से शुरू करने का आह्वान करता है।

हमलों के तुरंत बाद, भारत ने हमास के आतंकवादी कृत्यों की निंदा करते हुए इज़राइल का पुरजोर समर्थन किया। भारत किसी भी रूप में आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति रखता है, क्योंकि दोनों राज्य आतंकवाद के खिलाफ सहयोग करते रहे हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इज़राइल में आतंकवादी हमलों की खबर पर गहरा आघात व्यक्त किया और इस चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान इज़राइल के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना और प्रार्थना की। इसके साथ ही भारत ने एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के लिए अपना समर्थन दोहराया। भारत ने सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर इज़राइल के साथ शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के लिए सीधी बातचीत फिर से शुरू करने की अपील की है।

निष्कर्ष

निष्कर्षत: हम कह सकते हैं कि इज़राइल और हमास के बीच चल रहा संघर्ष क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर खतरा है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय खुद को दो गुटों में विभाजित पाता है, एक इज़राइल का समर्थन करता है और दूसरा हमास का समर्थन करता है, जो व्यापक संघर्ष की संभावना के बारे में चिंता पैदा करता है। इसराइल इस युद्ध में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है, जबकि हमास फ़िलिस्तीनी राज्य स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। दोनों पक्ष अपने पदों और हितों को उचित बताते हैं। गाजा पर कब्ज़ा करने के बाद से इज़राइल और हमास के बीच कई संघर्ष हुए हैं, लेकिन मौजूदा स्थिति पिछले संघर्षों से अलग है।

ईरान, रूस और चीन जैसे कुछ देशों के कूटनीतिक उकसावों के कारण हमास ने इजरायल पर हजारों रॉकेट लॉन्च किए, जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष इजरायली नागरिकों की दुखद मौतें हुईं। इस स्थिति ने इज़राइल को गाजा पट्टी में हमास के आतंकवादी नेटवर्क को नष्ट करने का अवसर प्रदान किया क्योंकि यहूदी देश अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन बाहरी देशों जिनमें ईरान, रूस और चीन जैसे देशों का उद्देश्य अब्राहम समझौते को कमजोर करके और सऊदी अरब के साथ इजरायली संबंधों में बाधा डालकर अरब देशों के बीच इजरायल की स्वीकार्यता को कम करना है। इसके अतिरिक्त, इस्लामिक आतंकवादी संगठन द्वारा की गई दुर्भाग्यपूर्ण गलती के कारण निर्दोष फिलिस्तीनियों की जान चली गई, जोकि हमास के समर्थक नहीं थे। इसके अलावा, पीएलओ नेता इस संघर्ष के दौरान चुप रहे क्योंकि उन्होंने गाजा में इजरायली जवाबी कार्रवाई के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है।

कारण स्पष्ट हैं कि धर्मनिरपेक्ष ताकतों को भी हमास की स्थापना के बाद से इस्लामी विचारधारा से गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। राजनीतिक विश्लेषकों को उम्मीद है कि अगर इज़राइल गाजा में हमास के आतंकी नेटवर्क को खत्म करने में सफल हो जाता है, तो विरोध खत्म होने के बाद पीएलओ के लिए गाजा प्रशासन पर फिर से नियंत्रण हासिल करने का यह एक सुनहरा अवसर हो सकता है।